* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

08 मई, 2023
ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, तृतीया
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
सोमवार, वर्ष 08, अंक 197

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

सूडान से लौटे 210 भारतीयों से मिले मोदी
कहा- दुनिया में कोई भी हिंदुस्तानी फंस जाता है तो हम सोते नहीं हैं

लैंड स्कैम : इडी ने शुरू की प्रश्नों की बौछार

पहले दिन कई सवालों में उलझते रहे निलंबित आइएएस छवि रंजन

- जमीन घोटाला मामले से जुड़े सवालों से अगले पांच दिनों तक होगा सामना

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सेना की कब्जेवाली जमीन के घोटाले में गिरफ्तार निलंबित आइएएस छवि रंजन पर प्रवर्तन निदेशालय ने पूछताछ के दौरान प्रश्नों की बौछार कर दी। बता दें कि इडी ने छवि रंजन को छह दिन की रिमांड पर लिया है। रविवार को इडी के अधिकारी होटवार स्थित बिरसा मुंडा जेल पहुंचे। वहां से वे छवि रंजन को लेकर हिनू एयरपोर्ट रोड स्थित इडी के जोनल कार्यालय पहुंचे। वहां पहुंचने के फौरन बाद पूछताछ का सिलसिला शुरू हो गया। जानकारी के अनुसार पूछताछ के दौरान कई सवालों पर छवि रंजन उलझते रहे। कभी वह अधिकारियों के मुंह ताकते थे, तो कभी आंखें नीची कर लेते थे। पूछताछ के लिए इडी के पास पांच दिन का वक्त है।

इन सवालों से हुआ छवि रंजन का सामना

छवि रंजन से रविवार को हुई पूछताछ के दौरान उनके 12 साल के करियर के बारे में पूछा गया। इसके अलावा कोडरमा में डीसी रहते हुए सरकारी पेड़ काटने से लेकर दूसरे आरोपों के बारे में भी उनसे पूछा गया। जमशेदपुर में उनके सामाजिक और दूसरे रिश्तों की जानकारी ली गयी। फिर इडी के अधिकारियों ने उनसे उनकी संपत्ति की जानकारी ली और पूछा कि उनके परिवार के लोग क्या करते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधा जवाब दिया, लेकिन जब उनसे पूछा गया कि जमीन घोटाला मामले में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने लगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उन्होंने किसके कहने पर यह सब किया और कितना पैसा किससे लिया, तो वह चुप्पी साध गये। जानकारी के अनुसार, उनसे पूर्व में जब्त दस्तावेजों में मिले तथ्यों के आधार पर भी पूछताछ की गयी। इडी प्रत्येक बिंदु पर तर्क के साथ उन दस्तावेजों का सत्यापन करवा रही है। अब तक की पूछताछ में क्या कुछ सामने आया, यह स्पष्ट नहीं हो सका है।

आज कारोबारी विष्णु अग्रवाल से पूछताछ

- इडी ने तीन जमीन कारोबारियों को भी किया है तलब
- छवि रंजन को सामने बैठा कर होगी सवालों की बौछार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। चर्चित कारोबारी और न्यूक्लियस मॉल के मालिक विष्णु अग्रवाल को सोमवार को इडी के सामने हाजिर होना है। इडी उनसे जमीन हेराफेरी मामले में पूछताछ करेगी।

जानकारी के अनुसार उन्हें निलंबित आइएएस छवि रंजन के सामने बैठाया जायेगा और तब पूछताछ होगी। इडी ने जांच के दौरान पता लगाया है कि रांची के डीसी रहते हुए छवि रंजन को सपरिवार गोवा घूमने का खर्च विष्णु अग्रवाल ने ही उठाया था। यह पूरा ट्रिप एक ट्रैवेल एजेंट के माध्यम से पूरा हुआ था। इसका नगद भुगतान विष्णु अग्रवाल के एक कर्मचारी ने दिल्ली में उक्त ट्रैवेल एजेंट को किया था।

विष्णु अग्रवाल के अलावा छवि रंजन के सामने जमीन कारोबारी लखन सिंह, राजेश राय और भरत प्रसाद भी होंगे। इन सभी आरोपियों के ठिकानों पर इडी ने पिछले दिनों छापेमारी भी की थी।

कई अधिकारियों और नेताओं की मुश्किलें बढ़ेंगी

छवि रंजन से इडी की पूछताछ में कई ऐसी जानकारी सामने आयेगी, जिससे कई अधिकारियों और नेताओं की मुश्किलें बढ़ेंगी। कई कारोबारी भी इडी की रडार पर हैं। बता दें कि रांची की स्पेशल पीएमएलए कोर्ट ने छवि रंजन को छह दिनों के लिए इडी की हिरासत में भेजा है। इससे पहले उन्हें एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था, लेकिन दोबारा पेशी के बाद जब इडी द्वारा रिमांड की अपील की गयी, तो कोर्ट ने उन्हें इडी रिमांड पर भेज दिया है। छवि रंजन पर सेना की कब्जे वाली जमीन को गलत तरीके से बेचने में सहयोग करने का आरोप है।

वैभव मणि त्रिपाठी ने सौंपे थे कागजात

इससे पहले रांची के सब रजिस्ट्रार वैभव मणि त्रिपाठी से पूछताछ की गयी थी। पूछताछ के दौरान उन्होंने रांची में सेना की कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन और चेशायर होम रोड की एक एकड़ जमीन से संबंधित मामले में रजिस्ट्री से संबंधित कागजात भी इडी को सौंपे। वैभव मणि त्रिपाठी ने इडी को बता दिया है कि उन्होंने किस परिस्थिति में और किसके कहने पर रजिस्ट्री की। इडी को पूछताछ में वैभव मणि से कुछ अन्य जमीन के बारे में भी जानकारी मिली है, जिस पर आगे का अनुसंधान शुरू हो गया है।

1000 करोड़ का खनन घोटाला

दाहू यादव और सुनील यादव के घर की कुर्की

- पिता पशुपति यादव को पहले ही किया गया है गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

साहिबगंज। एक हजार करोड़ के अवैध खनन मामले में बहुत दिनों से फरार चल रहे राजेश यादव उर्फ दाहू यादव और उसके भाई सुनील यादव के शोभनपुर भट्ठा स्थित घर की 7 मई को कुर्की-जब्ती की गयी। इडी स्पेशल कोर्ट से आदेश जारी होने के बाद मुफस्सिल थाना प्रभारी अनुपम प्रसाद, प्रणीत पटेल, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी चिरंजीत कुमार, नगर थाना इंस्पेक्टर शशि भूषण चौधरी, मजिस्ट्रेट फणेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में रविवार को पुलिस ने कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की। मौके पर काफी संख्या में पुलिस बल को उसके घर के आसपास तैनात किया गया था। बता दें कि पिछले माह ही एक हजार करोड़ के खनन घोटाले में राजेश यादव उर्फ दाहू यादव और सुनील यादव के खिलाफ इडी कोर्ट ने कुर्की-जब्ती वारंट जारी किया था। कई बार सूचित किये जाने के बाद भी दोनों भाई इडी के समक्ष पेश नहीं हुए। दाहू यादव आखिरी बार 18 जुलाई 2022 को रांची के हिनू स्थित इडी के क्षेत्रीय कार्यालय में पेश हुआ था। पेशी के बाद वह मां की बीमारी का हवाला देकर साहिबगंज लौट आया था। इसके बाद से अब तक वह इडी के रडार से बाहर है। इडी ने धीरे-धीरे जांच का दायरा बढ़ाया और दाहू यादव के परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के खिलाफ केस दर्ज किया। कई बार इश्तेहार उसके घर पर साटने के बाद भी वह उपस्थित नहीं हुआ। दाहू यादव के पिता पशुपति यादव को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

लातेहार मंडल कारा में कैदी की संदिग्ध मौत के मामले में पांच जेल कर्मियों पर प्राथमिकी

- मंडल कारा में बंद विचाराधीन कैदी संधू मुंडा की मौत के मामले में हुई कार्रवाई

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। मंडल कारा में बंद विचाराधीन कैदी संधू मुंडा की मौत के मामले में लातेहार सदर थाना में पांच जेल कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। जेल अधीक्षक के आवेदन के आधार पर पुलिस ने मंडल कारा के कक्षपाल शंकर मुंडा, चंद्रशेखर सिंह, दीप नारायण विश्वकर्मा, प्रदीप प्रजापति और मनोहर बारला के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की है।

एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन आरंभ कर दी गयी है। मामले में जो भी दोषी पाये जायेंगे, उन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

बताया जाता है कि डायन बिसाही के आरोप में दोहरे हत्याकांड के आरोप में संधू मुंडा मंडल कारा में बंद था। शनिवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। चिकित्सकों का कहना था कि कैदी की मौत दौरा पड़ने से हुई है, लेकिन जब मृतक कैदी के परिजन अस्पताल पहुंचे और शव को देखा तो उसके शरीर पर कई गहरे जख्म के निशान दिखे। इसके बाद परिजनों ने आरोप लगाया था कि संधू मुंडा की लाठी से पीट कर हत्या की गयी है। इस आरोप के बाद तीन डॉक्टरों का मेडिकल बोर्ड बना कर कार्यपालक दंडाधिकारी की उपस्थिति में शव का पोस्टमार्टम किया गया। इसके बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया।

इधर रविवार को परिजन इस बात पर अड़ गये कि जब तक दोषियों के खिलाफ प्राथमिकी की कॉपी उन्हें उपलब्ध नहीं करायी जायेगी, तब तक शव का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे।

मृतक के परिजनों तथा ग्रामीणों ने पूरे मामले में प्रशासनिक उदासीनता का भी आरोप लगाया। हालांकि पुलिस पदाधिकारियों के समझाये जाने के बाद ग्रामीणों का आक्रोश कम हुआ।

मैसूर में जनसभा : प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर जम कर साधा निशाना

50 साल पहले गरीबी हटाने की जो गारंटी दी थी, उसका क्या हुआ: मोदी

आजाद सिपाही संवाददाता

मैसूर। कर्नाटक में होनेवाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मैसूर में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस पर जम कर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आजकल कांग्रेस लोगों को झूठी गारंटियां दे रही है, लेकिन उसके नेता इस बात का कभी जवाब नहीं देते कि 50 साल पहले उसने गरीबी हटाने की जो गारंटी दी थी, उसका क्या हुआ। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के लोगों के लिए यह चुनाव नया इतिहास रचने का चुनाव है। यह चुनाव कर्नाटक को पूरे देश का नंबर वन राज्य बनाने का चुनाव है और मुझे इस बात की खुशी है कि इस महायज्ञ के लिए कर्नाटक के लोगों ने भाजपा की डबल इंजन सरकार पर ही भरोसा किया है।

पीएम मोदी ने कहा कि जब भारत का रक्षा क्षेत्र मजबूत होना शुरू हुआ, तो कर्नाटक में एशिया की सबसे बड़ी हेलीकॉप्टर बनाने की फैक्ट्री लगी। जब भारत दुनिया में स्टार्टअप का तीसरा सबसे बड़ा इकोसिस्टम बना, तो कर्नाटक स्टार्टअप का कैपिटल बना। जब भारत में रेलवे का काम कई गुना तेज हुआ, तो कर्नाटक में रेलवे

का काम तेज हुआ। 2014 से पहले कर्नाटक में प्रतिवर्ष औसतन सिर्फ सात सौ किलोमीटर रेल लाइन का विद्युतीकरण हुआ था, जबकि भाजपा की सरकार में पिछले नौ साल में हर साल करीब 16 सौ किलोमीटर रेल लाइन का विद्युतीकरण हुआ।

पीएम मोदी ने कहा कि हम सब जानते हैं कि भारत मसालों के मामले में प्राचीन वैश्विक शक्ति रहा है, लेकिन कांग्रेस के शासन में तो हम अपनी हल्दी तक की पहचान खोने लगे थे, लेकिन हमने अपने मसालों को दुनिया भर में प्रमोट किया। आज पूरी दुनिया में हमारे मसालों की मांग बढ़ी है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक का ऐसा कोई कोना नहीं है, जहां हमारी समृद्ध विरासत के दर्शन ना होते हों, लेकिन कांग्रेस और इनके सहयोगी जेडीएस की सरकारों ने इस विरासत का कदम-कदम पर अपमान किया। हमारी आस्था, हमारी धरोहरों को भी वोट बैंक की तुष्टिकरण की राजनीति में देखा गया। पीएम ने कहा कि आज भारत दुनिया की टॉप फाइव की आर्थिक ताकत बना है। इस दौरान भारत ने हर साल विदेशी निवेश के नये रिकॉर्ड बनाये, निर्यात के नये रिकॉर्ड बनाये, लेकिन जब तक कर्नाटक में कांग्रेस और जेडीएस की सरकार थी, तब तक इसका पूरा लाभ कर्नाटक को नहीं मिला। जैसे ही यहां डबल इंजन की सरकार बनी, तो सालाना विदेशी निवेश पहले की तुलना में तीन गुना बढ़ गया।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

सर्राफा
सोना (बिक्री) 57,900 रु./10 ग्राम
चांदी 79,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 08 मई, 2023
www.azadsipahi.in

झारखंड की जमीन पर कब्जा कर बंगाल ने दिखायी दादागीरी

■ मसानजोर, मैथन और अन्य संपत्तियों पर पहले से ही है कब्जा

■ अब जरूरी हो गया है पश्चिम बंगाल को माकूल जवाब देना

आजाद सिपाही विशेष

झारखंड के साथ एक बार फिर छल किया जा रहा है। यह छल उसके पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल ने किया है। बंगाल सरकार ने झारखंड के बोकारो जिला स्थित कसमार प्रखंड की सेवाती घाटी पर अपना दावा करते हुए अपना बोर्ड लगा दिया है। पुरुलिया वन विभाग की ओर से घाटी में बोर्ड लगाये जाने के बाद यह विवाद शुरू हुआ है। पुरुलिया वन प्रमंडल अंतर्गत झालदा रेंज द्वारा लगाये गये बोर्ड में झारखंड वाले हिस्से को बंगाल का हिस्सा बताते हुए लिखा गया है कि यह भूमि वन विभाग बंगाल की है और इसमें किसी प्रकार का अतिक्रमण गैरकानूनी है। झारखंड की वन भूमि पर बंगाल सरकार द्वारा लगाया गया यह बोर्ड जाहिर तौर पर उकसाने वाला है। यदि पश्चिम बंगाल को लगता है कि यह जमीन उसके हिस्से की है, तो इसके लिए उसे झारखंड सरकार से बात करनी चाहिए। हालांकि यह पहली बार नहीं है कि पश्चिम बंगाल सरकार ने इस तरह की दादागीरी दिखायी है। झारखंड के साथ लगती अपनी सीमा से सटे इलाकों की जमीन रजिस्ट्री हो या मसानजोर डैम का मालिकाना हक, मैथन-पंचेत डैम के पानी के इस्तेमाल का मुद्दा हो या फिर सीसीएल-बीसीसीएल की कोयला खदानों की रॉयल्टी का सवाल हो, पश्चिम बंगाल हमेशा ही झारखंड के साथ छल करता रहा है। सबसे अफसोसजनक यह है कि झारखंड अपने हिस्से की जमीन और दूसरे लाभ के लिए समुचित कदम उठाने से भी झिझकता रहा है। अब समय आ गया है कि पश्चिम बंगाल की इस हरकत का माकूल जवाब दिया जाये और उसे यह सोचने पर मजबूर कर दिया जाये कि यदि झारखंड भी जबरदस्ती पर उतर गया और उससे लगी अपनी सीमाओं को सील कर दिया, तो बंगाल देश-दुनिया से पूरी तरह अलग-थलग पड़ जायेगा। बंगाल को समझाना होगा कि झारखंड को इस भौगोलिक अवस्था का लाभ उठाने पर मजबूर न किया जाये। पश्चिम बंगाल के साथ पैदा हुए इस नये सीमा विवाद की पृष्ठभूमि में दोनों पड़ोसी राज्यों के रिश्तों का विश्लेषण कर रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

राकेश सिंह

अब उसने झारखंड के इलाके को अपना बता कर उस पर कब्जा जमा लिया है। इससे पहले दोनों राज्यों के बीच दुमका जिले के मसानजोर डैम के मालिकाना हक को लेकर विवाद चल रहा है। नया विवाद बोकारो जिले के कसमार प्रखंड की सेवाती घाटी के जंगल को पश्चिम बंगाल सरकार ने अपना बताते हुए बोर्ड लगा दिया है।

झारखंड का अपने पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के संग विवाद नया नहीं है। बंगाल कभी आलू की आपूर्ति रोकता है, तो कभी बिना बताये अपने बांधों का पानी छोड़ देता है। सीमावर्ती जिलों में झारखंड के लोगों को परेशान करने संबंधी सूचनाएं भी अक्सर आती हैं। बोकारो की ताजा घटना से पहले पश्चिम बंगाल ने साहिबगंज जिले की करीब 50 हजार एकड़ जमीन पर दावा ठोंका था। इनमें कलियाचक और मानिकचक प्रखंड के 29 टोले शामिल थे। पश्चिम बंगाल ने अपने दावे के पक्ष में आवाज बुलंद करने के लिए सीमावर्ती इलाकों के नेताओं को लगा रखा था, जो अक्सर इन विवादों की चर्चा कर तूल देते थे। हालांकि अभी यह विवाद सुलझा नहीं है, लेकिन झारखंड सरकार के कड़े रुख को देखते हुए पश्चिम बंगाल ने तेवर नरम किये हैं। इसके अलावा साहिबगंज जिले के उधवा अंचल में रहनेवाले कुछ लोग आज भी अपनी भूमि की रजिस्ट्री मालदा के कलियाचक स्थित निबंधन कार्यालय में कराते हैं। इसका कारण साहिबगंज जिला प्रशासन के पास इन भूमि से संबंधित दस्तावेज न होना है। झारखंड और पश्चिम बंगाल के बीच 49 मौजा की भूमि के मालिकाना हक को लेकर विवाद भी चल रहा है। इन पर दोनों ही राज्य अपना-अपना दावा करते हैं। इनमें 22 मौजा उधवा, तो 10 मौजा राजमहल अंचल का है। भूमि 50 हजार एकड़ से अधिक होगी। 2011 में इसे सुलझाने की कोशिश हुई थी। मामला अंतरराज्यीय विकास परिषद में उठा था, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पाया।

राजनीतिक उम्र के हिसाब से पश्चिम बंगाल ने अपने से पूरे 95 साल छोटे झारखंड के साथ नया सीमा विवाद पैदा कर दिया है। साल 1905 में बंगाल से अलग होकर बिहार अस्तित्व में आया। तब से इन दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद चलता रहा। 1968 में बिहार और पश्चिम बंगाल के बीच भूमि समझौता हुआ था। इसके तहत गंगा नदी के पश्चिमी को बिहार और पूर्वी को पश्चिम बंगाल का भूभाग माना गया। साल 2000 में बिहार से अलग होकर झारखंड बना, तो बंगाल के साथ इसका विवाद खड़ा हुआ। बंगाल ने पहले तो गंगा नदी वाले सीमांकन को मानने से इनकार कर दिया और अब उसने झारखंड के इलाके को अपना बता कर उस पर कब्जा जमा लिया है।

बंगाल की दादागीरी का इलाज जरूरी

पश्चिम बंगाल पहले एकीकृत बिहार के साथ और बाद में झारखंड के साथ सीमा को लेकर उलझता रहा है। मसानजोर का मालिकाना हक, मैथन और पंचेत जैसे डैमों का इस्तेमाल या सीसीएल-बीसीसीएल-इसीएल की कोयला खदानों से मिलनेवाली रॉयल्टी के मुद्दे पर हमेशा बंगाल की ही चलती आयी है। छोटा राज्य होने के कारण अक्सर झारखंड को नुकसान उठाना पड़ता है। दुर्भाग्यपूर्ण यह भी है कि झारखंड को छोटा होने का आभास तो कराया जाता है, लेकिन पश्चिम बंगाल बड़ा होने का कर्तव्य भूल जाता है। यह मामला अक्सर राजनीतिक दांव-पेंच में, तो कभी प्रशासनिक मकड़जाल में फंस कर रह जाता है। लेकिन अब समय आ गया है कि झारखंड को अपने अस्तित्व का एहसास कराना चाहिए। पश्चिम बंगाल को समझना चाहिए कि यदि झारखंड ने उसके साथ लगती सीमा को बंद कर दिया, तो उसकी पूरी गतिविधि ही ठप पड़ जायेगी। दुनिया से उसका रेल, सड़क या पानी का संपर्क टूट जायेगा। पश्चिम बंगाल को अपनी खनिज और ऊर्जा संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए झारखंड पर निर्भर रहना ही होगा। झारखंड को अब पश्चिम बंगाल को यह एहसास करा देना चाहिए। बोकारो जिले में वन भूमि पर बंगाल सरकार द्वारा जो बोर्ड लगाये गये हैं, वह निश्चित तौर पर झारखंड को चिढ़ाने और उकसाने वाला काम है। झारखंड सरकार को कठोरता से कार्रवाई करनी चाहिए।

दर्जन भर राज्यों के बीच है सीमा विवाद

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में राज्यों के बीच सीमा विवाद कोई नयी बात नहीं है। भारत सरकार के दस्तावेजों के अनुसार इस समय देश के दर्जन भर राज्यों के बीच सीमा को लेकर विवाद चल रहा है। यह विवाद पूर्वोत्तर में सबसे अधिक है। असम और मेघालय के बीच सीमा विवाद ने तो हिंसक रूप अख्तियार कर लिया था और कई लोगों की मौत हो गयी थी।

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि राज्य विवादित क्षेत्र के निपटारे के लिए कानूनी या लोकतांत्रिक तरीका अपनाने की बजाय दुश्मनों की तरह जंग छेड़े हुए हैं। इससे यही प्रतीत होता है कि ये अखंड भारत का नहीं, बल्कि किसी पड़ोसी मुल्क का हिस्सा हैं। ऐसी स्थिति में जब देश चीन और पाकिस्तान जैसे दुश्मन देशों की चुनौतियों से जूझ रहा है, राज्यों द्वारा राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य की बजाय निहित स्वार्थों के वशीभूत होकर की गयी कार्रवाई से एकता और अखंडता को लेकर गलत संदेश जा रहा है। विशेषकर चीन पहले ही अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा जता कर विवाद खड़ा कर चुका है। ऐसे में राज्यों के बीच इस तरह के विवादों से देश कमजोर होगा।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने सपरिवार बाबा बैद्यनाथ की पूजा की

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा रविवार को सपरिवार देवघर पहुंचे। एयरपोर्ट पर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने उनका स्वागत किया। वहां से वह बाबा मंदिर के लिए रवाना हो गये। मंदिर में सपरिवार उन्होंने विधि विधान से बाबा बैद्यनाथ की पूजा की। पूजा समाप्ति के बाद उपायुक्त ने उन्हें बाबा बैद्यनाथ का प्रतीक चिह्न भेंट किया।

मथुरा महतो से वाटर स्पोर्ट्स ड्रैगन बोट खेल प्रशिक्षण केंद्र खोलने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सत्तारूढ़ दल के सचेतक मथुरा प्रसाद महतो से ड्रैगन बोट एसोसिएशन ऑफ झारखंड ने तोपचांची झील में वाटर स्पोर्ट्स ड्रैगन बोट खेल प्रशिक्षण केंद्र खोलने की मांग की है। साथ ही उनसे 15 जून से 18 जून तक हजारीबाग जिले के बरही प्रखंड अंतर्गत तिलैया डैम के समीप जवाहर घाटी में आयोजित होने वाली 11वीं सीनियर राष्ट्रीय ड्रैगन बोट रेसिंग प्रतियोगिता में सरकार स्तर पर सहयोग दिलाने की दिशा में भी आवश्यक कार्रवाई करने की अपेक्षा जतायी है।

इस बाबत ड्रैगन बोट एसोसिएशन ऑफ झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष बीसी ठाकुर और महासचिव सोनी प्रसाद ने रविवार को मोरहाबादी दीनदयाल नगर में मथुरा प्रसाद महतो से उनके आवास पर मिल कर बातों को रखा। उन्हें इस बात से अवगत कराया कि राज्य में ड्रैगन बोट नामक इस वाटर स्पोर्ट्स की शुरुआत गत वर्ष से हुई है। इस वाटर स्पोर्ट्स ड्रैगन बोट खेल में धनबाद जिले के और राज्य के नौजवान, बालक-बालिकाओं, खिलाड़ियों को अपना भविष्य निखारने का अवसर प्राप्त हो सकेगा।

बोकारो जिला क्रिकेट संघ को झारखंड राज्य क्रिकेट संघ ने तत्काल प्रभाव से किया निलंबित

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ ने पत्राचार करते हुए बोकारो जिला क्रिकेट संघ को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही पांच सदस्यीय समिति का गठन किया गया है, जिनके द्वारा बोकारो जिला में अगले आदेश तक क्रिकेट से संबंधित सभी गतिविधियों का संचालन होगा। जेएससीए ने बोकारो जिला क्रिकेट संघ को निलंबित करने के कई कारण बताये हैं। इसमें बीडीसीए के कुछ पदाधिकारियों के इस्तीफे के कारण खराब स्थिति से गुजरना, साथ ही बीडीसीए द्वारा खिलाड़ियों के चयन में अनियमितता का आरोप लगा है। संबंधित पहलुओं की जांच के लिए जेएससीए द्वारा गठित जांच समिति के अध्यक्ष ने भी रिकॉर्ड की सुरक्षा और जांच पूरी होने पर अपनी चिंता व्यक्त की है और जेएससीए से उक्त मामले में उचित कदम उठाने का अनुरोध किया है। बता दें कि कुछ दिनों पहले क्रिकेटर समूह जमशेदपुर, झारखंड के शेषनाथ पाठक ने बोकारो जिला क्रिकेट संघ में व्याप्त एकाधिकार और अनियमितताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के सचिव देवाशीष चक्रवर्ती को आवेदन दिया था। उसमें कहा गया था कि बोकारो जिला क्रिकेट में स्थानीय प्रतिभावान खिलाड़ियों की अनदेखी होती है। साथ ही जाली दस्तावेज तैयार कर बाहर के खिलाड़ियों से पैसे लेकर उनका क्रिकेट टीम में चयन किया जाता है। इसमें प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से जिला राज्य क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों की मिलीभगत है। इसकी जानकारी बोकारो जिला क्रिकेट संघ के पदेन अध्यक्ष कोल डीआइजी को भी नहीं दी जाती और कमिटी बना कर भ्रष्टाचार किया जाता है। कई वायरल आडियो, वीडियो इस आरोप की पुष्टि कर रहे हैं और खुद एक भुक्तभोगी बाहरी खिलाड़ी के द्वारा हरला थाना में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

इरफान अंसारी जैसे सांप्रदायिक लोगों की जगह होटवार जेल में है, विधानसभा में नहीं : प्रतुल

केरला स्टोरी की स्क्रीनिंग पर इरफान अंसारी के तोड़फोड़ वाले बयान से भड़की भाजपा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने इरफान अंसारी के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। बता दें कि इरफान ने बयान दिया था कि केरला स्टोरी की स्क्रीनिंग होगी, तो सिनेमाघरों में तोड़फोड़ होगी। प्रतुल ने कहा कि इरफान अंसारी का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। कांग्रेस पार्टी के डीएनए में तुष्टिकरण और राष्ट्र विरोधी मानसिकता है। इरफान अंसारी के बोल उसी मानसिकता के परिचायक हैं। ऐसे इरफान अंसारी समाचारों में बने रहने के लिए सांप्रदायिक ध्रुवीकरण वाला बयान देते हैं। प्रतुल ने कहा कि संविधान और कानून के प्रति आस्था की शपथ लेने वाले विधायक हिंसा को भड़काने की बात कह रहा है। यह गैर कानूनी है। प्रतुल ने विधानसभा अध्यक्ष से मांग की कि ऐसे गैरकानूनी और हिंसा को भड़काने वाले बयान देने के लिए इरफान अंसारी की सदस्यता समाप्त की जाये। प्रतुल ने राज्य सरकार से भी मांग की कि इरफान अंसारी पर हिंसा भड़काने का बयान देने के लिए मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया जाये। सिर्फ अल्पसंख्यक मतदाताओं को खुश करने के लिए वह इस तरीके का सांप्रदायिक बयान देते रहे हैं।

धांधली : ग्रामीणों ने लगाया आयुष्मान योजना की राशि हड़पने का आरोप

गये थे आंख का चेकअप कराने, बिन बताये कर दिया ऑपरेशन

अनोज

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। ओरमांझी आयुष्मान योजना की राशि को लेकर अस्पतालों की तरफ से गड़बड़ी की जा रही है। स्वजनों और मरीजों को बताये बिना ही आपरेशन कर दिया जा रहा है। ऐसा ही एक मामला ओरमांझी प्रखंड से सामने आया है। यहां बिना बताये ही तीन वृद्धों की आंख का आपरेशन कर दिया गया।

आंखों की सफाई के नाम पर कर दिया ऑपरेशन

मामला ओरमांझी प्रखंड के सुदूरवर्ती गांव बजरमारा का है। विगत 3 मई को कुछ लोग बजरमारा बस्ती पहुंचे। गांव में घूम-घूम कर लोगों की आंख का निःशुल्क उपचार कराने के लिए गांव के अखरा में बुलाया। अखरा में कैंप लगा था। यहां पहुंचे लोगों की मशीन से आंखों की जांच की जा रही थी।

65 से 70 वर्ष के तेजनाथ महतो, महाबीर महली और जहुर अंसारी को आंखों की सफाई कर ड्राप देने के नाम पर हास्पिटल ले जाया गया और बिना स्वजनों और मरीजों को बताये तीनों की आंखों का आपरेशन कर दिया गया।

आंखों में पट्टी बांध कर सभी लौटे घर

इनके अलावा, गांव के हकीम अंसारी, झुबा महली, नागेश्वर महतो और मीना देवी को भी साथ ले जाया जा रहा था। लेकिन, जब लोगों को आशंका हुई और पूछताछ शुरू हुई, तो चारों भाग गये। बताया गया कि तीनों को सुबह 11 बजे ले जाया गया। चार बजे के करीब आपरेशन हुआ और शाम सात बजे सभी को छोड़ दिया गया। घर पहुंचे तो सभी की आंखों पर पट्टी बंधी थी।

अस्पताल पर आयुष्मान भारत योजना की राशि हड़पने का आरोप

आयुष्मान भारत योजना की राशि निकासी के लिए आपरेशन करने का आरोप लगाते हुए ओरमांझी थाने में तेजनाथ महतो के बेटे राजीव महतो ने लिखित शिकायत की है। शिकायत मिलने के बाद से ओरमांझी थाना पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। ग्रामीणों ने कहा है कि कार्रवाई नहीं हुई तो विरोध में आंदोलन शुरू कर दिया जायेगा।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
188100 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

कार्यक्रम : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बांग्ला सांस्कृतिक मेला के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल

सभी भाषा-संस्कृति को संरक्षित करना सरकार की प्राथमिकता : हेमंत

- मुख्यमंत्री ने कहा - भाषा की पकड़ जितनी मजबूत होगी, उतना ही मजबूत समाज और राज्य होगा
- हर भाषा- संस्कृति के लोगों को पूरे मान- सम्मान के साथ जीने का अधिकार
- सांस्कृतिक विकास के लिए भाषाओं का समृद्ध होना जरूरी हर किसी को अपनी भाषा और संस्कृति पर गर्व होना चाहिए

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सभी भाषा- संस्कृति की अपनी अलग अहमियत है। इससे उस भाषा से जुड़े समुदाय को अलग पहचान मिलती है। इसे संरक्षित और आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेवारी है। भाषा की पकड़ जितनी मजबूत होगी, उतना ही मजबूत हमारा समाज और राज्य होगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को डॉ रामदयाल मुंडा स्टेडियम, रांची में आयोजित तीन दिवसीय बांग्ला सांस्कृतिक मेला के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी भाषा और संस्कृति पर गर्व होना चाहिए।

भाषा और संस्कृति के साथ राज्य को आगे ले जाने का प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की जो संरचना है, उसने अलग-अलग भाषा और संस्कृति का व्यापक प्रभाव है । हमारी सरकार भाषा और संस्कृति के साथ राज्य को आगे ले जाने का लगातार प्रयास कर रही है। यहां रहने वाले हर समाज को मान- सम्मान के साथ जीने का मौका मिले, इसके लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

झारखंड में बांग्ला भाषा का विशेष प्रभाव

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड का जो भौगोलिक परिवेश है, उसमें कमोबेश सभी जिले की सीमा किसी ना किसी राज्य के साथ जुड़ी हुई है। विशेष कर पश्चिम बंगाल के साथ झारखंड के सबसे ज्यादा जिले जुड़े हैं। ऐसे में बांग्ला भाषा और संस्कृति का यहां प्रभाव पड़ना लाजमी है। यहां ऐसे कई लोग हैं जिनकी संपत्ति झारखंड और बंगाल दोनों राज्यों में है। सबसे बड़ी बात की बंगाल से ओड़िशा और बिहार राज्य बना एवं बिहार से झारखंड अलग राज्य बना। ऐसे में किसी ना किसी रूप में बांग्ला भाषा- संस्कृति यहां की धरती में रची बसी है। ऐसे में बिना बांग्ला के झारखंड के सांस्कृतिक विकास की कल्पना नहीं की जा सकती है।

क्षेत्रीय भाषाओं को बिना जाने समझे झारखंड को आगे नहीं ले जा सकते

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में 10 से ज्यादा स्थानीय और क्षेत्रीय भाषाएं बोली जाती हैं। यहां के ग्रामीण परिवेश में हिंदी से ज्यादा क्षेत्रीय भाषाएं बोली जाती हैं। ऐसे में राज्य के विकास में अहम जिम्मेदारी निभाने वाले हमारे अधिकारी अगर स्थानीय और क्षेत्रीय भाषाओं को नहीं समझेंगे, नहीं सीखेंगे और नहीं जानेंगे तो वे स्थानीय लोगों से कैसे संवाद स्थापित कर पायेंगे । इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर हमने अपने अधिकारियों को कम से कम क्षेत्रीय भाषाओं को समझने और जानने को कहा है, ताकि वे ग्रास रूट पर लोगों के साथ सीधा संवाद कर उन्हें विकास योजनाओं का लाभ दे सकें।

विविधता में एकता ही हमारे देश की पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विभिन्न धर्म- समुदाय, भाषा, संस्कृति, रहन- सहन और वेशभूषा वाला देश है। यही विविधता में एकता हमारी देश की पहचान है। यह हमारे देश को मजबूती देती है और पूरी दुनिया इसका लोहा मानती है। इस अवसर पर मंत्री आलमगीर आलम, सुप्रियो भट्टाचार्य, रांची के उपायुक्त और वरीय पुलिस अधीक्षक समेत बांग्ला समुदाय के बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

महासमागम : रंगारंग कार्यक्रम के बीच सांसद संस्कृति महोत्सव का समापन

मन की बात के जरिए पीएम मोदी ने देश का मान बढ़ाया है : अर्जुन राम मेघवाल

सांसद संजय सेठ ने सभी अतिथियों को कल्पतरु का पौधा और प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सांसद सांस्कृतिक महोत्सव का रविवार को समापन समारोह रंगारंग कार्यक्रम के साथ समाप्त हुआ। समारोह में केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल कला और संस्कृति मंत्रालय केंद्रीय राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, विधायक अमर बाऊरी, समरी लाल, रामकृष्ण मिशन के भावेश चंद्रा, पदम श्री मुकुंद नायक, मधु मंसूरी, मंजू मलकानी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। सांसद संजय सेठ ने सभी अतिथियों को कल्पतरु का पौधा और प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। रांची लोकसभा क्षेत्र स्तरीय इस महोत्सव में रांची, हटिया, सिल्ली, खिजरी, ईचागढ़ और कांके विधानसभा क्षेत्र से 2683 प्रतिभागि ने भाग लिया। यह सांस्कृतिक कार्यक्रम चार स्थानों पर आयोजित किया गया, जिसमें आर्यभट्ट ऑडिटोरियम रांची यूनिवर्सिटी मोराबादी, ऑड्रे हाउस सूचना भवन कांके रोड, मयूरी ऑडिटोरियम सीएमपीडीआइ कांके रोड, श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम मोराबादी, संस्कृति महोत्सव सुबह 9 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री की सोच धरती करे पुकार मुझे बचाओ का नाटक मंचन किया गया। वहीं आचार्य कुलम के बच्चों द्वारा बंदे मातरम गीत प्रस्तुति की गयी। करेली स्कूल के बच्चों द्वारा राजस्थानी फोक प्रस्तुत किया गया। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा प्रधानमंत्री की सोच सांसद खेल महोत्सव के साथ खिलाड़ियों को जोड़ना उसी तरह सांसद संजय सेठ ने सांस्कृतिक खेल महोत्सव का आयोजन कर सभी कलाकारों को एक मंच प्रदान करना यह बहुत बड़ी बात है। इसकी शुरुआत सांसद सेठ ने रांची से की है, अब यह पूरे भारत वर्ष का इवेंट बनेगा। प्रधानमंत्री के पांच मंत्र भारत को विकसित राष्ट्र बनाना, गुलामी के अंश को मिटाना, विरासत को संरक्षण करना, और नागरिकों की सुविधा बहाल करना। इसी मंत्र के साथ प्रधानमंत्री मोदी काम कर रहे हैं और उनकी प्रेरणा से हम सभी लोग उसको आगे बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री मन की बात में गांव में काम करने वाले लोगों, खेत में काम करने वाले किसानों और समाजिक क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों की बात करते हैं। मन की बात से मोदी ने देश का मान बढ़ाया है।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा झारखंड के कलाकार राज्य ही नहीं बल्कि देश में अपना नाम रोशन कर रहे हैं। अनेकता में एकता ही हमारी पहचान है। सांस्कृतिक महोत्सव लोकल कलाकारों को आगे बढ़ाने का एक मंच है। गांव में छिपे प्रतिभा को निखारने का एक बड़ा मंच मिला है। पहली बार ऐसा आयोजन देखने को मिला इसके लिए सांसद संजय सेठ को बधाई। प्रधानमंत्री की सोच है कि राजनीति के अलावा ऐसे सामाजिक कार्य करने चाहिए जो निचले स्तर के लोगों तक पहुंचे, जिसको सांसद संजय सेठ ने चरितार्थ किया है।

वहीं प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने कहा कि अनेकता में ही एकता यह भारत की विशेषता है। अपना देश अपनी माटी को जो एक करती है, उसे संस्कृति कहते हैं। एक भारत श्रेष्ठ भारत का संकल्प ले कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को मजबूत बनाने के लिए लगे हुए हैं। इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए सांसद संजय सेठ को दिल की गहराइयों से बधाई देता हूं।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार, विनय जयसवाल, सुजीत कुमार, केके गुप्ता, बरुण साह, बलराम सिंह, सुजीत कुमार, संजीव विजयवर्गीय, मुकेश काबरा, शशि भूषण भगत, नरेंद्र सिंह, राजाराम महतो, संजीव तिवारी, सुधाकर चौबे, अनीता वर्मा, रवि मुंडा, सुबेस पांडे, आरती सिंह, पप्पू वर्मा, इंदरजीत यादव, डॉ संजय सिंह सहित हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए।

हमारी संस्कृति सुरक्षित रहे, इसी उद्देश के साथ कला और संस्कृति महोत्सव का आयोजन : संजय सेठ

सांसद संजय सेठ ने कहा संस्कृति परंपरा, कलाएं, दर्शन इन सब के संरक्षण के लिए आवश्यक है, कलाकारों का संरक्षण। इस उद्देश से सांसद सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया है। यह हमारी संस्कृति विरासत और समृद्धि के संरक्षण के लिए काम करेगा। हमारी कला संस्कृति बाद यंत्र हमारी धरोहर है। हमारी इन धरोहरों पर किसी का अतिक्रमण नहीं हो, हमारी संस्कृति सुरक्षित रहे, उसी उद्देश के साथ कला और संस्कृति महोत्सव का आयोजन किया गया है। सांसद संजय सेठ ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभी के सहयोग के लिए आभार जताया है। महोत्सव में महिला इस महोत्सव में महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, अनेकता में एकता, गुरु शिष्य परंपरा, स्वतंत्रता सेनानी, वसुधैव कुटुंबकम, तकनीकी नवाचार, प्राकृतिक खेती से जुड़े थीम पर भी प्रस्तुति दी गयी।

सामूहिक गीत प्रतियोगिता में 18 विद्यालयों ने हिस्सा लिया

तीन दिवसीय सांसद सांस्कृतिक महोत्सव में बच्चों ने एक से बढ़कर एक आकर्षक प्रस्तुति दी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। युवा रंगमंच के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय सांसद सांस्कृतिक महोत्सव के कांके रोड स्थित सीएमपीडीआइ के मयूरी हॉल में सामूहिक गीत प्रतियोगिता आयोजित की गयी। रांची विधानसभा क्षेत्र से जूनियर टीम में 18 विद्यालयों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में बच्चों ने एक से बढ़कर एक आकर्षक प्रस्तुति देकर श्रोताओं को खूब झूमाया।

नामकुम स्थित आचार्यकुलम विद्यालय के छात्र-छात्राओं की मनमोहक प्रस्तुति ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी देशभक्ति गीत के बोल सबसे ऊंची विजय पताका में शास्त्रीय संगीत का अत्यंत मधुर संगम श्रोताओं का मन मोह लिया। इस प्रस्तुति में राग आसावरी, दरबारी और मल्हार के साथ-साथ ताल कहरवा और तीन ताल के अनोखे संगम से निर्णायक गण भी झूम उठे।

आचार्यकुलम विद्यालय के उत्कृष्ट प्रस्तुति देने वाले प्रतिभागियों में इशिका प्रजापति, रोशनी, पवन, पूजा, कृष्ण, इशान, शौर्य, रिद्धम, भव्य, अलिशा, समर्थ, पुष्कर, हर्षवर्धन, अर्नव और प्रगति शामिल हैं। 18 विद्यालयों की भागीदारी में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से आचार्यकुलम का नाम छात्र-छात्राओं ने तीसरी स्थान पर दर्ज कराया।

विद्यालय की प्राचार्या सुजाता कौर ने बच्चों की उपर्युक्त प्रस्तुति से हर्ष प्रकट करते हुए, उन्हें बधाई देते हुए कहा कि आप सभी ऐसे ही अपने परिश्रम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते रहें और विद्यालय तथा अपना नाम रोशन करते रहें। संगीत शिक्षक अमित कुमार और श्री शंशाक पाठक के निर्देशन में छात्र-छात्राओं ने अद्भुत प्रस्तुति देकर अपने संगीत शिक्षकों को गौरवान्वित किया है। विद्यालय के प्रबंधक स्वामी दिव्य देव ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा है कि आप सभी इसी तरह प्रयासरत रहें। आगे होने वाली प्रतियोगिता में और अच्छा प्रदर्शन करें।

राष्ट्रीय ओबीसी साहित्यिक मंच का गठन

दिल्ली के डॉ संतोष पटेल को राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारत सरकार और विभिन्न राज्य सरकारों से ओबीसी के साहित्यकारों की भागीदारी सुनिश्चित करने, पदम पुरस्कारों में उनकी भागीदारी, विभिन्न रंग कर्मियों, पत्रकारों, साहित्यकारों व बुद्धिजीवियों को समुचित स्थान देने के लिए राष्ट्रीय ओबीसी साहित्यिक मंच का गठन दशरथ पुरी नयी दिल्ली में किया गया है। जिस के राष्ट्रीय संयोजक दिल्ली के डॉ संतोष पटेल को बनाया गया है। उक्त बातें राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने कहीं। श्री गुप्ता ने कहा कि देश के आजादी के 70 सालों के बाद भी भारत सरकार व कई राज्यों की जो भाषा साहित्य और संस्कृति जुड़ी जो अकदमिया है, जैसे भारत सरकार के साहित्य अकादमी, संगीत, नाटक अकादमी, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय या अन्य संस्था या फिर किसी भी प्रदेश की हिंदी अकादमी, राजस्थान अकादमी, असम हिंदी अकादमी उत्तर प्रदेश हिंदी अकादमी के अंतर्गत ओबीसी साहित्यकारों को कोई स्थान नहीं दिया जा रहा है। यहां तक कि फणीश्वर नाथ रेनू को भी साहित्य अकादमी सम्मान नहीं दिया गया। लिहाजा अब यह समय आ गया है कि ओबीसी के साहित्यकारों को एक मंच पर आना चाहिए इसी बाबत राष्ट्रीय ओबीसी साहित्यक मंच का गठन किया गया है। इस अवसर पर नव मनोनीत वरिष्ठ लेखक डॉ संतोष पटेल ने कहा कि संगठन ने जो जिम्मेवारी हमें सौंपी है उस जिम्मेवारी पर हम खरे उतरेंगे। इस मौके पर रोहित गुप्ता, कंचन पटेल, दीपांकर कुमार उपस्थित थे।

फुटपाथ दुकानदारों ने निकाला विजय जुलूस

कोर्ट ने 6 माह में पुनर्वास का दिया है निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मोरहाबादी के फुटपाथ दुकानदारों ने रविवार को विजय जुलूस निकाला। अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मोरहाबादी के फुटपाथ दुकानदारों ने रविवार को पहले पहर में अपनी दुकानें बंद रखीं। मोरहाबादी रजिस्ट्री ऑफिस के पास जमा होकर मोरहाबादी दुकानदार संघ के अध्यक्ष कुमार रौशन के नेतृत्व में जुलूस निकाला गया। बैंड बाजा के साथ दुकानदार डीसी आवास, कचहरी चौक होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक पहुंचे। यहां दुकानदारों ने आतिशबाजी की और मिठाइयां बांटी। मौके पर मोरहाबादी दुकानदार संघ के बीर सिंह, नितेश यादव, शशांक तिर्की, महेश शाह, रमेश साहू, राजेंद्र उरांव, किरण देवी, रोहित कुमार, राकेश सिंह और राजेश कपूर सहित काफी संख्या में दुकानदार मौजूद रहे।

मोरहाबादी दुकानदार संघ के अध्यक्ष रौशन कुमार के अनुसार मोरहाबादी में वेंडर मार्केट बनाकर 6 माह में पुनर्वास करने का निर्देश हाइकोर्ट ने दिया है। उनका कहना है कि हाइकोर्ट में चल रहे रिट संख्या डब्ल्यूपी (सी) 717 ऑफ 2022 रौशन कुमार एंड अदर वर्सेज स्टेट ऑफ झारखंड मामले में मोरहाबादी के फुटपाथ दुकानदारों के पक्ष में फैसला आया है। हाइकोर्ट ने 6 महीनों कि समयसीमा के अंदर वेंडर मार्केट बनाकर उनका पुनर्वास करने का आदेश दिया है।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 08 मई, 2023
www.azadsipahi.in

चोरी के वाहनों में फर्जी नंबर प्लेट लगाकर करते थे इस्तेमाल

पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अगर आप भी वेबसाइटों के सहारे ऑनलाइन अपनी गाड़ी बिक्री करने या खरीदने के लिए पोस्ट डालते हैं तो आपको थोड़ा सावधान रहने की जरूरत है। पुलिस ने फर्जी नंबर प्लेट लगा कर वाहनों का गलत इस्तेमाल करने वाले गिरोह का राजधानी की पुलिस ने खुलासा किया है। साथ ही मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। दरअसल, रांची पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कई लोग फर्जी नंबर प्लेट और गाड़ी के फर्जी कागजात बनाकर वाहनों का उपयोग कर रहे हैं। इस सूचना के आधार पर एसएसपी ने रांची के ग्रामीण एसपी नौशाद आलम के नेतृत्व में एक टीम गठित की थी। इसके बाद पुलिस टीम ने मामले में अनुसंधान शुरू किया और सफलता हासिल की। पुलिस अधीक्षक मुख्यालय वन के नेतृत्व में गठित इस टीम ने कार्रवाई करते हुए अलग-अलग स्थानों में छापेमारी कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी की गाड़ी, फर्जी आरसी, फर्जी नंबर प्लेट, ड्राइविंग लाइसेंस, दो मोबाइल फोन और कई कागजात बरामद किए गये हैं। पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है। वहीं गिरोह के बाकी सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि वो लोग डछ जैसे वेबसाइटों से आम आदमी की गाड़ी खरीदने और बेचने के लिए डाली गई जानकारियां चुराते थे और फिर उसी गाड़ी का फर्जी कागजात बनाकर और नंबर प्लेट लगाकर चोरी के वाहनों को चलाते थे। जिससे किसी को शक ना हो। गिरफ्तार आरोपियों में उरगुटू ठाकुरगांव निवासी वकील अंसारी, सिरांगो पिठोरिया निवासी आजाद अंसारीऔर पाली रातू निवासी आफताब आलम शामिल हैं।

महिला ने की खुदकुशी

स्वर्णलता देवी ने 21 पेज का लिखा सुसाइड नोट

कहा-विक्की सिंह ने मुझे नौकरी पर रख नहीं दिये पैसे, कर्ज इतना हो गया कि मैं गलत करने के लिए मजबूर हूं...

पूजा के बाबा विक्की सिंह को छोड़ना मत, उसने जैसे मेरे घर को बर्बाद किया है, उसी तरह उसको भी बर्बाद करना

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। चुटिया थाना क्षेत्र में रविवार की सुबह एक महिला ने खुदकुशी कर ली। खुदकुशी से पहले उसने 21 पेज का सुसाइड नोट लिखा। जिसमें बताया कि विक्की सिंह ने मुझे नौकरी पर रख पैसे नहीं दिये। इस वजह से मैं कर्ज से बोझ से इतना दब गयी हूं कि मैं गलत करने के लिए मजबूर हूं। पूजा के बाबा विक्की सिंह को छोड़ना मत। उसने जैसे मेरे घर को बर्बाद किया है उसी तरह उसको भी बर्बाद करना। पूजा के बाबा सॉरी, सॉरी। मृतक महिला का नाम स्वर्णलता देवी (43 वर्ष) है। वह चुटिया थाना क्षेत्र में लोअर चुटिया के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर स्कूल के पास रहती थी। घटना के वक्त महिला के पति राजेंद्र लोहार अपने काम पर नामकुम में थे। उनकी बेटी ने उन्हें फोन कर सूचना दी की मां फंदे से लटकी हुई है। महिला ने कई जगहों से लाखों रुपये अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए लोन ले रखा था, जिसे वह वापस नहीं कर पा रही थी। इसकी वजह से वह काफी परेशान थी। बढ़ते कर्ज की वजह से परेशानी नहीं सहा गया, तो उसने रविवार को अपने घर में फंदा लगा खुदकुशी कर ली। घटना की सूचना पाकर चुटिया थाना की पुलिस स्वर्णलता के घर पहुंची। शव को फंदे से उतारा, फिर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा गया। वहीं पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है।

सुसाइड नोट में लिखा, हम अपना लाइफ बर्बाद कर लिए और अपने बच्चों का भी : मृतक महिला ने 21 पन्नों में सुसाइड नोट में लिखा है कि हम अपना लाइफ बर्बाद कर लिये और अपने बच्चों का भी। तुम्हारी बात सुन लेते तो आज हमको गलत करने पर मजबूर नहीं होना होता। विक्की सिंह की बात सुन कर मैने अपनी पहली नौकरी छोड़ दी और उसकी बातों में आ गयी। उसने मुझे 30 हजार की नौकरी देने की बात कही थी। दोनों बच्चों को अच्छे से पढ़ा सके, इसलिए मैं उसके साथ गयी। लिखा है कि हम तुमको बहुत बड़ी परेशानी में छोड़ कर जा रहे हैं। मैने कई जगहों से लोन

ले रखा है। मेरा इएमआइ 40 से 42 हजार रुपये महीना हो गया है, जिसे हम नहीं दे पा रहे है। विक्की सिंह फ्रॉड है और उसने मुझे सिर्फ अपने मतलब के लिए अपने साथ रखा था। पूजा के बाबा विक्की सिंह को छोड़ना मत। उसका भी घर उजाड़ देना। जैसे उसने मेरा सब कुछ खत्म कर दिया, तब मेरी आत्मा को शांति मिलेगी। विक्की सिंह डुप्लीकेट आधार कार्ड बनवाता है। महिला ने सुसाइड नोट में कई और बातें लिखी है। उसने बेटा-बेटी से माफी मांगी है। उसके दो बच्चें हैं। पुत्री पूजा कुमारी एवं पुत्र आकाश है। दोनों इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे हैं। सुसाइड नोट में महिला ने लिखा है कि बच्चों की पढ़ाई के लिए महिला ने लोन लिया था। 2022 में उसने लोन लिया था। उसने आठ, नौ लाख लोन लिया था, एक लोन का इएमआइ 40 हजार एवं दूसरे जगह 42 हजार रुपये, जिसे उसे चुकाना था, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण वह लोन नहीं चुका पायी। विक्की सिंह एवं यशवंत कुमार लोन के कारण उसे हमेशा बुरा भला कहता था, जिसके कारण वह काफी परेशान रहती थी और उसी परेशानी के कारण आत्महत्या कर ली।

सॉरी पूजा हम तुम्हारा करियर बर्बाद कर दिये, आकाश एवं बाबा का ख्याल रखना : सुसाइड नोट में स्वर्णलता ने लिखा है कि सॉरी पूजा बेटी हम तुम्हारा करियर बर्बाद कर दिये। आकाश एवं बाबा का ख्याल रखना। सुसाइड नोट में उसने पति, अपने अन्य रिश्तेदारों से माफी मांगी है, जिनसे भी कर्ज लिया है, उनका नाम और फोन नंबर भी लिखा है। सुसाइड नोट में पति से सभी का कर्ज चुकाने को कहा है।

इधर चुटिया थाना प्रभारी ममता कुमारी का कहना है कि यदि सुसाइड नोट में लिखे लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होगी तो पुलिस कार्रवाई होगी। मृतक महिला के बेटा बेटी दोनों महाराष्ट्र में कहीं पढ़ाई करते हैं। बेटी कुछ दिन पहले घर आयी थी। वहीं सूचना मिलने के बाद बेटा भी महाराष्ट्र से चल दिया है। बेटा के आने के बाद सोमवार को अंतिम संस्कार किया जायेगा।

महत्वपूर्ण न्यूज

फर्जी बैंकिंग एप के जरिए ग्राहकों से ठगी करने वाला साइबर अपराधी गिरफ्तार

रांची (आजाद सिपाही)। रांची में फर्जी बैंकिंग एप के माध्यम से ठगी करने वाले साइबर अपराधी को सीआइडी ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी अजय कुमार मूल रूप से हरियाणा के गुड़गांव का रहने वाला है। उसके पास से पुलिस ने तीन मोबाइल, दो लैपटॉप, एक एटीएम और आधार कार्ड बरामद किया है। गौरतलब है कि सीआइडी को सूचना मिली थी कि साइबर अपराधी बड़े पैमाने पर फर्जी बैंकिंग एप के जरिए खाताधारकों से ठगी कर रहे हैं। अपराधी केवाइसी के नाम पर फर्जी इंटरनेट बैंकिंग एप्लीकेशन इंस्टॉल करवा कर ठगी कर रहे थे, जिसके बाद साइबर थाना अपराध अनुसंधान विभाग में कांड संख्या 14 / 2023 16 / 2023 18 / 2023 और 25 / 2023 दर्ज किया गया। इससे पहले भी सीआइडी द्वारा 11 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

सीएमपीडीआइ और एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड के बीच एमओयू

रांची (आजाद सिपाही)। रविवार को सीएमपीडीआइ रांची और एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड (एनएमएल) के बीच माइनिंग ऑपरेशन और अन्य संबद्ध सेवाओं के विस्तार के लिए विश्वसनीय परामर्श सेवाएं प्रदान करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। सीएमपीडीआइ के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार और एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक पी मजुमदार की उपस्थिति में सीएमपीडीआइ के महाप्रबंधक (व्यवसाय विकास) आरके अमर और एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड के महाप्रबंधक (तकनीकी सेवाएं) टीके कोनार ने इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। मौके पर सीएमपीडीआइ और एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड के अधिकारीगण उपस्थित थे। सीएमपीडीआइ के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार ने एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड की भविष्य की योजनाओं पर प्रसन्नता प्रकट की और विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान करने और एनएमएल की यात्रा में एक भरोसेमंद भागीदार बनने के लिए सीएमपीडीआइ की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक पी मजुमदार ने अपने परिचालनों का विस्तार करने और उत्पादन क्षमता को उच्च स्तर पर बढ़ाने और अन्य रणनीतिक खनिजों में भी प्रवेश करने की एनएमएल योजनाओं पर प्रकाश डाला।

बैंक ऑफ इंडिया का वित्तीय वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में हुआ 1,350 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

रांची (आजाद सिपाही)। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया का मार्च तिमाही में मुनाफा 115 प्रतिशत बढ़कर 1,388.19 करोड़ रुपये हो गया। इस ग्रोथ में अन्य आय का खास योगदान रहा। पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में बैंक ऑफ इंडिया का मुनाफा बढ़कर 3,882 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 3,406 करोड़ रुपये था। बैंक 2023-24 के दौरान इक्विटी पूंजी के रूप में 4,500 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहा है। इस कदम से बैंक में सरकार की हिस्सेदारी को 75 प्रतिशत तक लाने में मदद मिलेगी। बैंक ऑफ इंडिया ने बताया कि समीक्षाधीन अवधि में उसकी मूल नेट इंटरेस्ट इनकम 37 प्रतिशत से बढ़कर 5,493 करोड़ रुपये हो गयी। इस दौरान अग्रिमों में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। नेट इंटरेस्ट मार्जिन सालाना आधार पर 2.56 प्रतिशत से बढ़कर 3.15 प्रतिशत हो गया। मार्च तिमाही में बैंक की गैर-ब्याज आय सालाना आधार पर 1,587 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,099 करोड़ रुपये हो गया।

एनएचएससी ने अनाथ बच्चों के साथ जन्मदिन मनाया

रांची (आजाद सिपाही)। एनएचएससी के सदस्यों ने निवारणपुर अनाथ आश्रम के अनाथ बच्चों को भोजन कराया और संस्था के सदस्य अर्णव और अर्पण का जन्मदिन मनाया। इस दौरान अनाथ बच्चों को संस्थान की ओर से केक, चॉकलेट और लसी का वितरण कराया गया। नाश्ते में बच्चों के मनपसंद छोले भटोरे परोसे गये। संस्था के संस्थापक सिद्धार्थ ने कहा कि हर नागरिक को अनाथ बच्चों के साथ सब पर्व मनाना चाहिए और खुशियां बाटनी चाहिए। ये भी हमारे समाज के महत्पूर्ण अंग हैं। मौके पर मुख्य रूप से संस्था के सदस्य विजय, नमन, अर्णव, अर्पण, मनीष, राजेश, आशुतोष सौरव, शैलेश, मुकेश कुमार, विवेक सिन्हा, मुकेश कुमार का मुख्य रूप से योगदान रहा। यह जानकरी मीडिया प्रभारी नमन भारतीय ने दी।

बजरंग दल पर बैन लगाने की वकालत करने वाले अपने गिरेबां में झांकें : नमन भारतीय

रांची (आजाद सिपाही)। समाजसेवी नमन भारतीय ने कहा कि बजरंग दल व फिल्म केरला के प्रदर्शन पर बैन लगाने की मांग करने वाले नेताओं को अपने गिरेबां में झांकना चाहिए। पिछले दिनों झारखण्ड के विवादित और चर्चित दो नेताओं द्वारा बजरंग दल को बैन लगाने और फिल्म केरला को झारखंड में रोक लगाने की बात करने वालो को समस्त हिन्दू संघठन खुली चुनौती दे रहा है, अगर दम है तो रोक लगाने का प्रयास करे अपने हार वार का प्रतिकार करने को तैयार बैठी है। विवादित नेता अनाप - शनाप बोलकर यहां के धार्मिक सौहार्द को बिगाड़ना चाहते है। लेकिन समाजसेवी नमन ऐसा कतई होने नहीं देगा। भारतीय ने कहा की झारखंड सनातनी धर्मस्थली है। झारखंड प्रदेश देव स्थली, बिरसा मुंडा नें नाम से जानी जाती है। यहां बहुत सारे धर्मस्थली है, जो ऐतिहासिक और रमणिक है वैसे प्रदेश में दो चार धर्म विरोधी या राष्ट्र विरोधी लोगों के धमकियों से ना तो बजरंग दल जैसे राष्ट्रीय संगठनों को असर पड़ेगा और नाही कभी किसी के धमकियों से हिंदुत्व को मजबूत पड़ने वाली नीव कमजोर होने वाली है।

सेंधू मुंडा के हत्यारों को फांसी दिलाने तक संघर्ष होगा : प्रतुल

हेसला गांव में हुई अंत्येष्टि, शामिल हुए प्रतुल शाहदेव

आजाद सिपाही संवाददाता

चंदवा। सेंधू मुंडा के भाई इलिप मुंडा के साथ लातेहार जा कर जेल पदाधिकारियों, सिपाहियों, कैदियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने का आवेदन दिलाया। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता रविवार सुबह चंदवा के हेसला गांव पहुंचे और सेंधू मुन्ना के अंत्येष्टि में शामिल हुए। प्रतुल ने गांव वालों के साथ बैठक कर विश्वास दिलाया कि उनके न्याय की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाने तक संघर्ष जारी रहेगा। आदिवासियों के सरकार में आदिवासियों पर अत्याचार थम नहीं रहा है। प्रतुल ने इस बात पर गहरा रोष प्रकट किया की अंत्येष्टि में कोई भी जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन की ओर से उपस्थित नहीं था। प्रतुल ने मुख्यमंत्री से मांग की कि इस निर्धन परिवार को समुचित मुआवजा मिले। प्रतुल के साथ मुखिया बिफरा मुंडा, साजिद खान, जमील अंसारी आदि भी थे।

इसके बाद ग्रामीणों के द्वारा लिये गया निर्णय के अनुसार प्रतुल भाई शाहदेव अपने साथ सेंधू मुंडा के इलिप मुंडा को लेकर हेसला से लातेहार थाने पहुंचे। जहां इलिप मुंडा ने अपने भाई की हत्या का दोषी मानते हुए जेल के पदाधिकारी, सिपाही, कैदी और अन्य के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने का आवेदन दिया। प्रतुल ने बताया कि राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने भी इस मुद्दे पर संज्ञान लिया है और शीघ्र कार्रवाई होगी।

बगोदर में अवैध संबंध के कारण हुई महिला की हत्या, सुपारी किलिंग में छह आरोपी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जिले के बगोदर थाना क्षेत्र के बुढ़ाचांच जंगल में 10 दिनों पहले हुए एक महिला की हत्या मामले का खुलासा पुलिस ने कर लिया है। पुलिस द्वारा किए अनुसंधान में जरमुने गांव निवासी राजेन्द्र साव की पत्नी कुंती देवी की हत्या सुपारी किलिंग के तहत की गयी थी। इस मामले में बगोदर थाना पुलिस ने एक नाबालिग समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मारुति ओमनी वैन के साथ एक बाईक और मृतका का पायल व 13 हजार रुपये भी बरामद किये हैं, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह रकम महिला की हत्या के लिए आरोपियों द्वारा किलरों को दिए गए थे। गिरफ्तार आरोपियों में डुमरी थाना के कुलगो गांव निवासी मीना देवी, बगोदर के जरमुने गांव निवासी बंसती देवी, निमियाघाट थाना क्षेत्र के रागांमाटी गांव निवासी मुकेश साव, हजारीबाग के विष्णुगढ़ के बसरिया गांव निवासी प्रेम कुमार और जरमुने गांव निवासी हरिआम रविशंकर शामिल है।

पुलिस के अनुसार मृतका कुंती देवी हत्याकांड के खुलासे में सीसीटीवी कैमरे की भूमिका महत्वपूर्ण रही। पुलिस के अनुसार कुंती देवी की हत्या गांव के ही भुनेशवर साव के साथ अवैध संबध होने के कारण की गयी थी। इस घटना को अंजाम देने की साजिश मेंशिला के प्रेमी भुनेशवर साव की पत्नी बसंती देवी, बेटा हरिओम रविशंकर और भांजा शामिल थे। उन लोगों ने मिल कर जरमुने गांव के प्रेम कुमार के माध्यम से अजय कुमार को तीन लाख की सुपारी दी थी। अजय ने अपनी सहयोगी मीना देवी, सुरज कुमार, रितिक कुमार, मुकेश कुमार और रंजन कुमार के सहयोग से पूरे प्लानिंग के साथ पहले प्रलोभन देकर मृतका का बगोदर से अपहरण किया और उसे बूढ़ाचांच जंगल ले गये, जहां उसके साथ जमकर महिला की पिटाई की और गला दबाटी हुए मृतका की साड़ी से ही गला घोंट कर हत्या कर दी।

ाहचान छिपाने के लिए मृतका का चेहरा भी खराब कर दिया और उसके सारे जेवर निकाल लिये। हत्याकांड के उद्भेदन को लेकर एसडीपीओ नौशाद आलम के नेतृत्व विशेष टीम ने कई संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर पहले मीना देवी को दबोचा गया और सख्ती से किये गये पूछताछ के आधार पर एक नाबालिग समेत पांच आरोपियों को दबोचा गया हालांकि कुछ आरोपी अब भी फरार हैं।

पूर्व भाजपा नेता लोकहित अधिकार पार्टी में हुए शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रविवार को लोकहित अधिकार पार्टी झारखंड इकाई की प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता मिलन समारोह संपन्न हुआ। बोड़ेया चौक स्थित गोल्डेन वैंक्वेट हॉल में आयोजित समारोह की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू ने किया। उक्त मौके पर बतौर मुख्य अतिथि पार्टी के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह झारखंड प्रदेश प्रभारी डाक्टर जगन्नाथ प्रसाद एवं बतौर विशिष्ट अतिथि बिहार के पार्टी प्रदेश अध्यक्ष अजय कानु की गरिमामय उपस्थिति रही। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा झारखंड के पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी मोहम्मद अजहर आलम अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ लोकहित अधिकार पार्टी में शामिल हुए। मोहम्मद आलम ने कहा कि कांग्रेस ही नहीं बल्कि भाजपा भी दोहरी चरित्र वाली पार्टी है। लोकहित अधिकार पार्टी में रहकर सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ूंगा। मुख्य अतिथि डाक्टर जगन्नाथ प्रसाद ने कहा कि ओबीसी का शोषण लगभग सभी पार्टियां कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू के कुशल नेतृत्व में झारखंड की धरती पर हमारी पार्टी इन सभी के लिए पूरी निष्ठा से संघर्ष करती रहेगी। विशिष्ट अतिथि अजय कानू ने कहा कि सामाजिक न्याय किये बिना देश को विश्व गुरु बनाने की बात करना सरासर धोखा है। झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू के नेतृत्व में लड़ी जा रही सामाजिक न्याय की लड़ाई में मेरा पुरा पुरा सहयोग है और रहेगा। झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू ने कहा कि मोदी सरकार की तरह हेमंत सोरेन की नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने भी ओबीसी के आरक्षण पर कुठाराघात किया है। समारोह को खूंटी जिलाध्यक्ष कुमार ब्रजकिशोर, चाइबासा जिलाध्यक्ष धरमेंद्र कुमार साह, चतरा जिला संयोजक संजय स्नेही, कोडरमा जिला संयोजक किशोर साव, गिरिडीह जिला संयोजक भागवत साह, रामगढ़ जिला संयोजक नंद किशोर प्रसाद, हजारीबाग जिला संयोजक कुंज बिहारी साहू और राँची जिला संयोजक डाक्टर दानेश्वर प्रसाद ने संबोधित किया।

85वां निःशुल्क श्रीकृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रविवार को 85वां निःशुल्क श्रीकृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का वितरण ब्रह्मलीन स्व. जानकी देवी जालान की स्मृति में उनके पुत्रों एव परिवार के सौजन्य से किया गया। भंडारे में लगभग 1300 जरूरतमंदों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट एवं स्वामी सदानंद प्रणामी चैरिटेबल ट्रस्ट रांची के सयुंक्त तत्वावधान में भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।

संस्था के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान ने राज श्यामा एवं प्रणामी समाज के गुरु महाराज की तस्वीर के सामने दीपक प्रज्ज्वलित कर भजन संकीर्तन का कार्यक्रम शुरू किया। उसके पश्चात 85वां निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का प्रसाद में पूड़ी, आलू चना टमाटर मिश्रित सब्जी, भेजिटेबल पुलाव एवं मिठाई मे केसरिया खीर भगवान श्री राज श्यामा एवं गुरू महाराज को अर्पित कर मंदिर मे बने हुए भंडारे मे मिक्स कर पुरे भंडारे को प्रसाद स्वरुप बनाकर 1300 श्रद्धालुओ के बीच वितरण किया गया।

रविवार की अन्नापूर्णा सेवा के महान कार्य मे संस्था के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल उपाध्यक्ष निर्मल जालान, सचिव मनोज कुमार चौधरी, पुर्णमल सर्राफ, सज्जन पाडिया, ज्ञान प्रकाश शर्मा बिष्णु सोनी, विशाल जालान, शंकरलाल मोदी, सुरेश अग्रवाल,पवन पोद्दार, ओम प्रकाश सरावगी, पवन अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, रमेंद्र पांडेय, धीरज गुप्ता, चंद्रदिप साहु, परमेश्वर साहू, महेश वर्मा, बंसत वर्मा एव इनके अलावा भी संस्था के और भी बहुत से सदस्य उपस्थित थे। यह सभी जानकारी संस्था के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल (राजू अग्रवाल) ने दी।

ब्यूरोक्रेट्स और सरकार झारखंड को लुटवाने पर आमादा मिलीभगत के बिना लूट संभव नहीं है : राजेंद्र प्रसाद

आजाद सिपाही सिपाही

रांची। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने रविवार को होटल सिटी पैलेस में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि झारखंड राज्य झारखंडियों के शहादत और बलिदान से मिला है। झारखंड राज्य बनाने का उद्देश्य झारखंडियों व राज्य का विकास करना था। लेकिन राज्य बनने के बाद झारखंड को भ्रष्टाचारियों, लुटेरों और दलालों के हवाले कर दिया गया और विकास की जगह विनाश ने ले लिया। मूलवासी सदान और जन जातियों के हक को लूटने का काम होने लगा। अधिकारी अपने काली कमाई को जमीन में इन्वेस्ट कर रहे हैं। जमीन संबंधित सभी नियम कानून को ताक में रखकर अधिकारी माफियाओं के साथ गठजोड़ कर मूलवासी सदान और आदिवासियों की भूमि लूटने लगे, इतना ही नहीं इन्होंने सेना की भूमि तक को बेच दिया। उन्होंने कहा कि कहीं न कहीं इस कार्य में सरकार की भी संलिप्तता रही है। सरकार में बैठे लोगों की कमजोरी और इच्छाशक्ति की कमी के कारण ही ब्यूरोक्रेट्स बेलगाम हो गए हैं। कहा कि सरकार की मिलीभगत के बिना ब्यूरोक्रेट्स लूट को अंजाम नहीं दे सकते हैं। प्रसाद ने कहा कि मुख्यमंत्री व्यक्तिगत रूप से व्यवहार कुशल व्यक्ति हैं, लेकिन जो राज्य में हो रहा है, उसकी जिम्मेदारी मुख्यमंत्री की ही बनती है। प्रसाद ने कहा जब तक राज्य में एक ईमानदार और झारखंडियों के अधिकार की रक्षा करने वाली सरकार राज्य में नहीं बनेगी, तब तक झारखंड की दुर्दशा होती रहेगी। जो भी आईएएस या अधिकारी लूट- खसोट और भ्रष्टाचार में शामिल हैं, उन को बर्खास्त करने के लिए मुख्यमंत्री केंद्र सरकार को तुरंत अनुशंसा भेजें। उन्होंने कहा कि इडी इसकी भी जांच करे कि सरकार में बैठे किन लोगों के कारण छवि रंजन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। सीएनटी और एसपीटी एक्ट होते हुए भी आदिवासियों और मूलवासी सदानों की जमीन लूटी गयी और कब्जा किया गया। नियम के तहत कब्जा की गयी जमीन को सरकार वापस कराए। कहा कि जिन अधिकारियों और दलालों ने सेना की जमीन को बेचा है, उनके ऊपर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज हो। संवाददाता सम्मेलन में पद्मश्री मुकुंद नायक, पद्मश्री मधु मंसूरी, झारखंड आंदोलनकारी व कवि क्षितीश कुमार राय, महेंद्र ठाकुर, विशाल कुमार सिंह और हरीश ठाकुर उपस्थित थे।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
1 Channel

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	36.6 °C	21.4 °C
सूर्यास्त (आज)	:	18.19 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.13 बजे

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 08 मई, 2023
www.azadsipahi.in
05

इडी का दावा, 2000 करोड़ की लगी है चपत

झारखंड के अवैध खनन से भी बड़ा है छत्तीसगढ़ का शराब घोटाला

जेएसबीसीएल को नहीं मिल रहा करोड़ों का हिसाब

मनीष सिंह

रांची (आजाद सिपाही)। इडी ने दावा किया है कि झारखंड के खनन घोटाले से भी बड़ा घोटाला छत्तीसगढ़ के शराब कारोबार में हुआ है। छत्तीसगढ़ के शराब कारोबार के किंगपिंग कहे जाने वाले अनवर ढेबर को इडी ने राजधानी रायपुर स्थित होटल ग्रैंड इंपीरिया से गिरफ्तार किया है। होटल के कमरे से दो डोंगल, दो आइफोन और एक सामान्य फोन बरामद हुआ है। इसके सिम बेनामी हैं। अनवर ढेबर वहां बिना किसी आइडी प्रुफ के रह रहा था। ढेबर को पकड़ने के लिए इडी ने कई बार छत्तीसगढ़ के कई ठिकानों पर छापेमारी की, लेकिन बार-बार वो फरार होने में कामयाब हो जा रहा था। इडी ने यह भी दावा किया है कि छत्तीसगढ़ के शराब व्यापार में करीब 2000 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है। जो कि झारखंड के खनन घोटाले से बड़ा है।

ऐसे किया उत्पाद विभाग ने कार्रवाई के नाम पर आइ वॉश

झारखंड में उत्पाद विभाग ने 2500 करोड़ का लक्ष्य रखा था। लेकिन शराब नीति के तहत देर से काम शुरू होने की वजह से इसे घटा कर 2310 कर दिया गया। फिर भी उत्पद विभाग ने इसे पूरा नहीं किया। विभाग सरकार के खाते में सिर्फ 2054 करोड़ ही डाल सका। ऐसा होने के बाद झारखंड उत्पद विभाग की तरफ से चारों मैनपावर सप्लाई करने वाली कंपियों सुमित फैसिलिटी, ए-टू जेड इंफ्रास्ट्रक्चर, ईगल हंटर सॉल्यूशन लिमिटेड और प्राइम वन कंपनी से शर्त के मुताबिक 44 करोड़ की बैंक गारंटी जब्त की गयी है। इसके अलावा बाजार में थोक शराब का काम देखने वाली दो कंपनियों की 36 करोड़ की बैंक गारंटी जब्त की गयी है।

जेएसबीसीएल को नहीं मिल रहा करोड़ों का हिसाब :

पूरी तरह से फेल हो चुकी शराब नीति पर ऊंगली ना उठे इसके लिए उत्पाद विभाग की तरफ से एक बार फिर से अब खुदरा शराब बेचने का काम जेएसबीसीएल को दे दिया गया है। लेकिन जेएसबीसीएल इस काम को कर पाने में असमर्थ है। क्योंकि एजेंसी के एक कर्मी पर करीब 30 खुदरा दुकानों का बोझ है। इस एक कर्मी पर दुकान चलाने के साथ हिसाब मिलान और तमाम तरह के काम का बोझ है। जिसे कर पाना संभव नहीं।

वहीं देखा जा रहा है कि कई खुदरा दुकानों में जिसे मैनपावर सप्लाई करने वाली एजेंसी चला रही थी, वहां करोड़ों के हिसाब नहीं मिल रहे हैं। कुछ दुकानों में जब जेएसबीसीएल का कर्मी हिसाब लेने पहुंचा तो कर्मी दुकान छोड़ कर भाग गये। बताया जा रहा है कि एक-एक दुकान में करोड़ों के हिसाब गायब हैं। जिसका सीधा असर उत्पाद विभाग के राजस्व पर पड़ेगा। क्योंकि शराब बेचने वाले भले ही एजेंसी के कर्मी थे। लेकिन शराब नीति के मुताबिक खुदरा दुकान में उपलब्ध शराब उत्पाद विभाग यानी सरकार का है।

छत्तीसगढ़ शराब कारोबार के तार जुड़े झारखंड से

अनवर ढेबर और छत्तीसगढ़ स्टेट बिवरेज कॉरपरेशन लिमिटेड (सीएसबीसीएल) का झारखंड के शराब कारोबार से काफी गहरा संबंध है। यहां यह जानना जरूरी है कि छत्तीसगढ़ स्टेट बिवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड यानी सीएसबीसीएल ने ही झारखंड की शराब नीति तैयार की थी। शराब नीति तैयार करने के एवज में झारखंड सरकार की तरफ से सीएसबीसीएल को एक करोड़ की राशि दी गयी थी। इडी छत्तीसगढ़ उत्पाद विभाग के विशेष सचिव एपी त्रिपाठी से भी मामले में पूछताछ कर चुकी है। एपी त्रिपाठी को शराब शराब नीति तैयार करने का भी मास्टरमाइंड समझा जा रहा है। बताया जा रहा है कि सीएसबीसीएल के मौखिक रूप से सर्वेसर्वा एपी त्रिपाठी ही हुआ करते हैं। वित्त वर्ष खत्म होने के बाद देखा जा रहा है कि झारखंड में सीएसबीसीएल की शराब नीति फेल हो चुकी है। उत्पाद विभाग की तरफ से आईवॉश के लिए खुदरा शराब बेचने वाली एजेंसियों पर कार्रवाई की गयी है। लेकिन माना जा रहा है कि जो घोटाला होना था, वो हो चुका है। इडी झारखंड और छत्तीसगढ़ के शराब कारोबार को एक सिंडीकेट की तरह काम करते हुए देख रहा है।

प्रेस सलाहकार अभिषेक की माता के ब्रह्मभोज में शामिल हुए सीएम हेमंत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद के माताजी स्वर्गीय विमला देवी के ब्रह्मभोज कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अभिषेक प्रसाद के अपर शिवपुरी स्थित आवास पहुंचे। जहां उन्होंने स्वर्गीय विमला देवी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद के परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की।

नटवरलाल समान प्रेम की लूट, न जाने और कितने को जेल पहुंचवायेगा : बाबूलाल

राज्य का मुखिया आदिवासी होने की दुहाई देकर अपने पापों को ढंकने की करता है कोशिश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा विधायक दल के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने रविवार को राज्य में सत्ता संपोषित भ्रष्टाचार, भ्रष्ट अधिकारियों, दलालों, बिचौलियों के गठजोड़ पर कड़ा प्रहार किया। श्री मरांडी ने कहा कि झारखंड में जमीन लूट का मास्टरमाइंड छवि रंजन हर अंचल से ढाई लाख रुपये की फिक्स्ड रिश्वत लेता था। जाहिर है, अंचलाधिकारी उससे कहीं ज्यादा वसूल कर अपना कट काट कर साहेब को चढ़ावा देते होंगे। 263 अंचलों से साढ़े 6 करोड़ से अधिक राशि तो हर महीने फिक्स्ड थी, फिर बड़े जमीनों में करोड़ों का खेल। अब कल्पना करिए कि एक अंचलाधिकारी कैसे गरीब किसानों और रैयतों से भी रिश्वत वसूल कर ऊपर तक पहुंचाता होगा? उन्होंने कहा कि सुदूर गांवों का त्रस्त किसान कैसे अपनी पीड़ा ऊपर तक पहुंचाये? गरीबों की शिकायतें ऊपर तक नहीं पहुंचें, इसके लिए सोरेन सरकार ने पहले ही सरकार की 181 सेवा को बंद करा दिया था। अब न छोटे कर्मचारियों की कोई जवाबदेही, न ही अफसरों की। हर स्तर से वसूली करने के लिए नीचे से ऊपर तक तगड़ा नेटवर्क बनाया गया था। उन्होंने कहा कि प्रेम प्रकाश, पूजा सिंघल, छवि रंजन, अमित जैसे कई लोग सरकार के लिए रिकवरी एजेंट के रूप काम करते रहे। अब जब एक-एक करके इनके एजेंट पकड़े जा रहे हैं, तो सरकार की बोलती बंद है।

दारू घोटाला, अवैध पत्थर, बालू, कोयला खनन घोटाला, जमीन घोटाला, ट्रांसफर घोटाला, ठेका-पट्टा घोटाला हर तरीके से सोरेन सरकार ने राज्य और राज्यवासियों को लूटा है। कहा कि इतना सब कुछ सामने आने के बाद भी राज्य का मुखिया अनजान बनने का ढोंग रचता है और आदिवासी होने की दुहाई देकर अपने पापों को ढंकने की कोशिश करता है। जल्द ही इनके सिंडिकेट के मास्टरमाइंड से लेकर हर स्तर के एजेंट होटवार जेल का आनंद लेंगे। कहा कि ये नटरवरलाल समान प्रेम की लूट, प्रेम लीला न जाने और कितने को जेल पंहुचवायेगा?

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष पारिवारिक सुख्य मध्यम रहेगा,परिश्रम से रूका हुआ काम पूरा होगा।

वृष अत्यधिक व्यस्तता रहेगी, नौकरी में बदलाव होगा, यशस्वी कार्य करने का अवसर मिलेगा।

मिथुन नया परिचय क्षेत्र मिलेगा, शुभ समाचार की प्राप्ति होगी, मनोरंजन-आनंद से भरा दिन रहेगा।

कर्क आजीविका संबधी प्रयत्न में सफलता मिलेगी, स्वास्थ्य में सुधार होगा।

सिंह अनावश्यक विवादां आकर भी टल जायेंगी, नौकरी में बदलाव होगा, नया दायित्व मिल सकता है।

कन्या स्वाभिमान और स्वावलंबन बढ़ेगा, पुराना विवाद हल होगा, धन की स्थिति अच्छी होगी।

तुला कर्मक्षेत्र में सहयोगियों के साथ विकास का मार्ग मिलेगा, विवाह-प्रेम संबंधी मामले हल होंगे।

वृश्चिक नौकरी व व्यापार में सफलता मिलेगी.कोई पुराना समस्या हल होगी।

धनु विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास होगा, रोजी-रोजगार में सफलता मिलेगी।

मकर दिन-भर भाग-दौड़ करनी पड़ सकती है, संतान संबंधी समस्या का हल होगा।

कुंभ सेहत को लेकर चिंता होगी,जीवन साथी से अनबन होगा,पैसे का नुकसान हो सकता है।

मीन प्रेम संबंधी परेशानी हो सकती है,कोई नया काम करने से नुकसान होगा।

नशाखोरी के खिलाफ फिर से चलेगा अभियान, 10 को होगी बैठक

रांची। शहर में दारू, हंड़िया, ड्रग्स, अफीम, चरस, गांजा, डेंड्राइड, वाइटनर जैसे नशीली पदार्थों का सेवन कर नशा में चूर और बर्बाद हो रही युवा पीढ़ियों को इस नशाखोरी के अभिशाप से बचाने, शहर को अपराध मुक्त करने और बेहतर समाज बनाने के उद्देश्य से लोअर बाजार थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक बार फिर से नशाखोरी के खिलाफ अभियान चलाने को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। 10 मई को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी है। इसमें कई संस्थानों और संगठनों के गणमान्य लोग और स्थानीय थाना लोअर बाजार, नगर डीएसपी, सिटी एसपी को भी आमंत्रित किया जायेगा। इस बैठक में मुख्य रूप से मोहम्मद फारुख, हासिब, एजाज कुरैशी, मुजीब कुरैशी, राजू, आसिफ, अकबर, रौशन, मुस्तफा, सुहेब, परवेज कुरैशी, अंशु आदि उपस्थित हुए।

ललन सिंह के टास्क की समीक्षा करने रांची पहुंचे झारखंड जदयू प्रभारी

विपक्षी दलों को गोलबंद करने का प्रयास

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बिहार सरकार के भवन निर्माण मंत्री सह झारखंड जदयू के प्रभारी डॉ अशोक चौधरी रविवार को अपने दो दिवसीय दौरे पर रांची पहुंचे। भगवान बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर जेडीयू प्रभारी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कुछ टास्क दिया है, उसकी समीक्षा करने के लिए रांची पहुंचे हैं।

पूरे प्रदेश में संगठन को मजबूत करने के लिए बैठक होनी है। इसमें झारखंड जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष खीरु महतो और पार्टी के लोगों के साथ समीक्षा करेंगे। इसके बाद जिलों का दौरा करेंगे। अशोक चौधरी ने कहा कि उनके साथ पार्टी के सह प्रभारी और बांका के विधायक मनोज यादव भी आये हैं। सह प्रभारी विजय

सिंह का आगमन सोमवार को होगा। एयरपोर्ट पर युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष निर्मल सिंह समेत अन्य नेता भी मौजूद थे।

विपक्षी एकता पर अशोक चौधरी ने कहा कि पार्टी के नेता नीतीश कुमार देश भर में विपक्षी दलों को गोलबंद करने का प्रयास कर रहे हैं। इसी कड़ी में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह रांची में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर चुके हैं। मैं समझता हूं कि विपक्षी एकता को लेकर बात बन जायेगी। झारखंड जेडीयू के प्रवक्ता सागर कुमार ने कहा कि प्रभारी अशोक चौधरी कोर कमेटी के सदस्यों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करेंगे।

15 मई तक रांची से 'गो एयर' की सेवाएं बंद

रांची (आजाद सिपाही)। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची से गो एयर की सेवाएं बंद कर दी गयी हैं। यह सेवा 15 मई तक के लिए बंद की गयी है। इधर एयरपोर्ट प्रबंधन ने कहा है कि बिना किसी अग्रिम सूचना के सेवा बंद किये जाने को लेकर जवाब-तलब भी किया गया है। इसका लाभ दूसरी कंपनियां उठा रही हैं। रांची से कोलकाता के बीच का किराया 13 हजार पार कर गया है। इसकी वजह यह है कि रांची से कोलकाता के बीच केवल इंडिगो सेवा दे रही है।

फिर संघर्ष की राह पर झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन

तीन चरणों में लगातार 31 दिनों तक चलेगा आंदोलन, सांसद-विधायकों को सौंपेंगे मांग पत्र

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची राज्य में नौकरी की आस लगाये और तृतीय-चतुर्थ वर्ग के पदों को झारखंड के युवाओं के लिए सुनिश्चित करने के लिए एक बार फिर राज्य के युवा आंदोलन का रास्ता अख्तियार कर रहे हैं। झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन के प्रमुख देवेंद्र नाथ महतो ने बताया कि पिछले चार महीनों से लगातार कई आंदोलन को ऐतिहासिक सफल बनाने के बाद भी सरकार हमारी मांग पर कोई ठोस निर्णय नहीं ले पायी, जिस कारण बाध्य होकर फिर आंदोलन करेंगे। 60:40 हकमार नियोजन नीति के विरोध में अब तीन चरणों में लगातार 31 दिनों तक विभिन्न स्वरूप में आंदोलन का निर्णय लिया है। प्रेस वार्ता में छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो, योगेश भारती, मुकेश, रवींद्र, आदिवासी छात्र संघ के अमनदीप मुंडा, सुमित उरांव उपस्थित थे।

जल जंगल जमीन को बचाने की है लड़ाई

झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन के प्रमुख देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि 60:40 नाय चलतो आंदोलन महज रोजगार या नौकरी को बचाने की लड़ाई नहीं है, बल्कि झारखंड से भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने की लड़ाई है। यह भाषा-संस्कृति रीति रिवाज को बचाने की लड़ाई है। यह जल-जंगल-जमीन को बचाने की लड़ाई है, इसीलिए इस आंदोलन का नेतृत्व अब छात्र, अभिभावक, किसान, मजदूर, आदिवासी-मूलवासी मिल कर करेंगे और राज्य को बचाने का काम करेंगे। 60:40 नीति से बाहरी भू- माफिया का झारखंड में आगमन होगा, जो जिस पहाड़, पर्वत , जल, जंगल जमीन, नदी झरना को हम भगवान के रूप मान कर जितनी जरूरत हो उतनी ही जंगल से लकड़ी, नदी से बालू लेते हैं, लेकिन बाहरी भू- माफिया उक्त चीजों को खनन और आय की दृष्टि से देखते हैं।

प्रथम चरण 15 दिवसीय समर्थन प्राप्त पत्र अभियान

10 मई से 25 मई तक यह चरण चलेगा। इसमें 81 विधायक और 14 सांसदों को स्थानीय लोगों के सहयोग से अपना मांग पत्र पर समर्थन प्राप्त करने का अभियान चलाया जायेगा। समर्थन देनेवाले विधायक, सांसदों को संपूर्ण झारखंडी आदिवासी-मूलवासी की तरफ से आभार प्रकट किया जायेगा। समर्थन नहीं देने वाले विधायक-सांसदों केसामाजिक कार्य में बहिष्कार किया जायेगा। किसी भी शादी-विवाह, भोज और पूजा-पाठ में नहीं बुलाया जायेगा। इसके माध्यम से सभी प्रखंडों में बैठक कर प्राचीन पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था, महा जनजागरण अभियान के तहत समस्त झारखंड के हाट- बाजार, चौक चौराहा में नगाड़ा और सखुवा पत्ता घुमा कर राज्य के सभी सवा तीन करोड़ लोगों के दिल दिमाग में बैठाया जायेगा कि 60:40 नाय चलतो, हकमार नीति नाय चलतो।

तीसरा चरण 9 से 11 जून तक

तीसरे चरण में तीन दिवसीय 72 घंटे का महा आंदोलन होगा। 10 और 11 जून को दो दिन पूरे 48 घंटा संपूर्ण झारखंड बंद रखा जायेगा तथा बंदी को सफल बनाने के लिए 9 जून को शाम 4 बजे सभी प्रखंड और जिला मुख्यालय के विभिन्न चौक चौराहा में विशाल मशाल जुलूस निकाला जायेगा।

एनटीपीसी कोयला खनन मुख्यालय रांची की ओर से मीडिया इंटरेक्शन

एनटीपीसी ने मीडियाकर्मियों के साथ साझा की उपलब्धियां

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। एनटीपीसी कोयला खनन मुख्यालय रांची द्वारा प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मीडिया के स्थानीय मीडिया कर्मियों के साथ रविवार को एक मीडिया इंटरेक्शन किया गया। इस अवसर पर पार्थ मजूमदार, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (कोयला खनन) ने मीडियाकर्मियों का स्वागत किया और निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। सभी मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने एनटीपीसी कोयला खदानों और इसके प्रदर्शन की प्रमुख झलकियां साझा कीं। एनटीपीसी का अप्रैल 2023 में 2.95 एमटी के साथ मासिक कोयला प्रेषण में अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 140 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। फाइनेंशियल इयर 2023 के लिए कंपनी का कोयला उत्पादन कुल 23.2 मिलियन टन था, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 65 प्रतिशत की वृद्धि थी।

मीडिया को जानकारी देते हुए, उन्होंने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष में, चट्टी बरियातू खदान, साउथ पिट (विस्तार) और तलाइपल्ली कोयला खदान के वेस्ट पिट से कोयले का उत्पादन शुरू हुआ, जिससे एनटीपीसी कोयला खदान से कोयले की अच्छी गुणवत्ता वाले एनटीपीसी बिजली स्टेशनों को अधिक कोयला उत्पादन और आपूर्ति होगी। इस वर्ष भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय द्वारा एनटीपीसी को 34 एमटी का लक्ष्य दिया गया है। मजूमदार ने कहा कि यह सभी हितधारकों के समर्थन और एनटीपीसी और उसके सहयोगियों के सर्वोत्तम प्रयासों से हासिल किया जायेगा। वहीं कोयला उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि का श्रेय एनटीपीसी की कोयला खनन टीमों द्वारा डिजिटल पहलों को दिया जाता है।

उत्पादन में पिछले वर्ष की तुलना में 65 प्रतिशत की वृद्धि

प्रमुख डिजिटल पहलों में डिजीटल सुरक्षा प्रबंधन योजना शामिल है, जिसे इ-एसएमपी कहा जाता है। सुरक्षा के लिए एक मोबाइल ऐप, सचेतन; खदान में लोग और मशीनरी ट्रैकिंग सिस्टम; एकीकृत कोयला प्रबंधन प्रणाली आदि। एनटीपीसी कोयला खनन कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की जिम्मेदारी को भी स्वीकार करता है। कार्य क्षेत्र धूल दमन और जल छिड़काव प्रणालियों से सुसज्जित हैं। उत्सर्जन, एसओएक्स, एनओएक्स, पार्टिकुलेट मैटर्स आदि की निगरानी लगातार की जा रही है और सभी उपलब्ध अवसरों पर पौधरोपण किया जा रहा है और खानों के ओवरबर्डन क्षेत्र में सौर पैनल की स्थापना के लिए नयी पहल की जा रही है। खानों में बिजली से चलने वाले एचइएमएम भी लगाये गये हैं।

मणिपुर में दशकों पुरानी है विभाजन की दीवार

पूर्वोत्तर के छोटे-से खूबसूरत पर्वतीय राज्य का भारत में विलय आजादी के 2 साल बाद वर्ष 1949 में हुआ था, यह बात तो कमोबेश ज्यादातर लोग जानते हैं, लेकिन इस बात की जानकारी कम ही लोगों को होगी कि अपनी अनूठी भौगोलिक बसावट के कारण इस राज्य के पर्वतीय और मैदानी इलाकों में टकराव का इतिहास बहुत पुराना है। इन दोनों इलाकों में बसे लोगों के आपसी हितों की लड़ाई ने बीते करीब 5 दिनों से इस राज्य को ड्डषहसा की ऐसी आंच में धकेल दिया है जिसकी शायद राज्य सरकार ने कल्पना तक नहीं की होगी। खासकर धारा 355 के जरिए कानून व व्यवस्था की रक्षा का जिम्मा केंद्र के हाथों में जाने के बावजूद परिस्थिति सुधरने की बजाय लगातार बदतर हो रही है। गैर-सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, राज्य के विभिन्न हिस्सों में हुई हिंसा में अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि सरकार ने अब तक मृतकों का कोई आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया है। वैसे, कोई महीने भर पहले से ही कुकी बहुल पर्वतीय इलाकों में इसके संकेत मिलने लगे थे। कहीं हथियार लूटे जा रहे थे तो कहीं दूसरे बहाने से ड्डषहसा हो रही थी, लेकिन सरकार भीतर ही भीतर धधकती चिंगारी का अनुमान लगाने में नाकाम रही।

हाइकोर्ट ने बीते 19 अप्रैल को अपने फैसले में सरकार को निर्देश दिया था कि वह 10 साल पुरानी सिफारिश पर विचार करे जिसमें गैर-जनजातीय मैतेयी समुदाय को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने की बात कही गयी थी।

राजनीतिक विश्लेषक भी मानते हैं कि किसी पूर्व सुनियोजित योजना के बिना इतने बड़े पैमाने पर हिंसा और आगजनी नहीं हो सकती। मौजूदा हालात पर चर्चा करने से पहले राज्य की भौगोलिक स्थिति के बारे में जान लेना बेहतर होगा। तब इस समस्या को आसानी से समझा जा सकता है। राज्य का 90 फीसदी हिस्सा पर्वतीय इलाके में है। वहां कुकी और नागा समेत 33 जनजातीय समूह रहते हैं, लेकिन वहां विधानसभा की महज 20 सीटें हैं। बाकी 40 सीटें कुल क्षेत्रफल के 10 फीसदी हिस्से वाले मैदानी इलाकों में हैं। मैदानी इलाकों में मैतेयी तबके के लोग रहते हैं। राज्य की कुल आबादी में उनका हिस्सा करीब 53 फीसदी है। शैड्यूल ट्राइब डिमांड कमेटी ऑफ मणिपुर यानी एसटीडीसीएम वर्ष 2012 से ही मैतेयी समुदाय को जनजाति का दर्जा देने की मांग कर रही है। ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ मणिपुर का कहना है कि मैतेयी समुदाय की भाषा संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल है और इनमें से कइयों को अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति और इकोनॉमिकली वीकर सेक्शन यानी इडब्ल्यूएस का फायदा मिल रहा है। दोनों गुटों के बीच जारी तनाव की इस आग में घी डालने का काम किया मणिपुर हाइकोर्ट के एक फैसले ने। हाइकोर्ट ने बीते 19 अप्रैल को अपने फैसले में सरकार को निर्देश दिया था कि वह 10 साल पुरानी सिफारिश पर विचार करे जिसमें गैर-जनजातीय मैतेयी समुदाय को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने की बात कही गयी थी।

अभिमत
आजाद सिपाही

अभी इलेक्ट्रॉनिक्स के दायरे में आने वाला ऐसा एक भी सामान खोजना मुश्किल है, जिसमें सेमीकंडक्टर्स की मुख्य भूमिका न हो। यह चीज वहां इंटीग्रेटेड सर्किट या चिप के रूप में मौजूद होती है। कंप्यूटरों की तो बात ही छोड़ें, मोबाइल फोन, टीवी, फ्रिज, एसी और थर्मामीटर तक में यह दिमाग जैसी भूमिका निभाती है। इमेज प्रॉसेसिंग से लेकर डेटा प्रॉसेसिंग और टेंप्रेचर कंट्रोल से लेकर सूचनाओं के साथ तरह-तरह के खिलवाड़ तक सारे काम सेमीकंडक्टर्स के ही सहारे होते हैं।

सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री से होगी नयी क्रांति

चंद्रभूषण

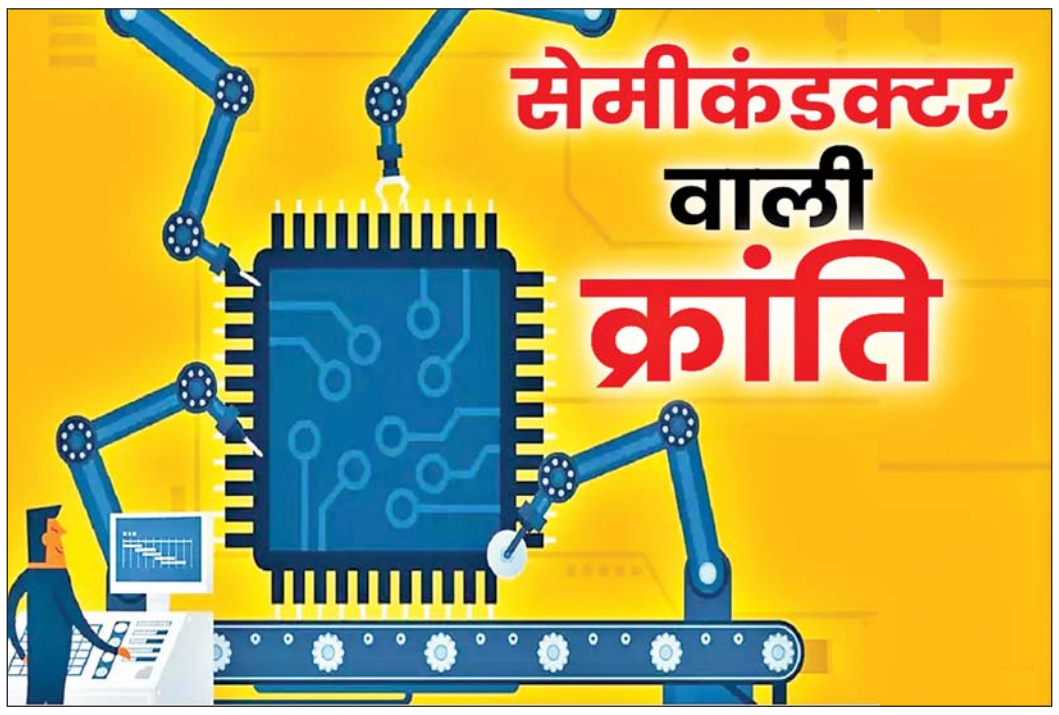

भारत में इक्कीसवीं सदी की शुरुआत कुछ बड़े शहरों के किनारे वाले इलाकों में आयी 'कॉल सेंटर क्रांति' से हुई थी। उस क्रांति को धूमिल पड़े कई साल गुजर चुके हैं। लेकिन आने वाले समय में हमें उसका दोहराव देखने को मिल सकता है। आउटसोर्सिंग से ही उपजी एक और तरह की क्रांति, और कुछ मायनों में आइटी सेक्टर से जुड़ी बड़े पैमाने की एक मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री देश का दरवाजा खटखटा रही है।

शुरुआती हलचल : ऐपल के गैजेट्स असेंबल करने वाली बड़ी ताइवानी इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग कंपनी फॉक्सकॉन की कर्नाटक और तेलंगाना की राज्य सरकारों से बातचीत अपने अंतिम चरण में है। उम्मीद की जा रही है कि दोनों में से किसी एक राज्य में यह साल बीतने तक उसका कारखाना खड़ा होने लगेगा।

हाल में वेदांता ग्रुप का बयान आया है कि 2023 की ही आखिरी तिमाही में वह संयुक्त उपक्रम के तहत अपना सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने की शुरुआत करेगा और 2027 तक इसमें कंप्यूटर चिप्स का उत्पादन शुरू हो जायेगा। इस उद्योग को टैक्स छूट और अन्य रूपों में दस अरब डॉलर का इंसेंटिव देने की घोषणा भारत सरकार ने 2021 में की थी। इन हलचलों के पीछे इसकी विशेष भूमिका है।

भारत में 2026 तक 80 अरब डॉलर का सेमीकंडक्टर मार्केट होने का अनुमान लगाया गया है।

वेदांता और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, दोनों का कहना है कि वे भारत में ओसैट (आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट) के ठिकाने भी खड़े करेंगे। इसमें तैयार हालत में मंगाये गये कंप्यूटर चिप्स को उपकरणों में लगा कर उनकी टेस्टिंग की जाती है। ताइवान के अखबार बता रहे हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी टीएसएमसी या पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन की ओर से भी भारत में ओसैट कारोबार खड़ा करने की पहल हो सकती है।

सस्ते तकनीकी श्रम के कारण हाल तक इस खास मिजाज की आउटसोर्सिंग में चीनियों का दबदबा था। फिर लगातार दो अमेरिकी राष्ट्रपतियों की कोशिश से चीन को सेमीकंडक्टर्स से जुड़े हर क्षेत्र में अलग-थलग कर दिए जाने के बाद भारत और वियतनाम ओसैट के धंधे पर अपनी दावेदारी जताने में जुट गये हैं।

अभी इलेक्ट्रॉनिक्स के दायरे में आने वाला ऐसा एक भी सामान खोजना मुश्किल है, जिसमें सेमीकंडक्टर्स की मुख्य भूमिका न हो। यह चीज वहां इंटीग्रेटेड सर्किट या चिप के रूप में मौजूद होती है। कंप्यूटरों की तो बात ही छोड़ें, मोबाइल फोन, टीवी, फ्रिज, एसी और थर्मामीटर तक में यह दिमाग जैसी भूमिका निभाती है। इमेज प्रॉसेसिंग से लेकर डेटा प्रॉसेसिंग और टेंप्रेचर कंट्रोल से लेकर सूचनाओं के साथ तरह-तरह के खिलवाड़ तक सारे काम सेमीकंडक्टर्स के ही सहारे होते हैं। इसके एक अकेले टुकड़े की भूमिका सिर्फ स्विच ऑन, स्विच ऑफ तक ही सीमित है। लेकिन अभी सेमीकंडक्टर्स का आकार छोटा होते-होते बाल की मोटाई के भी दस लाखवें हिस्से जितना हो गया है, लिहाजा ऐसे-ऐसे काम इनसे लिए जाने लगे हैं, जो पचीस साल पहले तक कल्पनातीत समझे जाते थे।

सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के ब्योरों में जायें तो इसकी नींव सिलिकॉन वेफर पर खड़ी है, जिसके प्रॉडक्शन में चीन का दबदबा है। इससे जुड़े दिमागी काम की शुरुआत दुनिया के अलग-अलग ठिकानों पर होती है। सबसे ऊपर है, नये माइक्रोप्रोसेसर डिजाइन करना, जो इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के तहत आता है।

अमेरिकी कंपनी इंटेल और ब्रिटिश कंपनी एआरएम इस क्षेत्र में छाई हुई हैं। दक्षिण कोरिया की सैमसंग का दबदबा डाइनेमिक रैंडम एक्सेस मेमोरी (ड्रैम) में कायम है। इंटीग्रेटेड सर्किट (आइसी) बनाने में इन दोनों चीजों की अहम भूमिका होती है। चिप डिजाइनिंग, यानी सिलिकॉन वेफर पर सर्किट्स का खाका खींचने में अमेरिकी कंपनियों क्वालकॉम, ब्रॉडकॉम और एनविडिया का बोलबाला है। चिप्स को भौतिक रूप देने में ताइवानी कंपनी टीएसएमसी सबसे आगे है। वह सिलिकॉन वेफर्स पर सर्किट्स की छपाई करके चिप का नक्शा बनाती है, जिसकी तय जगहों पर माइक्रो प्रॉसेसर और ड्रैम चिपकाये जाते हैं। इसके लिए जिन लिथोग्राफी (छापा) मशीनों का इस्तेमाल होता है, वे लगभग सारी की सारी नीदरलैंड्स की कंपनी टीएसएमसी होल्डिंग द्वारा बनायी जाती हैं। लिथोग्राफी वाला केमिकल ऑर्गन फ्लोराइड (आर्फी) सारा का सारा जापानी बनाते हैं। चिप बनकर तैयार हो जाये, फिर भी इसे सीधे काम में नहीं लाया जा सकता। दिमाग को कुछ करने के लिए एक शरीर भी चाहिए। शरीर, यानी चिप से चलने के लिए बनाया गया इलेक्ट्रॉनिक उपकरण।

इसके लिए चिप को असेंबलिंग और टेस्टिंग के जिस चरण से गुजरना पड़ता है, उस 'ओसैट' का जिक्र ऊपर किया जा चुका है। भारत में बड़े पैमाने पर स्किल्ड रोजगार की उम्मीद फिलहाल ओसैट से ही है, बशर्ते चीन से विकसित देशों की सेटिंग कहीं दोबारा न बन जाए और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (अक) कहीं ओसैट का किस्सा ही न खत्म कर दे।

भारत में 2026 तक 80 अरब डॉलर का सेमीकंडक्टर मार्केट होने का अनुमान लगाया गया है। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो चीन का सेमीकंडक्टर बाजार सन 2022 में ही 192.4 अरब डॉलर का आंका गया था। उसको निर्माण में अलग-थलग करने का नुकसान उसके बाजार से हाथ धो बैठने के रूप में उठाना पड़ा है। दुनिया में चोटी की दस चिप निर्माता कंपनियों की सम्मिलित मार्केट वर्थ नवंबर 2021 में 2.9 लाख करोड़ डॉलर मानी जाती थी, जो यूक्रेन में लड़ाई शुरू होने के बाद नवंबर 2022 में घट कर 1.9 लाख करोड़ डॉलर रह गयी।

रक्षात्मक रवैया : जाहिर है, बहुत बड़ा औद्योगिक क्षेत्र होने के बावजूद सेमीकंडक्टर उद्योग का रवैया अभी रक्षात्मक है। ऐसे में भारत जैसे नए खिलाड़ी को कदम-कदम पर अड़चनों का सामना करना पड़ेगा। लेकिन यह भी कहा जा रहा है कि बीसवीं सदी के इतिहास में जैसी भूमिका कच्चे तेल ने निभाई थी, इक्कीसवीं सदी में वही सेमीकंडक्टर निभाने जा रहा है। धंधे में नरम-गरम चलता रहेगा, लेकिन एक बार इसमें पांव रख देने के बाद भारत को आगे ही बढ़ते जाना होगा।

जमशेदपुर की खबरें

सांसद गीता कोड़ा ने क्षेत्र का किया दौरा

सैकड़ों लोगों ने थामा कांग्रेस का दामन

आजाद सिपाही संवाददाता

चाइबासा। कोल्हान में चुनाव को लेकर के कांग्रेस पार्टी का अभियान जारी है। रविवार को क्षेत्र के सांसद गीता कोड़ा ने नोआमुंडी, जामदा, किरीबुरू, मेघाहातुबुरु क्षेत्र के ग्रामीणों से मुलाकात कर समस्याओं से अवगत हुए। सांसद सांसद गीता कोड़ा ने दौरा के दौरान जनसंपर्क के माध्यम से आम जनता हालचाल जाना। उनकी समस्याओं को समझ कर समाधान के लिए पार्टी के कार्यकताओं को कई निर्देश दिया। साथ ही कांग्रेस पार्टी के कार्यकताओं से मिलकर पार्टी संगठन को मजबूत करने पर विचार विमर्श किया। मौके पर सांसद ने कार्यकताओं को संगठन

की मजबूती के लिए आवश्यक निर्देश दिए। सांसद गीता कोड़ा ने उपस्थित कार्यकताओं का हौसला अफजाई करते हुए कहा पार्टी के कार्यकर्ता जनता से जुड़े समस्याओं के समाधान करने में तत्पर रहे। समाज के पिछले पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकारी विकास योजनाओं को पहुंचाने का प्रयास करें। आम जनता तक कांग्रेस पार्टी के नीति और सिद्धांतों का प्रचार करें ताकि समाज में समभाव और समरसता बनी रहे। इस अवसर पर सांसद की लोकप्रियता एवं कार्यप्रणाली से प्रभावित होकर सैकड़ो ग्रामीण व अन्य पार्टियों के कार्यकर्ता कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। मेघाहातु पार्टी कार्यालय में समारोह के दौरान सांसद गीता कोड़ा ने सैकड़ो नए सदस्यों को पार्टी की सदस्यता दिलाई। मौके पर संतानू बोडाउली, सनमय सिंह, रोशनी बोडाउली, इरसाद अली, जोंगों बोडाउली, स्नेहलता सोय, हबील भेंगरा, बबिता हेमब्रॉम, बबिता भेंगरा, संतोष नाग, अनिता हेमब्रोम, मीना बारला, कृष्टिना सोय, सुबनी सोय, नोदिल सोय, सुनीता दास, यशोदा पासवान, मीना देवी, पार्वती गोप, नमिता पत्रों, जोसेफ बोदरा, कंचन पूर्ति,दमयंती मुंडुईया, निर्मल सिद्धू,प्रेममोदित पूर्ति,अन्ना महतो सहित अनेकों कार्यकर्ता शामिल रहे।

सांसद दीपक प्रकाश आज जमशेदपुर में धरना में होंगे शामिल

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद दीपक प्रकाश 8 मई सोमवार को जमशेदपुर जायेंगे।जमशेदपुर में रामनवमी जुलूस के दौरान भाजपा नेताओं की हुई गिरफ्तारी के खिलाफ जमशेदपुर महानगर द्वारा उपायुक्त कार्यालय पर आयोजित विशाल धरना कार्यक्रम में शामिल होंगे।

तुलसी भवन में याद किये गये महावीर प्रसाद द्विवेदी और सुमित्रा नंदन पंत

काव्य कलश में शहर के कवियों ने प्रस्तुत की स्वरचित काव्य रचनाएं

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। तुलसी भवन की साहित्य समिति की ओर से रविवार शाम संस्थान के प्रयाग कक्ष में मासिक 'काव्य कलश' सह साहित्यकार द्वय महावीर प्रसाद द्विवेदी एवं सुमित्रानंदन पंत की जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान के न्यासी अरुण कुमार तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मानद सचिव प्रसेनजित तिवारी ने आगत साहित्यकारों का स्वागत किया। कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्पण एवं माधवी उपाध्याय द्वारा सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात कैलाशनाथ शर्मा गाजीपुरी ने महावीर प्रसाद द्विवेदी, जबकि ब्रजेंद्र नाथ मिश्र ने सुमित्रानंदन पंत का जीवन परिचय प्रस्तुत

किया। कार्यक्रम के अगले सत्र में उपस्थित शहर के नामचीन कवियों ने स्वरचित कविताओं का पाठ किया.इनमें बलबिंदर सिंह, अनिता निधि, कन्हैया लाल अग्रवाल, नीता सागर चौधरी, भंजदेव देवेंद्र कुमार 'व्यथित', माधवी उपाध्याय, जय प्रकाश पांडेय, प्रतिभा प्रसाद, ब्रजेंद्र नाथ मिश्र, वीणा कुमारी नंदिनी, डॉ संजय पाठक 'सनेही', रीना गुप्ता, कैलाश नाथ शर्मा 'गाजीपुरी', आरती श्रीवास्तव 'विपुला', हरिहर राय चौहान, माधुरी मिश्रा, विनय कुमार श्रीवास्तव 'फूलन', चंदा कुमारी, शीतल प्र. दुबे, शिव नंदन सिंह, कुमार राजेंद्र गोस्वामी, विवेक बिहारी मिश्रा, यमुना तिवारी 'व्यथित' एवं वसंत जमशेदपुरी प्रमुख रहे।

जमशेदपुर में निकाला दिल्ली खालसा फतेह मार्च

एसएसपी प्रभात कुमार समेत कई लोग शामिल, हुए नतमस्तक

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। श्री गुरु ग्रंथ साहब जी महाराज की अगुवाई, पंच प्यारों की छत्रछाया और सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से रविवार को दिल्ली खालसा फतेह मार्च निकला। जिसका आकर्षण बुलेट राइडर एवं नन्हें घुड़सवार रहे। फूलों से सजी पालकी में श्री गुरु ग्रंथ साहिब की गरिमामय उपस्थिति में पंच प्यारे शोभायमान थे। दिल्ली फतेह मार्च में संस्था सिख जागृति मंच द्वारा फूलों की बारिश की गई। दिल्ली खालसा फतेह मार्च से पहले गुरूद्वारा में अरदास किया गया। इसके बाद पालकी साहब साकची के लिए रवाना हुई। फतेह मार्च में एसएसपी प्रभात कुमार श्री गुरु ग्रंथ

साहिब जी के समक्ष नतमस्तक हुए और सिंहभूम जिला में अमन शांति सद्भावना एवं तरक्की की कामना की। नगर कीर्तन फतेह मार्च में कंट्रोलिंग की सेवा सिख नौजवान सभा के सतबीर सिंह गोल्डू एवं उनके साथी ही कर रहे थे। फतेह मार्च में संरक्षक अमरप्रीत सिंह काले सहित विभिन्न दलों के सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए.इससे पहले टिनप्लेट गुरद्वारा में आयोजित समारोह में तख्त श्री हरमंदिर जी पटना साहिब के महासचिव सरदार इंदरजीत सिंह, झारखंड गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार शैलेंद्र सिंह, सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान भगवान सिंह, टाटा मोटर्स यूनियन अध्यक्ष सरदार गुरमीत सिंह तोते, संरक्षक गुरदीप सिंह पप्पू, डॉ हरप्रीत सिंह, डॉ जसपाल कौर, कांग्रेस नेता सुखदेव सिंह मल्ली, यूनियन नेता परविंदर सिंह सोहेल समेत कई गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान एवं सेंट्रल गुरुद्वारा कमेटी के पदाधिकारियों को सिरोपा देकर कमेटी की ओर से सरदार बलवंत सिंह, सरदार गुरुचरण सिंह बिल्ला ने सम्मानित किया और इसका संचालन प्रधान सुरजीत सिंह खुशीपुर ने किया. साकची गुरुद्वारा में समापन के उपरांत संगत ने अटूट लंगर ग्रहण किया, जिसकी व्यवस्था सीजीपीसी ने की थी। मार्च के मार्ग में रामगढ़िया सभा एवं अन्य कई संस्थाओं द्वारा संगत के लिए चाय पानी नाश्ता का प्रबंध किया गया था।

मौके पर इनकी रही मौजूदगी

इस अवसर पर सरदार अमरजीत सिंह, सरदार जोगा सिंह, सरदार गुरनाम सिंह हरजिंदर सिंह जसवंत सिंह, सुखवंत सिंह, अमरजीत सिंह भामरा, ज्ञानी कुलदीप सिंह, कुलविंदर सिंह, कुलविंदर सिंह पन्नू समेत काफी समाज के गणमान्य लोग मौजूद थे।

राजेश साहू बने जिला तैराकी संघ के अध्यक्ष

आजाद सिपाही संवाददाता

खरसावां। सरायकेला खरसावां जिला तैराकी संघ के वार्षिक बैठक में सत्र 2023-26 तक के लिए जिला संघ का पुनर्गठन किया गया। झारखंड स्विमिंग एसोसिएशन के निदेर्शानुसार खरसावां के अर्जुना स्टेडियम में आयोजित खिलाड़ियों, संगठन के सदस्यों एवं खेल प्रेमियों की उपस्थिति में जिला तैराकी संघ के पूर्व अध्यक्ष सह बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रहे स्वर्गीय विश्वनाथ रथ को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। एक मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बीते कोविड-19 के दौरान स्वर्गीय रथ का निधन हो गया था। उनके निधन के बाद अध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति से समाजसेवी सह डीएसए के मानद सदस्य राजेश कुमार साहू को जिला तैराकी संघ का अध्यक्ष बनाया गया।

वही सचिव मोहम्मद दिलदार ने शॉल उड़ाकर श्री साहू को शुभकामनाएं दी। मौके पर श्री साहू ने कहा सरायकेला खरसावां की धरती खेल एवं कला के क्षेत्र में पूरे देश में अग्रिम पंक्ति पर स्थान रखता है। आने वाले दिनों में खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा व अवसर मिले इसके लिए राज्य सरकार के साथ-साथ संघ का भी विशेष योगदान रहेगा। तैराकी प्रैक्टिस के लिए उन्होंने शीघ्र ही जिला में एक स्विमिंग पूल स्थापना करने की दिशा में कदम बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर वर्ष 2022 में राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धा में भाग लेने वाले 15 एवं मेडल जीतने वाले 5 जूनियर खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर सचिव मोहम्मद दिलदार, पिनाकी रंजन, अशोका इंटरनेशनल के निदेशक सत्यनारायण प्रधान, प्रशिक्षक सुदामा सिंहदेव, बलराम महतो, संजय सुंडी एवं बालक बालिका वर्ग के तैराकी के खिलाड़ी उपस्थित रहे।

दुर्घटना में युवक की मौत, एक घायल, ग्रामीणों ने गढ़वा-अंबिकापुर मार्ग एनएच-343 किया जाम

पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों को समझा-बुझाकर किसी तरह एक घंटे के बाद जाम खत्म कराया

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा-अम्बिकापुर मुख्य मार्ग एनएच-343 पर नारायणपुर गांव के पास ट्रक की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि मोटरसाइकिल पर सवार एक युवक की हालत गंभीर बतायी गयी है। घटना में मृतक गढ़वा थाना क्षेत्र के पचपड़वा गांव निवासी विष्णु रावत का पुत्र शिवम कुमार (21) बताया गया है। जबकि इस घटना में घायल बिहार के गया जिला के राजबल्लव राम का पुत्र राजा कुमार (25) गंभीर रूप से घायल है। घटना के बाद आसपास के लोगों के द्वारा घटना में घायल युवक को आनन फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल गढ़वा में भर्ती कराया गया है। उसका इलाज चल रहा है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि मृतक की दो चचेरी बहनों की शादी थी। जिसके करण यह लोग अपने मोटरसाइकिल से पेट्रोल पंप डीजल लेने आये थे। डीजल लेकर वापस घर लौट रहे थे। उस बीच नारायणपुर गांव के पास एक ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। जिससे शिवम कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि मोटरसाइकिल पर सवार एक की हालत गंभीर बतायी गयी है। घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक छोड़कर भागने का प्रयास कर रहा था। लेकिन आसपास के लोगों ने ट्रक चालक को पकड़कर जमकर पिटाई कर दी। घटना के बाद परिजनों ने आक्रोशित होकर सड़क पर उतर कर लगभग एक घंटे तक सड़क को जाम कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों को समझा-बुझाकर किसी तरह जाम को समाप्त कराया। वहीं शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ट्रक को भी जब्त कर थाना ले आयी है।

कार्यक्रम : रामविलास पासवान और बाबा चौहरमल की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में चिराग पासवान ने कहा

राज्य की सीमाएं दिलों में दूरियां पैदा नहीं कर सकतीं

रामविलास पासवान का व्यक्तित्व सबो के लिए प्रेरणादायी था : मंत्री मिथिलेश ठाकुर

आजाद सिपाही संवाददाता

रमना। प्रखंड के बहीयार खूर्द में बाबा चौहरमल और पद्मभूषण से सम्मानित लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक स्व. रामविलास पासवान की प्रतिमा का अनावरण रविवार को जमुई (बिहार) के सांसद और लोक जनशक्ति (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान एवं पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने संयुक्त रूप से किया। इसके बाद बाबा चौहरमल कल्याण समिति गढ़वा के जिला अध्यक्ष चंदन पासवान और समिति के सदस्यों के द्वारा नेताद्वय को माला, बुके, पगड़ी और तलवार भेंट कर सम्मानित किया गया।

मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि यह अफसोस की बात है कि हम अपने हाथों से अपने पिता रामविलास पासवान की प्रतिमा का अनावरण करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि रामविलास पासवान चाहते थे कि सभी को सम्मान और बराबर का हक मिले। उन्हें सीएम बनने से रोका गया, पीएम बनने से रोका गया। पांच दशक का उनका राजनीतिक कैरियर बेदाग रहा है। चिराग ने कहा कि उन्होंने आजीवन समाज, प्रदेश व देश को आगे बढ़ाने का काम किया है। वे जिस भी विभाग में रहे आम आदमी की सहूलियतों का खास ख्याल रखे। जिसका परिणाम है कि आज रिक्शा और ठेला वाले के हाथ में भी मोबाइल है। चिराग ने कहा कि परिवार के सदस्य उनका साथ छोड़कर चले गये, ऐसे में यहां के लोगों ने भाई-बहन बनकर उन्हें आगे बढ़ाने का काम किया है। कुछ लोगों ने पार्टी को तोड़ दिया लेकिन वे विपरीत परिस्थितियों में भी नहीं टूटे और न कभी टूटेंगे। आज पिताजी के अधूरे सपनो को पूरा करने की जिम्मेवारी उनके ऊपर है, और वे इसके लिए ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं। आवश्यकता है समाज के लोगों को एकजुट होकर अपनी शक्ति को पहचानने की। उन्होंने कहा कि राज्य की सीमाएं दिलों में दूरियां पैदा नहीं कर सकतीं। वे हर कदम पर यहां के लोगों के साथ खड़ा मिलेंगे। उन्होंने प्रतिमा लगाने के लिए भूमिदाता विरेंद्र कुमार पासवान और समिति के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

वहीं मंत्री मिथलेश ठाकुर ने कहा कि स्व. रामविलास पासवान देश को रास्ता दिखाने वाले नेता थे। सभी को साथ लेकर चलने की उनमे अद्भुत कला थी। वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति थे। रामविलास पासवान का व्यक्तित्व सबों के लिए प्रेरणादायी था। उन्होंने कहा कि कभी भी रामविलास पासवान धर्म-संप्रादाय की बात नहीं बल्कि समानता, अधिकार और भारत की तरक्की की बात किया करते थे।

इस अवसर पर पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव, जिप अध्यक्ष शांति देवी, डीडीसी राजेश कुमार राय, 20 सूत्री उपाध्यक्ष नितेश सिंह, समाजसेवी ताहीर अंसारी, वीरेंद्र प्रधान, रामजी पासवन, चन्दन पसवान, नरेंद्र सिंह, प्रमोद सिंह, विरैची पासवान, कुलदीप पासवान सहित कई लोग मौजूद थे।

शादी समारोह में जमकर हुई मारपीट, दूल्हे एवं लड़की के भाई सहित आधा दर्जन लोग घायल

बाराती भागे, लड़की वालों ने दूल्हे एवं उसके पिता को रोका

पुलिस के हस्तक्षेप से रविवार को दिन में हुई शादी

आजाद सिपाही संवाददाता

मझिआंव। थाना क्षेत्र अन्तर्गत आछोडीह गांव में शादी समारोह के दौरान दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। जहां दूल्हे के भाई व दुल्हन के भाई व चाचा समेत आधा दर्जन से अधिक लोगों के चोटिल होने की खबर है। प्राप्त समाचार के अनुसार बरडीहा थाना मुख्यालय के प्रवेश रजवार के पुत्र बबलू रजवार की बारात शनिवार को रात दस बजे मझिआंव थाना क्षेत्र के आछोडीह गांव के भखोरी रजवार की पुत्री रीनू कुमारी के साथ शादी के लिए उसके घर आयी थी। इस दौरान बारात में लोग बाजे गाजे की धुन पर बाराती खूब नाचे और द्वारपूजा आदि कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसके बाद लड़की पक्ष के लोग अगले कार्यक्रम के लिए जनवासे में वर को लेने के लिए आये। इसी बीच किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहा सुनी हुई और बाद में विवाद बढ़ता ही चला गया और विवाद मारपीट में बदल गया। मारपीट के दौरान हुई भगदड़ में सभी बाराती भाग गए, जबकि लड़की पक्ष वालों ने वर एवं उसके पिता को जबरन रोके रखा।

परिजनों के अनुसार वर यह शादी नहीं करना चाहता था और अपने पिता के दबाव में शादी करने आया था। बताया जाता है कि शनिवार को रात्रि में बरडीहा से दो चार पहिया वाहनों में भरकर लोग आये और दोनों तरफ से मान मनौवल का दौर चला लेकिन वर पक्ष के लोग शादी नहीं करना चाहते थे। बाद में रविवार को लड़की पक्ष के लोगों ने मझिआंव थाना को सूचना दी। जिसके बाद थाना प्रभारी के निर्देश पर पहुंचे एएसआई बीरबल राम के सार्थक प्रयास से शादी सम्पन्न हुई और रविवार को दोपहर बाद तीन बजे विदाई की गई।

इस संबंध में थाना प्रभारी कमलेश कुमार महतो ने बताया कि सूचना मिलने के बाद तत्काल एएसआई बीरबल राम के साथ पुलिस बल भेजा गया और दोनों पक्षो को समझा-बुझाकर शादी कराई गई।

मदरसा दस्तार कार्यक्रम में मंत्री की ओर से किया गया 25 हजार रुपये का सहयोग

रंका (आजाद सिपाही)। अनुमंडल प्रखंड के क्षेत्र के ग्राम मानपुर में मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत गरीब नवाज के दस्तारे हिफ्ज कॉन्फ्रेंस में झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री गढ़वा विधायक मिथिलेश कुमार ठाकुर के प्रतिनिधि के रूप में जिला अध्यक्ष तनवीर आलम खान शिरकत किए और मंत्री की ओर से कमेटी को 25 हजार रुपये का सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर मानपुर पंचायत के मुखिया हसीम अंसारी, पूर्व मुखिया असमुदीन अंसारी, बीडीसी असमुदीन अंसारी सहित काफी संख्या में मुस्लिम उलेमा उपस्थित थे।

कीटनाशक दवा खाने से महिला की मौत

गढ़वा (आजाद सिपाही)। गढ़वा जिला रमना थाना क्षेत्र के कोरगा गांव निवासी मुकेंद्र भुइया की पत्नी सीमा देवी 30 वर्ष कीटनाशक दवा खाने से उसकी मौत हो गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए मृतक के परिजनों ने बताया कि सीमा देवी की दिमागी हालत ठीक नहीं थी। वह कीटनाशक दवा क्यों खाई इसकी भी जानकारी घर में किसी को नहीं है। जब उसकी स्थिति बिगड़ने लगी तो परिजनों के द्वारा उसे इलाज के लिए तत्काल सदर अस्पताल गढ़वा में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। और परिजनों का रो रो कर बुरा हाल बना है।

शराब के नशे में कीटनाशक खाकर की आत्महत्या

गढ़वा (आजाद सिपाही)। मेराल थाना क्षेत्र के अरंगी गांव निवासी रामनाथ विंद का पुत्र विपिन बिंद 35 वर्ष कीटनाशक दवा खाकर आत्महत्या कर ली। इस संबंध में इस संबंध में मृतक के परिजनों ने बताया कि शराब के नशे में वह घर में तू तू मैं मैं किया था। जिसके बाद वह घर से लगमा गांव जाकर कीटनाशक दवा क्यों खाया कैसे खाया। इसकी जानकारी हम परिवार वाले किसी को नहीं है। जब घर पहुंचा तो एकाएक उसकी तबीयत बिगड़ गई। जिसके बाद परिजनों के द्वारा उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

देशभक्ति का जज्बा भरता है स्काउट गाइड : डीसी

जीएन कॉन्वेंट स्कूल के बच्चे ट्रैकिंग और नेचर स्टडी प्रशिक्षण के लिए गये नेतरहाट

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भारत स्काउट एंड गाइड जिला कमेटी से जुड़े रोवर रेंजर और स्काउट गाइड के 9वीं और 10वीं के छात्र-छात्राओं का दल नेतरहाट में आयोजित 6 मई से लेकर 10 मई तक ट्रैकिंग सह नेचर स्टडी सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने सुरक्षित बस द्वारा प्रस्थान किया।

सभी विद्यार्थियों के लिए नेतरहाट में रहने और अन्य व्यवस्थाएं करने का कार्य किया गया है ताकि वहां उन्हें कोई असुविधा न हो। यह कार्यक्रम भारत स्काउट गाइड झारखंड राज्य के द्वारा निर्धारित कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में पूरे राज्य भर के करीब 800 रोवर रेंजर और स्काउट गाइड शामिल होंगे।

प्रस्थान के समय उपायुक्त गढ़वा शेखर जमुआर, जिला शिक्षा पदाधिकारी अनिता पूर्ति, जिला स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष उमा कांत तिवारी, स्काउट हेड विकास कुमार व उपस्थित अभिभावकों ने हरी झंडी दिखाकर बस को यात्रा के लिए रवाना किया। गेम टीचर अजय वाल्मीकि की अगुवाई में बच्चों को भेजा गया। उपायुक्त ने अपने सम्बोधन में कहा कि स्काउट गाइड द्वारा बच्चों के अंदर देशभक्ति, ईमानदारी और आपसी भाईचारे की भावना के साथ-साथ विपरीत परिस्थितियों में अपने आपको स्वयं को ढालने की कला का ज्ञान आता है। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं प्रदान की।

स्काउट गाइड हेड विकास ने बताया कि स्काउटिंग का मूल प्रशिक्षण आउटिंग में है। इस वर्ष जनवरी में जीएन कॉन्वेंट स्कूल के 16 बच्चे राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रम जयपुर में भाग लेने गए थे और वहां विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किए। वहीं भारत स्काउट गाइड झारखंड राज्य के द्वारा विभिन्न हिस्सों में ट्रैकिंग सह नेचर कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है जहां शामिल बच्चों को नेचर स्टडी कराने के अलावे जीवन को विकट परिस्थितियों में संभाल कर रखने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। विद्यालय प्रबंधन के साथ-साथ सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं, शिक्षकेत्तर और अभिभावकों ने शुभकामनाएं दीं।

रंका प्रखंड क्षेत्र में मंत्री के सौजन्य से डीप बोरिंग करा कर लगाये जा रहे चापाकल

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। रंका प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में गर्मी के मौसम में उत्पन्न पेयजल संकट के मद्देनजर झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री सह गढ़वा विधायक मिथिलेश कुमार ठाकुर के सौजन्य से धड़ल्ले से डीप बोरिंग कर चापाकल लगाए जा रहे हैं।

बोरिंग के साथ चापाकल लगाने से ग्रामीणों को पानी के बिना हो रही परेशानी से निजात मिल सकेगी। इस गर्मी के मौसम में खासकर ऐसी जगहों में जहां के लोग नदी नालों पर आश्रित हैं और नदी नाला सूख जाने के बाद भी लोग पानी के अभाव में अन्यत्र पलायन करने को मजबूर थे, वैसी जगहों पर झामुमो पंचायत कमेटी के द्वारा चिन्हित करके मंत्री के सौजन्य से बोरिंग कराकर पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

इस कार्य के लिए समस्त प्रखंड वासियों की ओर से मंत्री मिथिलेश ठाकुर को बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया जा रहा है।

पंचायत चुनाव में पुलिस से हथियार लूट मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

मेराल (आजाद सिपाही)। पंचायत चुनाव में सुरक्षाकर्मी के साथ की गई मारपीट एवं आर्म्स लूटने के मामले में अप्राथमिकी अभियुक्त गौतम कुमार उर्फ गौतम कुमार भारती 20 वर्ष, पिता रामब्यास राम को थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक थाना क्षेत्र के बसरिया गांव का रहने वाला है। जरूरी कार्रवाई के बाद रविवार को उसे न्यायिक हिरासत में गढ़वा भेज दिया है। बता दें कि उक्त कांड में कई आरोपियों के विरुद्ध मेराल थाना में आर्म्स एक्ट सहित भादवी की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज है। इसके पूर्व भी कई आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

टेंपो पलटने से आठ लोग गंभीर रूप से घायल

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। भवनाथपुर-केतार मुख्य पथ के सिंघीताली तिकोनिया मोड़ के समीप रविवार को एक पालतू जानवर को बचाने के क्रम में टेंपो पलटने से उस पर सवार आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को गांव के ग्रामीण रविरंजन चौबे व मनीष चौबे के द्वारा दूसरे टेंपो से भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया गया। पुलिस को सूचना मिलने पर थाना प्रभारी रामेश्वर उपाध्याय दल बल के साथ घटनास्थल पहुंच कर टेंपो को जब्त करते हुए थाना ले आये। जबकि चालक फरार बताया जा रहा है। सभी टेंपो पर सवार लोग केतार से शादी समारोह से वापस आ रहे थे। सभी घायलों को चिकित्सक कमल सैनी एवं प्रियंका कुमारी के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। घायलों में ओमप्रकाश गुप्ता चपरी, संगीता देवी पति उपेंद्र पाल, सुभम कुमार, राहुल कुमार, संगीता देवी, अनिता देवी, सुनीता देवी के नाम शामिल हैं। जबकि गम्भीर रूप से घायल सुनीता देवी को गढ़वा रेफर किया गया है।

दुर्घटना में एक बच्ची समेत तीन लोग घायल

रमना (आजाद सिपाही)। रमना-डंडई मुख्य सड़क चुन्दी गांव में टेंपो व मोटर साइकिल की टक्कर में एक बच्ची समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए गढ़वा भेजा गया। घायलों में धुरकी थाना क्षेत्र के अंबाखोरया निवासी जसवंत सिंह, उत्तरप्रदेश के विंढमगंज थाना क्षेत्र के धुरमा गांव निवासी हरिशंकर प्रसाद के पत्नी सुनीता देवी तथा छह वर्षीय आकृति कुमारी पिता जय प्रकाश के नाम शामिल हैं। खबर के अनुसार डंडई निवासी बिफन ठाकुर का पुत्र मुकेश कुमार अपनी मोटरसाइकिल से अपने घर डंडई लौट रहा था। इसी क्रम में बाइक विपरीत दिशा से आ रहे टैंपो में टकरा गयी। घटना के बाद स्थानीय पुलिस एवं ग्रामीणों की मदद से सभी को अस्पताल पहुंचाया गया।

बैठक : एआइएमआइएम की बैठक में जिला, प्रखंड, पंचायत और बूथ स्तर तक सभी कमेटियों को मजबूत करने का निर्णय

विभिन्न दलों के दर्जनों लोगों ने ली एआइएमआइएम की सदस्यता

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी संगठन को मजबूत करना ही बैठक का उद्देश्य है : हाजी नसीरुद्दीन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिले में ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन पार्टी के पदाधिकारियों ने अपने सभी कार्यकर्ताओं के साथ जिला कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक की गयी। बैठक में सर्वसम्मति से आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन पार्टी के गढ़वा एवं पलामू जिले के संपूर्ण कार्यकर्ताओं ने जिला, प्रखंड, पंचायत एवं बूथ स्तर तक सभी कमेटियों को मजबूत करने पर जोर दिया। गौरतलब है कि इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला इकाई गढ़वा एवं जिला इकाई पलामू के सभी पदाधिकारी एवं नेतागण शत प्रतिशत उपस्थित रहे। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता हाजी नसीरुद्दीन ने की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने एवं पार्टी के ढांचा को मजबूत करना ही लक्ष्य बताया गया। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन पार्टी की विचारधारा से प्रेरित होकर विभिन्न दलों के दर्जनों लोगों ने ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर पार्टी में शामिल हुए।

बैठक में उपस्थित सभी नेता और कार्यकर्ताओं ने पार्टी सुप्रीमो बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी के सपनों को साकार करने के लिए संयुक्त रूप से अपनी-अपनी जिम्मेवारी निभाने की बात कही, ताकि आगामी विधानसभा में पार्टी निर्णायक स्थिति में हो और जन सरोकार के मुद्दे जो मेहनतकश, गरीब, दलित, मजदूर, किसान, बेरोजगार, अल्पसंख्यकों को पूर्व की सरकारों ने जिस तरह से सिर्फ इस्तेमाल किया है। आगामी विधानसभा चुनाव में ऐसे वादाखिलाफी करने वाली पार्टियों को आम जनता सबक सिखाएगी।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन पार्टी के गढ़वा रंका विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी डॉ एमएन खान ने केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस तरह से झारखंड में खनिज संपदा की लूट जारी है। भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। केंद्र की मोदी सरकार महंगाई पर लगाम लगाने में विफल रही है। वहीं राज्य की हेमंत सरकार भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नाकामयाब है। आम गरीब जनता टुकटुकी लगाए सिर्फ देख रही है और इंतजार कर रही है। आगामी विधानसभा चुनाव में इस बार जनता मुंहतोड़ जवाब देगी। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन गरीब, दलित, शोषित, वंचित, बेरोजगारों को लेकर आम आवाम के बीच निकम्मी सरकार की मंशा के खिलाफ लोगों को जागरूक करेगी।

मौके पर जिला अध्यक्ष सत्येंद्र बैठा, विश्रामपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अशर्फी राम, अब्दुल शकूर अंसारी, मोहम्मद रमजान अंसारी, मुजाहिम अंसारी, कोषाध्यक्ष इफ्तिखार खान, मोहम्मद आसिफ मंसूरी, मजहर हुसैन अंसारी, मोहम्मद जुबेर अंसारी, मजीद अंसारी, खुशिदल अंसारी, रामा कुमार, संदीप कुमार, कमेश कुमार सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

रंका गिदियाही नदी शिव मंदिर की छठवीं वर्षगांठ हर्षोल्लास संपन्न

ठकुराई रामपाल सिंह की स्मृति में की गयी हनुमान जी की मूर्ति की स्थापना

मंत्री मिथिलेश की ओर से किया गया 11 हजार रुपये का सहयोग

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। रंका अनुमंडल मुख्यालय के गिदियाही नदी शिव मंदिर की छठवीं वर्षगांठ बैसाख पूर्णिमा को हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष नितेश कुमार सिंह के पिता स्व. ठकुराई रामपाल सिंह की स्मृति में हनुमान जी की मूर्ति नितेश कुमार सिंह के प्रतिनिधियों के द्वारा स्थापित की गयी।

इस अवसर पर झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री सह गढ़वा विधायक मिथिलेश कुमार ठाकुर के सौजन्य से 11 हजार रुपये का सहयोग मंदिर के सेवईत रमेश राम को युवा प्रखंड अध्यक्ष दीपक कुमार सोनी के द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर आचार्य भोलानाथ पांडेय के द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत पूजा-अर्चना की गयी। इस अवसर पर दिन में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु भंडारे का प्रसाद ग्रहण किये। वहीं रात्रि में दूगोला सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

दूगोला कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सोनदाग पंचायत की मुखिया रीमा देवी, भाजपा नेता डॉ अलख निरंजन सिन्हा के द्वारा किया गया। जिसमें तमगेकला रंका के व्यास राजेंद्र लोहरा एवं गोबरदाहा रमकंडा के व्यास बाबूलाल यादव की टीम के द्वारा एक से बढ़कर एक भक्ति एवं श्रृंगार रस में संगीत प्रस्तुत कर लोगों को रातभर झूमने पर मजबूर कर दिया गया।

मौके पर विश्वनाथ पासवान, राकेश कुमार, जयनंदन यादव, भोला भैया, मनोज ठाकुर, संतोष चंद्रवंशी, रविंद्र साहू, श्याम सुंदर प्रसाद, राजेश कुमार मद्धेशिया, सुल्तानी सिंह, रमेश राम, थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा, वसंत सिंह, राजेंद्र राम, पूर्व मुखिया मालती देवी, सांसद प्रतिनिधि कमलेश नगर सिन्हा निगम साहब सहित हजारों की संख्या में श्रोता श्रद्धालु उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज भाग्यवती चानू एवं गुरुचरण ने बच्चों संग साझा किये अपने अनुभव

खूंटी (आजाद सिपाही)। सामर्थ आर्चरी अकादमी के तत्वावधान में नेताजी सुभाष चंद्र बोस विद्यालय में चल रहे आर्चरी समर कैंप के दूसरे दिन 2010 कॉमन वेल्थ गेम्स की मेडलिस्ट अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज भाग्यवाति चानू और भारतीय सेना में कार्यरत अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज गुरुचरण बेसरा भी बच्चों का मनोबल बढाने केंद्र में पहुंचे। पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाडियों से मिलकर केंद्र के तीरंदाज काफी उत्साहित नजर आए। उन्होने दोनों तीरंदाजों से कई सवाल पूछे जिनका जवाब उन्होंने मनोरंजक तरीके से दिए। दोनों अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजों ने बच्चों के साथ तीरंदाजी के अपने अनुभव साझा किये।

ममरला में अखिल भारतीय सरना समाज का सम्मान समारोह आयोजित

संस्कार-संस्कृति की रक्षा से ही होगी धर्म की रक्षा : कोचे मुंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। तोरपा के भाजपा विधायक कोचे मुंडा ने कहा कि संस्कार और संस्कृति की रक्षा से ही धर्म की रक्षा होगी। इसलिए सरना समाज को इनकी रक्षा और समाज को शिक्षित करने का बीड़ा उठाना होगा। विधायक रविवार को अपने पैतृक गांव ममरला में अखिल भारतीय सरना समाज के सम्मान समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षित समाज ही लोगों को सामाजिक कुरतियों और बुराइयों से बचा सकता है। विधायक ने कहा कि सरना समाज को अपने अधिकार को पाने के लिए एकजुट और सशक्त होना पड़ेगा। मौके पर सरना समाज के कई गणमानय लोगों को सरना समाज के विकास में उनके योगदान के लिए अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पानेवालों में जापुद गांव के पाड़हा राजा सनिका मुंडा, चंपाबाहा के सनिका पाहन, रेड़ा मुंडा, गुड़िया मुंडा, डॉ सोमा मुंडा, गिदराय डोडराय, सिंघा पाहन,, सेलाय गुड़िया, पुष्पा आईद, हिंगुवा गुड़िया, एतवा पाहन, एतवा पाहन, कलिया मुंडा, मांगू मुंडा, गोपाल धान मुंडा, गंदौरी गुड़िया, बालाती भेंगरा और प्रताप गुड़िया शामिल हैं। कार्यकम का संचालन विनोद धान और घासीराय मुंडा ने किया। मौके पर भाजपा के जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता, तोरपा मंडल अध्यक्ष पुरेंद्र मांझी, आनंद राम आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर विधायक कोचे मुडा ने गांव के पाहनों के साथ ममरला गांव में विधायक मद से निर्मित कला एवं सांस्कृतिक भवन के दूसरे तल्ले का फीता काटकर उद्घाटन भी किया। विधायक ने कहा कि सांस्कृतिक भवन के दूसरे तल्ले का निर्माण होने से ममरला सहित आसपास के गाव के लोगों को सांस्कृतिक और अन्य कायर्कमों के आयोजन में सहूलियत होगी।

गणमान्य लोगों को सम्मानित करते विधायक कोचे मुंडा।

महत्वपूर्ण न्यूज

आजीविका महिला ग्राम संगठन की बैठक में छूटे हुए परिवार को समूह से जोड़ने का लिया निर्णय

तमाड़ (आजाद सिपाही)। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में प्रखंड के मारधान पंचायत अंतर्गत चिरुडीह आजिविका महिला ग्राम संगठन, मारधान आजिविका महिला ग्राम संगठन एवं रडगांव ग्राम पंचायत के राड़गांव आजिविका महिला ग्राम संगठन की ओर से रविवार को वार्षिक आम सभा आयोजित किया गया। जिसमें छूटे हुए परिवार को समूह में जोड़ने और सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ ही सखी मंडल, ग्राम संगठन का नियमित बैठक करने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक रामकृष्ण महतो, जे एस एल पीएस तमाड़, धन्या सीड्स के क्षेत्र प्रबंधक गौतम महतो, मुखिया राज किशोर सिंह मुंडा, मुखिया दुर्गा उरांव राडगांव, पीआरपी निर्मला कुमारी, सरिता कुमारी, लेखापाल सुनीता देवी ,बीआरपी दिलीप कुमार महतो, अनंत महतो और सखी मंडल के सैकड़ों दीदीयां उपस्थित हुए।

बुंडू के रांची-टाटा रोड एदलहातू टोल प्लाजा में हुआ एंबुलेंस का शुभारंभ

तमाड़ (आजाद सिपाही)। बुंडू के रांची टाटा रोड -33 एदलहातु टॉल प्लाजा में रविवार को विधिवत पूजा पाठ कर 1033 निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा का शुभारंभ किया गया। जिसके उद्घाटन के दौरान 1033 एम्बुलेंस के जिला प्रबंधक अशोक राणा ने कहा कि नेशनल हाईवे में किसी भी तरह की दुर्घटना होने पर इस सेवा का सीधा लाभ जनता को निःशुल्क मिलेगा। राणा ने बताया कि इस सेवा का संचालन जिकित्जा हेल्थ केयर की ओर से किया जाएगा, जो इस क्षेत्र में पहली बार निःशुल्क 1033 एम्बुलेंस सेवा होगी। एम्बुलेंस सेवा का शुभारंभ होने पर आम लोगों को दिक्कतें नहीं होगी।

कांड्रा-रांची के बीच रेल मार्ग का साफ हुआ रास्ता

तमाड़ (आजाद सिपाही)। कांड्रा-रांची के बीच रेल मार्ग का रास्ता साफ हो गया है। इसके लिए राशि स्वीकृत हो गई है। एनएच-33 के किनारे रेल लाइन बिछेगी। इससे इन गांवों को फायदा होगा भारतीय रेल कांड्रा-नामकुम (रांची-टाटा) रेल लाइन परियोजना को पूरा करने के लिए दक्षिण-पूर्व रेलवे की ओर से रेल मंत्रालय को भेजी गई अनुमानित बजट स्वीकृत भी हो गई है। कांड्रा-नामकुम रेल मार्ग के बीच की दूरी लगभग 106 किलोमीटर होगी। इन दोनों स्टेशनों के बीच रेलवे लाइन बिछाने में करीब 2 हजार 850 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। राशि स्वीकृत होने के बाद इस रेल लाइन के लिए टेंडर निकाला जाएगा। इसके बाद रेल लाइन बनने की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। कांड्रा-नामकुम (रांची-टाटा) रेल लाइन की बीच छह स्टेशन प्रस्तावित हैं, जिनमें पलगम, रडगांव, तमाड़, बुंडू, और उलिडीह,शामिल हैं। प्रस्तावित स्टेशनों पर फुट ओवरब्रिज भी बनाए जाएंगे। तमाड़ सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन होगा। इस रेल लाइन का काम जल्द ही शुरू होने वाला है। जल्द ही टेंडर प्रक्रिया कराई जाएगी। सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा-'मैं शुरू से ही संसद में इसकी मांग करता रहा हूं। इसके बनने से सैकड़ों ऐसे गांव लाभान्वित होंगे, जो अब तक रेल सुविधा से वंचित हैं। मैंने रेल मंत्री आश्वस्त किया है कि इस मार्ग में यात्री की कमी नहीं होगी। अब तमाड बुडू के लोगों को ट्रेन चढ़ने का सपना जल्द पूरा होगा।

बुंडू में लगनेवाले जाम से लोग हुए परेशान

बुंडू (आजाद सिपाही)। जाम जाम जाम बुंडू नगर क्षेत्र में जाम की समस्या आम होते जा रही है। लोग सड़कों पर ही अतिक्रमण कर दुकान लगा देते है। धुरूआ मोड़ से काली मंदिर तक हमेशा जाम लगी रहती है ओवर ब्रिज के नीचे ठेले व खोमचे वाले दुकान लगाकर जाम कर देते है कार वालो को कार घुसाना सामत आ जाता है। बुंडू बस स्टैंड में खड़ा रहना भी मुश्किल हो जाता है। रिक्सा व टोटो बिरसा चौक को घेरे रखते है। दुकानदारों के पास अपनी पार्किंग स्थल नहीं रहने से लोगों के सामने अपनी गाड़ियों और बाइक को रास्ते पर ही लगाना मजबूरी हो जाती है। मुख्य सड़क पर ही अनुमंडलीय अस्पताल भी है जहां से मरीजों को बेहतर इलाज के लिए रिम्स भेजा जाता है। ऐसी जाम की स्थिति में मरीजों की जान पर खतरा रहता है पुलिस तमाशा देखती रहती है।

न्यू उदयन पब्लिक स्कूल में प्रबंधन समिति का गठन

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के न्यू उदयन पब्लिक स्कूल कल्याणपुर में निदेशक मनोज चंद्रा की अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक की गई। जिसमें विद्यालय के सफल संचालन एवं विकास को लेकर नये प्रबंधन समिति के गठन को लेकर कमेटी का विस्तार किया गया। जिसमें प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अब्दुल अंसारी, उपाध्यक्ष मोहम्मद इब्राहीम, शकील अंसारी, बिशुनदेव उरांव, फैय्याज खान, टेकलाल महतो, सचिव महेंद्र गंझू एंव सलीम जावेद, सह सचिव महेश विश्वकर्मा, मोहम्मद साकीर, इरफान आलम, कोषाध्यक्ष खुर्शीद अंसारी, संरक्षक इदरीस अंसारी, मो असलम एवं रीना कुमारी, सलाहकार डॉ पंकज, बंधु प्रजापति, कारीनाथ, मीडिया प्रभारी मासुम रजा,याकुब अली को बनाया गया।

बुंडू में माकपा का शहीद मेला नौ मई को

तमाड़ (आजाद सिपाही)। बुंडू के ताउ मैदान में माकपा की ओर से नौ मई को शहीद मेला का आयोजन किया जाएगा। इसकी तैयारी जोर शोर से की जा रही है। बुंडू-तमाड़, अड़की, सोनाहातू, राहे, सिल्ली और मुरी इलाको को पोस्टर व बैनर से पाट दिया गया है। पाटी द्वारा 69 शहीदों की यादों में इसका आयोजन किया जाता है। इसकी जानकारी माकपा के राज्य कमेटी सदस्य सुरेश मुंडा ने दी। बताया कि 9 मई को अनुमंडल कार्यालय से रैली निकालकर हजारों हजार लोग ताउ मैदान पहुंचेंगे। मुख्य वक्ता माकपा के प्रदेश सचिव प्रकाश विप्लव, अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय वित्त सचिव पीकृष्णा प्रसाद, किसान सभा के प्रदेश अध्यक्ष सुफल महतो और ओडिशा के विधायक लक्ष्मण मुंडा व जिला सचिव सुखनाथ लोहरा आदि होंगें।

एनके जीएम ने किया रोहिणी परियोजना का दौरा परियोजना विस्तारीकरण को लेकर दिये कई निर्देश

रैयतों के साथ बैठक कर सहयोग करने की अपील की

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। रोहिणी परियोजना विस्तारीकरण को लेकर जीएम संजय कुमार ने रविवार को परियोजना का दौरा किया। जीएम परियोजना कार्यालय में सर्वे विभाग गए और परियोजना विस्तारीकरण को लेकर पदाधिकारी एवं सर्वे अधिकारियों से जानकारी ली। सर्वे अधिकारियों की ओर से महाप्रबंधक को विस्तारीकरण को लेकर जमीन के मामले से अवगत कराया गया। महाप्रबंधक ने विस्तारीकरण को लेकर भी अधिकारियों को कई दिशा निर्देश दिया। इसके बाद जीएम और परियोजना पदाधिकारी दिलीप कुमार सिंह ने हॉल में तुमांग ढुब पेटपेट के रैयत विस्थापित के साथ बैठक की। जिसमें महाप्रबंधक ने कहा कि अभी परियोजना के पास खदान चलाने के लिए जमीन नहीं है। वर्तमान में जो 17 हेक्टेयर जमीन है जिसमें आगे विस्तारीकरण होना है उसमें कई घर है जिन्हें मुआवजा एवं पुनर्वास दिया जाएगा। महाप्रबंधक ने विस्थापितों से सहयोग करने का आग्रह किया। वहीं विस्थापितों ने भी कहा कि रैयत विस्थापित भी प्रबंधन को सहयोग करने के लिए तैयार लेकिन ढुब पेटपेट के रैयत विस्थापितों की जो मुआवजा पुनर्वास, रोजगार आदि की मांग है उसे प्रबंधन गंभीरता से पहल करें। महाप्रबंधक, पीओ सहित रैयत विस्थापित प्रतिनिधि परियोजना कार्यालय के पीछे स्थित स्थल का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने कहा कि एरिया चिन्हित करने के लिए पिलर देने का अधिकारियों को निर्देश दिया है। परियोजना विस्तारीकरण स्थल का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक एवं पीओ ने बिजली सब स्टेशन के समीप पुनर्वास स्थल बनाने को लेकर निरीक्षण कर नक्शा के माध्यम से जमीन की वस्तुस्थिति से अवगत हुए। इस मौके पर खान प्रबंधक दीपक कुमार, संदीप लिंडा, आभाष त्रिपाठी, सर्वे अधिकारी सतपाल सिंह तथा रैयत विस्थापित मुकद्दर कुमार, अमृत भोगता, लहसन भोगता, आरवीएम उपाध्यक्ष नरेश गंझू, रामलखन गंझू, शिवनाथ भोगता, रिझु गंझू, छोटन भोगता, लालमणि भोगता, सुरेंद्र गंझू, सोनू कुमार, कैला गंझू सहित कई लोग मौजूद थे।

परियोजना विस्तारीकरण को लेकर नक्शा देखते जीएम संजय कुमार।

पुरनाडीह परियोजना के कांटा नंबर एक में गोलीबारी के बाद एसआइएसएफ की तैनाती

घटना के बाद से मैथन पावर लिमिटेड का कोयला ढुलाई बंद

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। सीसीएल एनके एरिया के पुरनाडीह परियोजना के कांटा नंबर एक में शनिवार को हुई गोलीबारी की घटना के बाद राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल (एसआईएसएफ) को स्टैटिक तैनात कर दी गयी है। इससे पूर्व एसआईएसएफ गश्ती किया करती थी। मालूम हो कि शानिवार को दिन दहाड़े बाइख से आए अज्ञात अपराधियों ने कोयला कारोबारी के सहयोगी विनोद गिरि को गोली मार दी थी। पिपरवार पुलिस अपराधियों को पकड़ने के लिए लगातार छापामारी कर रही है। वहीं प्राप्त सुरागों के आधार पर तकनीक सेल की सहायता भी ली जा रही है। बता दें कि एनके एरिया की पुरनाडीह परियोजना को छोड़ सभी जगह सीआईएसएफ की तैनाती है। पुरनाडीह परियोजना की सुरक्षा के लिए राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल को तैनात किया गया है। औद्योगिक कारीडोर में नक्सलियों के बढ़ते प्रभाव को लेकर सीआइएसएफ की तर्ज पर एसआइएसएफ का गठन किया गया था। इधर, मैथन पावर लिमिटेड का कोयला ढुलाई अभी भी बंद है। विनोद गिरि एमपीएल के कोयला ढुलाई में ही काम कर रहा था। रविवार सुबह रिम्स में आपरेशन कर उसके शरीर से गोली निकाल दिया गया है। अब वह खतरे से बाहर है।

सरना धर्म सोतो समिति की दो दिवसीय सरना धर्म प्रार्थना सभा का समापन

सभी धर्मो का आधार और संरक्षक है सरना धर्मः विधायक जिगा मुंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। मुरहू में सरना धर्म सोतो समिति के केंद्र डोंगड़ा के 13वें स्थापना दिवस पर आयोजित दो दिवसीय सरना धर्म प्रार्थना सभा रविवार को संपन्न हो गया। इस अवसर पर धर्मगुरु सोमा कंडीर, धर्मगुरु बगरय मुंडा और धर्मगुरु भैयाराम ओड़ेया की अगुवाई में अनुयायियों के साथ सरना स्थल पर भगवान सिंगबोंगा का पूजा-पाठ कर सुख, शांति और खुशहाली की कामना की और पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अथिति के तौर पर सिसई के विधायक जिगा सुसारन होरो और विशिष्ट अथिति राजी पड़हा सरना प्राथना सभा के महासचिव रवि तिग्गा व जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया मौजूद थे। विधायक ने कहा कि सरना प्रकृति पर आधारित मानव सभ्यता का प्रचीनतम धर्म है। यह सभी धर्मों का आधार और संरक्षका है। सरना धर्म का अपनी धार्मिक विधि-विधान, बहुमूल्य जीवन शैली, दर्शन तथा आदर्श है, जिसमें लाखों लोगों की धार्मिक आस्था है, लेकिन राजनीतिक महत्वाकांक्षा के कारण सरकारें सरना धर्म कोड और आदिवासी अधिकारों के प्रति उदासीन है। सरना धर्म कोड के अभाव से न केवल आदिवासियों की धार्मिक एवं सामाजिक एकता टूटी है, बल्कि हम धर्मांतरण जैसी पीड़ा वर्षों से झेलने को मजबूर हैं। धर्मांतरण के कारण आदिवासियों के धार्मिक तथा सामाजिक व्यवस्था कमजोर हो रही है और हमारा अस्तित्व व अस्मिता विलुप्त होती जा रही है। उन्होंने कहा कि सरना, जायर, देशाउलि, मसना, जतरा स्थल नष्ट किया जा रहा है। हम सरकार से मांग करते हैं कि आदिवासी समाज एवं संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के लिए आदिवासी अधिकार सख्ती से लागू हो। वहीं, रवि तिग्गा ने कहा कि सिंगबोंगा की स्तुति से मानव जीवन में भक्ति व श्रद्धा बढ़ती है। कार्यक्रम में धर्मगुरु दुर्गावती ओडेया, मादु बरला, बंटी ओडेया, सनिका बोदरा, सुकरा तिर्की, जमुना मुंडू, बुधराम सिंह मुंडा, करमू हेमरोम, मादु कंडीर, मथुरा कंडीर, सोमा मुंडा, दुर्गा कच्छप सलीम मुंडा, बेला मुंडरी, मधियाना धान, बिरसिंह ओड़ेया, सुगना पहान, सोमा हेंबरोम, कानू हेंबरोम, कोलय ओड़ेया, सिनु सोय, किशुन राय मुंडा, सुनिया नाग आदि ने विचार रखे। समारोह में खूंटी, रांची, मुरहू, बंदगांव, अड़की, कोचांग, बिरबांकी तथा आसपास के गांवों के सरना धर्मावलंबी शामिल हुए।

अड़की के बारीगाड़ा गांव में झूलन पर्व का आयोजन

अड़की (आजाद सिपाही) प्रखंड के सारगेया पंचायत अंतर्गत बारीगाडा गांव में रविवार को छऊ नृत्य और झुलन पर्व का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्रीय मंत्री सह खूंटी सांसद अर्जुन मुंडा की ओर से सांसद प्रतिनिधि अनुप कुमार साहू द्वारा मेला समिति को सहयोग राशि दिया गया। वहीं, लोगों ने मेले का खूब आनंद लिया। छऊ में एक से बढ़कर एक नृत्य पेश किया गया। इस अवसर पर मुखिया जयंती देवी, कालीचरण मुंडा, सागर मुंडा, राम सिंह मुंडा, अरविंद आदि उपस्थित थे।

संकुल स्तरीय सेवक सारथी कार्यशाला का आयोजन

खलारी (आजाद सिपाही)। डकरा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में रविवार को संकुल स्तरीय सेवक-सेविका, चालक-उपचालक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसकी शुरूआत सेवक-सेविकाओं द्वारा सरस्वती माता, ओम एवं भारत माता की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित, पुष्पार्चन एवं वंदना कर किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में रांची विभाग निरीक्षक फणींद्रनाथ झा उपस्थित थे। वहीं अतिथि परिचय पिपरवार के प्रधानाचार्य अभिमन्यु पासवान ने कराया। प्रतिभागी परिचय मैकलुस्कीगंज प्रधानाचार्य लखन लाल गुप्ता ने कराया। कार्यशाला के दौरान स्थानीय विद्यालय के प्रधानाचार्य गोपाल मिस्त्री विश्वकर्मा ने कहा कि आप अपने सभी कार्यों और कर्तव्यों का निर्वहन सही समय एवं ठीक तरीके से करते हैं जिस कारण से विद्यालय का विकास संभव हो पाता है। वहीं, फणीन्द्रनाथ झा ने अपने उद्बोधन में सेवक-सेविकाओं के कर्तव्यों का बोध कराते हुए कहा कि आपके कार्य से विद्यालय के सभी छोटे से बड़े कार्य संपन्न होता है। इसलिए आप मनोयोग से कार्य करें। इसके बाद चर्चात्मक सत्र में सभी प्रतिभागी अपने अनुभव कथन को रखा। कार्यशाला के समापन सत्र में संकुल संयोजक महोदय अवधेश सिंह के द्वारा सभी प्रतिभागियों को मार्गदर्शन करते हुए कहा कि आप सभी विद्यालय के आधार हैं जिस कारण आपका कार्य ईष्वरीय कार्य हैं। आशीष वचन विद्यालय के सचिव लोकनाथ राणा के द्वारा दिया गया। अंत में कार्यशाला का समापन जिछु शर्मा ने शांति मंत्र के साथ किया।

मुखिया दीपमाला कुमारी ने बड़कीटांड़ में चलाया जागरूकता अभियान

खलारी (आजाद सिपाही)। स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के तहत रविवार को विश्रामपुर पंचायत के पंचायत सचिवालय भवन से जागरूकता स्वच्छता अभियान विश्रामपुर पंचायत की मुखिया दीपमाला कुमारी के नेतृत्व में चलाया गया। जिसमें पंचायत के मुखिया, उपमुखिया, वार्ड सदस्य, जल सहिया, आंगनबाड़ी सेविका, बीएलओ एवं ग्रामीण मौजूद थे। स्वच्छता अभियान पंचायत सचिवालय की साफ-सफाई के बाद बड़कीटांड़ के गली-मोहल्ला, आम सड़क व शौचालय के पास साफ-सफाई की गई। साथ ही बड़कीटांड़ में भ्रमण कर स्वच्छता का संदेश दिया। मुखिया दीपमाला ने कहा कि इस अभियान के तहत पंचायत के सभी गांव, टोले और मोहल्ले में जाकर साफ-सफाई के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसके अलावा शौचालय की साफ-सफाई, खुले में शौच जाने के बजाय शौचालय का प्रयोग करना, बाहर कचड़ा फेकना, प्लास्टिक का संग्रहण, जल संरक्षण, वृक्षारोपण आदि जानकारी देने का कार्य किया जा रहा है। इस अभियान में मालती कुमारी, सरिता देवी, चिंता देवी, बालेश्वर गंझू, कृष्णा नायक, रेशमा देवी, मीना कुमारी, मनिता देवी, सुनीता देवी, निर्मला देवी, झरीनाथ गंझू, हीरा देवी, सोहबतिया देवी, ज्योति देवी राम प्रसाद गंझू आदि शामिल थे।

मंडा पूजा हमारी समृद्ध संस्कृति व परंपरा की पहचानः संतोष

खूंटी (आजाद सिपाही)। तोरपा प्रखंड के डोड़मा में सात दिवसीय मंडा पूजा झूलन के साथ रविवार को संपन्न हुआ। महादेव मंडा पूजा समिति डोड़मा द्वारा गांव में हर वर्ष भव्य मंडा पूजा का आयोजन किया जाता है। शनिवार की रात फूलखुंदी में सैकड़ों भोक्ताओं ने जलते अंगारे पर चलकर देवाधिदेव महादेव के प्रति अपनी भक्ति भ्और निष्ठा का परिचय दिया। बाद में भक्ति जागरण, सांस्कृतिक कार्यक्रम और छऊ नृत्य का आयोजन किया गया। रविवार को सुबह स्थानीय नदी से भोक्ताओं ने स्नान कर साथ मे महिला व पुरुष शिवभक्त की टोली नाचते झूमते महादेव मंडा परिसर पहूंच कर झूलन अनुष्ठान पूरा किया। भोक्ताओं को उप प्रमुख संतोष कर और दिलीप महतो ने अंग वस्त्र देकर समान्नित किया। संतोष कर ने कहा कि मंडा पूजा हमारी समृद्ध संस्कृति व परंपरा की पहचान है। सभी धार्मिक अनुष्ठान कपिल नाथ कर और शशि कर ने संपन्न कराए। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंडा पूजा समिति डोड़मा के अध्यक्ष रामकिशोर, सचिव अनन्त मांझी कोषाध्यक्ष भास्कर कर, सदस्य जितेंद्र कर, ध्रुव कर संदीप कर, सौरभ कर, अंकित कर, नरेश कर, आकाश कर, प्रह्लाद महतो, नंद किशोर, सुनील आदि ने योगदान दिया।

नगड़ी प्रखंड के केसारो गांव में भोक्ताओं के झूलन के साथ मंडा पूजा संपन्न

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। प्रखंड के केसारो गांव में रविवार को शिव मंडा पूजा दर्जनों भोक्ताओं के झूलन के साथ ही संपन्न हो गया। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हटिया विधायक नवीन जायसवाल ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि शिव मंडा पूजा पिछले 77 सालों से केसारो गांव में मन रहा है। शिव मंडा पूजा जो धार्मिक पवित्रता का प्रतीक है। यह पर्व सरना सनातन का अटूट आस्था और विश्वास का पर्व है। इससे पूर्व शनिवार को गोसाईं ने विधि-विधान से घुआं-सुवां तथा फुलखुंदी कार्यक्रम कराया। मौके पर मंडा पूजा को सफल बनाने में मंडा पूजा समिति के अध्यक्ष नगड़ी प्रखंड प्रमुख मदुवा कच्छप उर्फ मधु कच्छप, एड़चोरो पंचायत के मुखिया सामाजिक कार्यकर्ता परना खलखो, विकास कच्छप, समाजसेवी बजरंग कच्छप, सुनील कच्छप, शिवम गोप, घसिया कच्छप, कृष्णा गोप, विकास कच्छप, प्रवीण तिर्की, रोशन मिंज, सुरज कच्छप, सुनील मिंज, लक्की गोप, अमन उरांव, छोटू कच्छप, अंकित कुजूर, निशांत कच्छप, विवेक कच्छप, सोनु मिंज, करन टोप्पो, संजय खलखो, आकाश कुजूर, अनुराग कुजुर, प्रकाश कुजूर, पवन तिर्की, महावीर कच्छप, संजय कच्छप और दशरथ लकड़ा सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

मयुरी महिला समिति ने आनंदशीला विद्यालय होस्टल को दिया सीलिंग पंखा व बच्चों के बीच किया पठन सामग्री का वितरण

खलारी (आजाद सिपाही)। सीसीएल अर्पिता महिला मंडल के मार्गदर्शन में मयुरी महिला समिति एनके एरिया द्वारा रविवार को चामा पंचायत के आनंदषीला विद्यालय होस्टल में समारोह आयोजन कर 09 सीलिंग पंखा होस्टल को प्रदान किया गया। इसके साथ समौके पर उपस्थित मयुरी महिला समिति की सदस्यों ने विद्यालय के सभी बच्चों को कॉपी, पेंसिल बॉक्स और मिठाई भी वितरण किया। वहीं कार्यक्रम के अंत मे बच्चों और टीचर्स के साथ मयुरी महिला समिति के सदस्यों ने सामूहिक भोजन किया। कार्यक्रम में मयूरी महिल समिति की अध्यक्षा इंदु कुमारी, खगेस्वरी साहू, शिला सिंह, तारा चैधरी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

आंगनबाडी वर्कर्स यूनियन खूंटी जिला समिति का सम्मेलन आयोजित

खूंटी (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रदेश आंगनबाडी वर्कर्स यूनियन खूंटी जिला समिति का एक दिवसीय सम्मेलन रविवार को सैलेश्वरी भवन में यूनियन की जिला अध्यक्ष रंजीता देवी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। मौके पर 27 अप्रैल को दिल्ली के जन्तर-मन्तर में हुए धरना-प्रदर्शन की समीक्षा की गई। कहा गया कि पहली बार झारखंड की आंगनबाडी सेविका-सहायिका के हित की बात करने वाले संगठन के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन किया गया, जिसमे खूंटी जिले की अग्रणी की भूमिका रही। सम्मेलन में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि महंगाई को देखते हुए पोषाहार की राशि वर्त्तमान बाजार दर के हिसाब से दी जाए, सेवानिवृत्त सेविका सहायिका को हरियाणा की तर्ज पर एक मुस्त राशि देते हुए आजीवन पेंशन दी जाए। मौके पर जिला संयोजक अनिल भगत का स्वागत किया गया। मौके पर यूनियन की सचिव जयवंती नाग, कोषाध्यक्ष बसन्ती बारला, पंचमी देवी, सरिता मांझी, पुष्पा भुईया, बिरन पूर्ति, अलमा टुटी, धनमनी देवी, गुड्डी देवी, प्रभा बाखला, पुडंगी पूर्ति सहित जिले के सभी प्रखंड की सेविका-सहायिका उपस्थित थीं।

मारवाड़ी युवा मंच के शिविर में 39 लोगों ने किया रक्तदान

खूंटी (आजाद सिपाही)। मारवाड़ी युवा मंच खूंटी नगर शाखा के तत्वावधान में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन राजस्थान भवन में मंच की सहयोगी संस्थान सेवा सदन रांची और सदर असपताल खूटी के सहयोग से किया गया। शिविर का उद्घाटन श्रीपाल जैन मारवाड़ी युवा मंच के संस्थापक अध्यक्ष और पूर्व अध्यक्ष उदय लाल भला ने किया। रांची सेवा सदन से आए डॉ अनिर्बन सान्याल जी ने कहा कि रक्तदान कें लिए जागरुकता की जरूरत है। रक्तदान को महादान इसलिए कहा गया है क्योंकि इससे जीवन की सुरक्षा होती है और विज्ञान की प्रगति के बावजूद इसको कोई विकल्प नहीं है। खूंटी के सदर अस्पताल के डॉ पीके रॉय ने रक्तदान से होनेवाले लाभ के बारे में बताया और कार्यक्रम में आए लोगों को जागरूक किया। शिविर में खूंटी नगर पंचायत अध्यक्ष अर्जुन पाहन ने भी रक्तदान किया। उन्होंने ने कहा कि यह उनका आंठवा रक्तदान हैं और वे हमेशा इसके प्रति समर्पित रहे हैं। शिविर में 39 लोगो ने रक्तदान किया, जिन्हें स्मृति चिह्न देकर सम्मानिक किया। सेवा सदन की टीम ने मंच को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विनय अग्रवाल, रक्तदान संयोजक विशाल जैन, अध्यक्ष अंकित जैन, सचिव मुकुल पीपुरिया, मीडिया प्रभारी संदीप पीपुरिया, प्रवीण जैन, संजय जैन, राजेश जैन, बंटी जैन, पराग जैन, रोशन जगनानी, राजेश सरावगी, अशोक जैन, आशीष जैन, आशीष अग्रवाल, श्वेता भाला, प्रियंका जैन, शिल्पी अग्रवाल, सिमरन जैन, निक्की जैन, रिंकू जैन, स्वाति जैन, सहित कई लोगों ने योगदान दिया।

पांच युवकों ने अर्द्धविक्षिप्त नाबालिग छात्रा के साथ किया सामूहिक दुष्कर्म

- पुलिस ने एक युवक को किया गिरफ्तार
- रातू रवि स्टील बृंदावन कॉलोनी की है घटना

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र के रवि स्टील वृंदावन कॉलोनी में एक 14 वर्षीय अर्द्धविक्षिप्त छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के मुताबिक पांच युवकों ने छात्रा को अकेले देख दबोच लिया और सुनसान जगह पर ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दे फरार हो गये। घटना शानिवार शाम की बताई जा रही है। पीड़ित छात्रा दुसरे दिन रविवार की सुबह 8 बजे घर पहुंची व परिजनों को अपनी आपबीती सुनाई। मामले को लेकर छात्रा की मां ने रातू थाने में चार नामजद व एक अज्ञात युवक के खिलाफ पोस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कराई है। सामूहिक दुष्कर्म की जानकारी मिलते ही पुलिस ने छात्रा की निशानदेही पर रवि स्टील निवासी अनिल कुमार के 22 वर्षीय पुत्र आशुतोष कुमार को गिरफ्तार कर लिया। युवक ने पूछताछ में पुलिस को चार अन्य युवकों का भी नाम बताया जिसमें रवि स्टील के रहने वाले अंकुर सिंह, ललितग्राम निवासी अंकुर सिंह, सूरज व अंकुर का एक दोस्त शामिल है।

शाम से ही छात्रा को ढूंढ रहे थे परिजन थाने को भी दी गयी थी सूचना

छात्रा स्कूल में पढ़ाई करती है। वह मानसिक तौर ओर थोड़ी कमजोर है। परिजन उसका इलाज कांके में करा रहे हैं। शनिवार की दोपहर 2 बजे छात्रा स्कूल से लौटने के उपरान्त वृंदावन कॉलोनी 2 नंबर रोड की ओर घूमने चली गयी। परिजन रात भर उसकी तलाश करते रहे परन्तु छात्रा का कुछ पता नहीं चल पाया। परिजनों ने छात्रा की लापता की सूचना रात को पुलिस को दी। रविवार सुबह 8 बजे छात्रा बदहवास हालत में अपने घर की ओर आती दिखी। पूछताछ में उसने दुष्कर्म की बात परिजनों को बताई। कॉलोनी के लोग व परिजन घटनास्थल पहुंचे तो वहां एक युवक को छात्रा ने पहचान लिया। वहीं अन्य युवक फरार हो गये। पुलिस युवक आशुतोष कुमार को गिरफ्तार कर अन्य युवकों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

नगड़ी प्रखंड के टुंढूल गांव में मंडा पूजा का आयोजन 9-10 मई को

अध्यक्ष कमलेश ओहदार | कार्यकारी अध्यक्ष महावीर नायक | महामंत्री अनिल मुंडा | कोषाध्यक्ष सुजीत महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगड़ी। प्रखंड के टुण्ढूल गांव में रविवार को मंडा टांड़ में मंडा पूजा को लेकर ग्रामीणों की बैठक समाजसेवी महावीर महतो की अध्यक्षता की गयी। बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 09 मई को लोटन सेवा, फुलखुंदी, छऊ नृत्य और 10 मई को झूलन मेला और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। बैठक में मंडा पूजा को सफल बनाने के लिए संचालन समिति का गठन किया गया। जिसमें संरक्षक के रूप में भोलानाथ ओहदार, शंकर महतो, कार्तिक महतो, कहिनीमा ओहदार, महावीर महतो, दशरथ महतो, वहीं सर्वसम्मति से अध्यक्ष के रूप में कमलेश ओहदार, कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में महावीर नायक, महासचिव अनिल मुंडा और कोषाध्यक्ष के रूप में सुजीत महतो का चयन किया गया। वहीं सचिन महतो, लोकेश महतो, देवेंद्र ओहदार, नवीन महतो, महेश महतो सहित 51 लोगों को कार्यकारी सदस्य के रूप में चयन किया गया है।

मंडा पूजा को सफल बनाने को लेकर संचालन समिति का किया गया गठन

सिकिदिरी में नवागढ़ गांव के अर्द्धनिर्मित शिव मंदिर निर्माण के लिए आगे आये मोहसिन खान

आजाद सिपाही संवाददाता

सिकिदिरी। नवागढ़ गांव में आज रविवार के दिन शिवमंदिर निर्माण समिति की बैठक मंदिर परिसर के धुमकुड़िया भवन में मानकी कामख्या नारायण शाही की अध्यक्षता में की गई। विदित हो कि यह शिव मंदिर इस क्षेत्र का सबसे पुराना मंदिर में से है। लोगों को विश्वास है कि यहां भोलेनाथ के भक्त सच्चे मन से जो भी मन्नत मांगते हैं उनकी मनोकामना पूर्ण हो जाती है। बैठक में विशेष रूप से आजसू पार्टी केन्द्रीय सदस्य सह समाजसेवी मोहसीन खान उपस्थित थे। साथ में जिला परिषद सदस्य अनगड़ा पूर्वी राजेन्द्र शाही मुण्डा भी शामिल थे। मो. खान बैठक में लोगों के विचार से काफी प्रभावित हुए। उन्होंने लोगों के समक्ष घोषणा की कि मंदिर निर्माण कार्य में आर्थिक सहयोग करूंगा। मंदिर निर्माण कार्य की शुरुआत कर रहे हैं तो पूरा भी करेंगे। बैठक का संचालन दिलीप कुमार मिर्धा के द्वारा किया गया।

बैठक में भुवनेश्वर बेदिया, मुखिया नवागढ़, प्रदीप महतो, नरेन्द्रनाथ बेदिया, रमिज खान, फयाज खान, समीम खान, संजय उपाध्याय, कमलेश करमाली, अनिल हजाम, रामदेव पाण्डेय, भरत पाण्डेय, कमल मिर्धा, रोबट गोसाईं, भुवन शाही, विदाधरदास गोस्वामी, दिनेश रजक, कपिल सिंह, शिवचरण मिर्धा, कुणाल पाण्डेय, एवं अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

घर में आग लगने से हजारों के सामान जल कर राख

खूंटी (आजाद सिपाही)। तोरपा थाना क्षेत्र के तेलीटोली के एक खपरैल मकान में रविवार को अचानक आग लग गई। घनी आबादी वाले क्षेत्र में लगी आग से आसपास लोग भयभीत हो गये। तेली टोला से मस्जिद गली वाले पथ पर गणेश साहू के मकान पर लगी आग से सब कुछ जल कर खाख हो गया। हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन घर रखी जरूरत की हर चीज जलकर नष्ट हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एक कमरे में आग लगने के बाद उस पर काबू पा लिया, अन्यथा दूसरे कमरे में भी आग लग सकती थी। पुलिस ने घटनास्थल पर जाकर मामले की जांच की।

कुल्ली जंगल में एक हाथी 24 घंटे से एक पेड़ के सहारे घायल अवस्था में खड़ा है

इटकी (आजाद सिपाही)। वन विभाग के अधिकारियों की लापरवाही से प्रखंड के कुल्ली जंगल में एक हाथी करीब 24 घंटे से एक पेड़ के सहारे घायल अवस्था में खड़ा है। डर से ग्रामीण उसके समीप नहीं फटक रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार हाथी घायल स्थिति में है। इधर सूचना पर पहुंचे वनपाल मनोज कुमार व वनरक्षी विकास कुमार सिंह का कहना है कि हाथी किसी कारणवश कमजोर हो गया है। इस कारण वह चलने से लाचार है एवं पेड़ के बल पर खड़ा है। हाथी की सुरक्षा के लिये वनकर्मियों की तैनाती कर दी गयी है। ज्ञात हो कि कुल्ली व आसपास के जंगलों में करीब दर्जन भर हाथी अपना स्थायी अड्डा बना चुके हैं। भोजन की तलाश में हाथी जंगल से निकल कर बस्ती में प्रवेश करते हैं व घरों में रखे अनाज सहित खेतों में लगी फसलों को अपना भोजन बनाते हैं।

आस्था : श्री शिवेश्वर संकट मोचन हनुमान मंदिर की पहली वर्षगांठ धूमधाम से मनायी गयी

501 महिलाओं ने निकाली भव्य कलश यात्रा

शाम में शिव शक्ति जागरण ग्रुप आर्केस्ट्रा का किया गया आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। प्रखंड के बरगावां पंचायत में रविवार को नवयुवक संघ पूजा समिति बरगावां के बैनर तले श्री शिवेश्वर संकट मोचन हनुमान मंदिर की पहली वर्षगांठ धूमधाम से मनायी गयी। इस अवसर पर भाजपा नेता मनोज सिंह की अध्यक्षता में 501 महिलाओं द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गयी। कलश यात्रा मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर सपाही नदी पहुंची। जहां पुरोहित रामानंद पांडेय द्वारा वैदिक मंत्रोचार करते हुये कलश पूजन कराकर कलश में जल भरवाया गया। कलश यात्रा में महिलाओं ने गांव का भ्रमण करते हुये टाटा रोड से देवी मंडप पहुंचकर कलश रखा। इस दौरान श्रद्धालु जयश्री राम, जय बजरंगबली के उदघोष के साथ चल रहे थे।

श्रद्धालुओं के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया था। मंदिर में प्रसाद का वितरण किया गया। वहीं, शाम सात बजे से शिव शक्ति जागरण ग्रुप द्वारा आर्केस्ट्रा का भी आयोजन किया गया था। जिनकी गीतों पर भक्त देर रात तक झूमते नजर आये। मौके पर पंचायत की मुखिया अनीता तिर्की, भाजपा नेत्री आरती कुजूर, भाजपा नेता उमेश बड़ाईक, अंजली लकड़ा मुख्य रूप से उपस्थित थी। कलश यात्रा को सफल बनाने में कृष्णा गोप, शंकर पांडेय, विमल कुमार, राजू गोप, प्रदीप सिंह, सुरेन सिंह, उमेश गोप, बिरेन सिंह, किशोर गोप आदि लोगों का अहम योगदान रहा।

महत्वपूर्ण न्यूज

स्वच्छ भारत मिशन के तहत अभियान चलाकर दी गयी स्वच्छता की जानकारी

नामकुम (आजाद सिपाही)। चतरा पंचायत अंतर्गत साकेत नगर जैप-2 में रविवार को स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया। मौके पर उपस्थित चतरा पंचायत के पूर्व मुखिया सोहन मुंडा ने कहा कि स्वच्छता से ही सुंदर गांव व सुंदर शरीर की कल्पना की जा सकती है। स्वच्छता जीवन की सबसे आवश्यक पहलू है। उन्होंने लोगों को सामुदायिक स्तर पर स्वच्छ रहने और लोगों को जागरुक करने की बात कही। इस मौके पर अनगड़ा उपप्रमुख जयपाल हजाम, मुखिया डोली मुंडा, उपमुखिया रमेश कुमार, प्रधान किस्टो कुजूर, पूर्व मुखिया सोहन मुंडा, स्वास्थ्य सहिया बेबी देवी, जल सहिया मंजु देवी, वार्ड सदस्य संजय महली, समाजसेवी राजेश मिश्रा, सुमित्रा देवी, माला देवी, यामिनी देवी, ब्रजेश मिश्रा आदि उपस्थित थे।

हरिहरपुर जामटोली पंचायत मुखिया ने किया नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के हरिहरपुर जामटोली पंचायत के हरहंजी गांव में 15वें वित्त से बनने वाले दो अलग-अलग नाली निर्माण का शिलान्यास पंचायत के मुखिया लक्ष्मी कोया व ग्राम प्रधान रामप्रसाद लोहरा ने संयुक्त रूप से विधिवत पूजा अर्चना व नारियल फोड़ कर किया। मौके पर मुखिया ने कहा कि अपने पंचायत क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने में लगी हूं। समाज के हर क्षेत्र में हर तबके का विकास करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। गांव में नाली का पानी सड़क पर बहता था। लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नाली का निर्माण करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नाली बनने से यहां के ग्रामीणों व आवागमन करने वाले सभी लोगों को अब राहत मिलेगी। मौके पर पूर्व मुखिया सुनील कच्छप,महाकाल लोहरा,विकास उरांव लखन,लोहरा मोहन, लोहरा बंधना लोहरा, विशेश्वर हजाम शिवनारायण गोप, टिकु सिंह देवनारायण गोप, भीम गोप, बिंदु देवी, गोइंदी उराईन सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

भाजपा अजा मोर्चा के जिला मंत्री सह सांसद प्रतिनिधि ने 47 महिलाओं के बीच चूल्हा का किया वितरण

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला मंत्री सह सांसद प्रतिनिधि अशोक नायक ने रविवार को क्षेत्र में 47 महिलाओं के बीच कोर कार्बन लकड़ी चूल्हा का वितरण किया। इस क्रम में उन्होंने ठाकुरगाव के गुरुगाई तथा हरिजन टोला में चूल्हा बांटा। मौके पर अशोक नायक ने कहा कि जल्द ही अन्य गांवों में भी ऐसे धुआंरहित चूल्हा बांटा जाएगा। विदित हो कि अबतक 1000 पीस चूल्हा वितरण किया गया है। मौके पर रामकुमार दुबे, श्याम गुप्ता, अभय कुमार, पंकज कुमार, कुंजन देवी, रूबी देवी समेत अन्य मौजूद थे।

जमीअतुल इराकीन कमेटी देही इलाका का चुनाव संपन्न, सेक्रेट्री बने परवेज आलम

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के डांड़कंडरिया गांव में रविवार को जमीअतुल इराकीन कमिटि देही इलाका का बैठक कर नये कमिटि का चुनाव किया गया। बैठक में एराकी बेरादरी के समाजिक,राजनैतिक व शैक्षणिक स्थिती पर विचार निर्मश किया गया। वही बैठक में शादी विवाह में फिजुलखर्ची रोकने, बारात में कम से कम लोगों को शामिल करने की बात की गई। सरकार से एराकी जाति को बीसी वन का दर्जा देने की मांग की गई। वहीं बैठक में पूर्व के कमिटि को भंग कर नये कमिटि का चुनाव किया गया।जिसमें सदर जावेद अख्तर, सेक्रेट्री परवेज आलम, नाइब सदर मोहम्मद खुर्शीद, नाइब सेक्रेट्री मुर्तजा हसन और खजांची मोहम्मद जाहीद को चुना गया। कमेटी के नवनिर्वाचित पदाधिकारीयों ने कहा कि समाज के किसी भी समस्या के समाधान के लिए हमेशा खड़े रहेंगे। बैठक में मो क्यूम मो खलिल अफरोज आलम मुमताज, नईम शमसेर तबरेज नुमान इम्तेयाज व मनान आलम सहित कई लोग शामिल थे।

सुंदरकांड का सस्वर पाठ का आयोजन

इटकी (आजाद सिपाही)। केसरी नया तालाब स्थित रूद्र महाकाल शिव मंदिर का रविवार को वार्षिक उत्सव मनाया गया। मौके पर पूजा अर्चना व शिव चर्चा के अलावा सुंदर कांड का सामूहिक सस्वर पाठ किया गया। महिलाओं द्वारा आयोजित शिव चर्चा में भगवान शिव के कल्याणकारी कार्यों की चर्चा की गयी। कार्यक्रम का आयोजन राजकरण शिव मंदिर से जुड़े सदस्यों के द्वारा किया जा रहा है।

आरोपित परिवार समेत फरार, अनहोनी की आशंका से परिजनों का रो -रोकर बुरा हाल

15 वर्षीय किशोर तीन दिनों से लापता पड़ोसी पर अपहरण करने का आरोप

विगत दिनों मामूली विवाद पर दिया था जान से मारने की धमकी, किशोर की तलाश नहीं कर पाने से पुलिस के खिलाफ ग्रामीणों में आक्रोश

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। रेहला थाना क्षेत्र के भोलाटांड रक्साहा गांव से एक किशोर पिछले तीन दिनों से लापता है। परिजनों ने पड़ोस के रहने वाले विकाश चौधरी उर्फ बादशाह नामक व्यक्ति पर अपहरण करने का आरोप लगाते हुए रेहला थाने में मामला दर्ज कराया है। इसके बाद पुलिस नाबालिक की तलाश में जुट गई है। जानकारी के अनुसार भोलाटांड निवासी जिबराइल अंसारी का पुत्र शाहिद अंसारी (15) विगत चार मई की रात को गांव के ही एक बारात में शामिल होने गया था। इसके बाद वह घर वापस नहीं आया। सभी संभावित जगह खोजबीन के बाद परिजनों ने रेहला थाने में मामला दर्ज कराया। उनका आरोप है कि घर के बगल का ही विकास चौधरी उर्फ बादशाह ने मामूली विवाद के बाद शाहिद अंसारी को कुछ दिनों पहले ही जान से मारने की धमकी दी थी। बादशाह ने ही शाहिद का अपहरण किया है। इसी बीच छह मई की रात से बादशाह अपने पूरे परिवार के साथ घर छोड़कर फरार हो गया है। इसके बाद से ही परिजन किसी अनहोनी की आशंका से सशंकित हैं। वहीं किशोर की मां का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस शाहिद की तलास में लगी हुई है। लेकिन पुलिस को अभी तक सफलता नहीं मिली है। तीन दिन बीत जाने के बाद भी शाहिद का कोई सुराग नहीं मिलने से ग्रामीण आक्रोशित हैं।

नाबालिक लड़ने के लापता होने के बाद रोते बिलखते परिजन।

विश्रामपुर के जिला पार्षद को टीपीसी के नाम पर मिली जान से मारने की धमकी

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। विश्रामपुर के जिला पार्षद विजय रविदास को 893569930 नंबर से फोन कर जान से मारने की धमकी दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस बाबत विजय रविदास ने रेहला थाना में मामला भी दर्ज कराया है। विजय रविदास ने बताया कि फोन करने वाले ने खुद को टीपीसी का सदस्य बता रहा था। यहां बताते चलें कि उक्त नंबर से फोन कर पहले भी भंडार पंचायत के कई लोगों को धमकियां दी गई थी। जिसकी शिकायत भी पूर्व में पुलिस से की गई है। एक बार फिर धमकी मिलने के बाद रेहला पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

ट्रेन के धक्के से मजदूर घायल, हालत गंभीर

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। पूर्व मध्य रेलवे के जपला रेलवे स्टेशन के दातानगर के समीप रेलवे लाइन पार करने के दौरान ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी पहचान मुन्ना पासवान (30) के रूप में हुई है। वह बेतिया जिले के मझौलिया थाना क्षेत्र के राजाभार गांव का रहने वाला है। मुन्ना ने बताया कि वह अशोका विल्डर्स कंपनी के माध्यम से रेलवे में काम करता है। वहीं, घायल मुन्ना को ग्रामीणों के सहयोग से रविवार को हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति को गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर एमएमसीएच रेफर कर दिया है।

वुशु खिलाड़ी पूर्णिमा लिंडा ने मास्को में जीता कांस्य पदक

मास्को में चल रही मॉस्को स्टार इंटरनेशनल वुशु प्रतियोगिता में रांची की बेटी ने मान बढ़ाया। वुशु खिलाड़ी पूर्णिमा लिंडा ने रविवार को कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। यह प्रतियोगिता दो से आठ मई तक मॉस्को में आयोजित है। बताते चलें कि पिछले दिनों मेरठ में आयोजित सिलेक्शन ट्रायल के आधार पर पूर्णिमा लिंडा का भारतीय दल में चयन हुआ था।

अब आधे दाम में चार धामयात्रा करायेगा घूमानेवाला डाट काम : उज्ज्वल सिन्हा

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर की टूर एंड ट्रैवल कंपनी घूमानेवाला डॉट कॉम की तरफ से एक बार फिर चार धाम की यात्रा कराई जा रही है। इसके लिए मात्र 14 हजार रुपए में रहना, खाना-पीना सहित वातानुकूलित बस से बनारस काशी विश्वनाथ मंदिर होते हुए हरिद्वार, ऋषिकेश, गंगोत्री, यमुनोत्री, बद्रीनाथ, केदारनाथ, सोनप्रयाग, बासुकी ताल झील, लक्ष्मी नारायण मंदिर, गौरी कुंड, भैरव नाथ मंदिर, रुद्र गुफा आदि और भी कई दार्शनिक स्थानों के दर्शन कराएगी। वहीं वापसी में दिल्ली, आगरा, मथुरा और बृंदावन भी घुमायेगी। गाड़ी 14 मई को पलामू के डाल्टनगंज स्थित थाना रोड से खुलेगी। कंपनी के हेड उज्जवल सिन्हा ने बताया कि इस बार कंपनी अपने यात्रियों को एक बहुत ही सुनहरा ऑफर दे रही है। जिसमें यात्रियों में सबसे बुजुर्ग दंपति को आधे दाम में यात्रा कराई जायेगी। वहीं, नवविवाहित जोड़े को भी तीन हजार रुपए तक की छूट दी जाएगी। रजिस्ट्रेशन चालू हो चुका है।उन्होंने बताया कि टिकट 12 मई तक ही दिया जाएगा। बताते चले की पिछले साल कंपनी की तरफ से देवघर की यात्रा कराई गई थी और इस बार फिर सावन के महीने में देवघर की यात्रा कराई जायेगी वो भी मात्र 2100 रुपए में।

जरूरतमंदों की आस बनती मिशन समृद्धि संस्था

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। मिशन समृद्धि संस्था की ओर से संचालित समृद्धि की रोटी अभियान निरंतर जारी है। कभी -कभी समाज के बीच इस नेक कार्य को हम नहीं ला पाते जिससे रोटी देने वाले परिवार अपनी ओर से दिए गए भोजन का वितरण नहीं देख पाते। लेकिन उनकी निष्ठा प्रबल है जिसके बदौलत रोटी अभियान कभी रुकता नहीं। शनिवार को अंबेडकर पार्क के सामने दोना पत्तल दातून बेचने वालों और शनि मंदिर के आसपास भोजन का वितरण किया गया। भोजन देने वाले परिवारों का अभिनंदन है। इस कार्य में सहयोग देने वाले सदस्य भी धन्यवाद के पात्र हैं जो इस कार्य के लिए कभी थकते नहीं। बेबी पांडेय, श्वेता पांडेय, बैजंती गुप्ता, वीणा गुप्ता, रंजीता, वंदना श्रीवास्तव, शैलेंद्र कुमार, ऋषि कुमार के सराहनीय योगदान के लिए धन्यवाद दिया गया।

भीतिहारा में महाराज जरासंध की प्रतिमा का हुआ अनावरण

प्रतिमा का अनावरण करते अतिथिगण।

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। विश्रामपुर प्रखंड अन्तर्गत सिग्सिगी पंचायत के भीतिहारा गांव स्थित जरासंघ भवन में रविवार को समारोह पूर्वक महाराज जरासंघ की प्रतिमा स्थापित की गयी। प्रतिमा का अनावरण विधायक पुत्र सह अखिल भारतवर्षीय क्षत्रिय चंद्रवंशी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने विशेष पूजा-अर्चना के बाद किया। सिगसिगी के भीतिहारा में स्थित नवनिर्मित जरासंघ भवन में पूरे विधि-विधान से धर्मिक अनुष्ठानों के बीच महाराज जरासंघ की प्रतिमा को स्थापित किया गया। डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने कहा कि भगवान जरासंघ ने समाज,धर्म व देश हित के लिये जो किया है वह हम सब कभी नहीं भूलना चाहिए। भगवान जरासंघ का मानना था कि जब समाज मजबूत होगा तो ही राष्ट्र का पूर्ण विकास हो पायेगा। उनके बताये मार्गो पर चलना ही सच्ची मानव सेवा है। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी विनय चंद्रवंशी ने डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी सहित कई अतिथियों को अंगवस्त्र व माला पहनाकर स्वागत किया। मौके पर वरीय भाजपा नेता भोला चंद्रवंशी, विधायक के प्रखंड प्रतिनिधि पंकज कुमार लाल, उदय चंद्रवंशी, जितेंद्र चंद्रवंशी, रामचंद्र चंद्रवंशी, मनोज चंद्रवंशी, मनोहर पासवान, भाजपा युवामंडल अध्यक्ष अनुज चौधरी सहित चंद्रवंशी समाज के कई लोग मौजूद थे।

बराही धाम के सर्वांगीण विकास के लिए होगा सार्थक प्रयास : डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

पलामू। जिले के हुसैनाबाद प्रखंड अंतर्गत बराही धाम में शिवांश चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव रविवार को भंडारा और सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। सुबह मंदिर परिसर से एक शोभा यात्रा भी निकाली गई। जिसमें भारी संख्या मे लोग शामिल हुए। इसमें झारखंड के रामगढ़ से तासा बैंड, दर्जनों घोड़ा आकर्षण का केंद्र रहा। शोभा यात्रा मे शामिल लोगों ने दंगवार मे पहुंचकर भारत वर्ष के महान संत श्री श्री 1008 त्रिदंडी स्वामी के पाद सेवक जगद्गुरु श्री सुंदरराज स्वामी जी महाराज जी का भव्य स्वागत किया। स्वागत के बाद शोभा यात्रा पुनः बराही धाम परिसर पहुंचा। मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन औरंगाबाद सांसद सुशील सिंह, धनबाद के समाजसेवी सत्य प्रकाश सिंह, पलामू जिला उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से किया। शिवांश चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष आरके सिंह ने उन्हें बराही धाम स्थित बजरंगबली का फोटो और अंग वस्त्र भेंट की। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में बराही धाम की पहचान विश्व पटल पर होगी। मौके पर पूर्व विधायक संजय सिंह यादव, भाजपा नेता बिनोद कुमार सिंह, अरबिंद कुमार सिंह, अशोक सिंह, कामेश्वर कुशवाहा, कर्नल संजय सिंह, रविंद्र कुमार सिंह उर्फ बब्लू सिंह, समाजसेवी कुश कुमार सिंह उर्फ मिंटू सिंह, सतेंद्र कुमार सिंह, धनंजय कुमार सिंह, प्रखंड प्रमुख राज कुमारी देवी,प्रिंस कुमार सिंह, बिहार झारखंड के मशहुर स्टेज ऐंकर रवि कुमार सिंह, टूनटुन सिंह, मुखिया सुदामा यादव, श्रवण राम, छोटू सिंह आदि मौजूद थे।

दूसरी ओर, हुसैनाबाद की पावन भूमि बराही धाम में आयोजित प्रथम वार्षिक उत्सव समारोह में पलामू के डीसी आंजनेयुलु दोडे धाम पहुंचे। इसके बाद उन्होंने धाम परिसर में बने मंदिरों में जा कर पूजा अर्चना की। और धाम परिसर मे बने 105 फिट दक्षिणमुखी हनुमान जी का प्रतिमा को देखा। कहा कि पलामू जिला के साथ ही बराही धाम झारखंड का गौरव है। उन्होंने कहा कि इस धाम परिसर को बेहतर बनाने और इसके सर्वांगीण विकास के लिए हर संभव प्रयास किया जायेगा। मौके पर धाम कार्यालय मे पलामू डीसी को सुंदरराज स्वामी जी महाराज ने उन्हें अंग वस्त्र वा बराही धाम बजरंगबली की फोटो भेंट की। मौके पर ज़िप उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टुटु सिंह, आ. के. सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, अयोध्या सिंह , प्रिंस सिंह व शिवांश चैरिटेबल ट्रस्ट व उत्सव समिति के पदाधिकारी मौजूद थे।

अरुणा शंकर ने किया शगुन आटोमोबाइल का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर की प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने आनंद ऑटोबाइक्स के नए ब्रांच के रूप में शगुन ऑटोमोबाइल सगुना मोर पाटन का रविवार को उद्घाटन किया। कहा कि अब पलामू के प्रखंड भी सुविधा युक्त होता जा रहा है. जल्द हर प्रखंड में बाइक के अलावे बड़ी गाड़ियों का भी शोरूम खुलने लगेगा। प्रथम महापौर ने कहा कि गांव की क्रय शक्ति बढ़ी है। जहां लोग साइकिल का इस्तेमाल करते थे आज वहां बाइक खरीद कर इस्तेमाल करने लगे हैं। वह दिन भी दूर नहीं की बड़े शहरों के तर्ज पर बड़ी गाड़ियां भी प्रखंड में मिलने लगेंगी। महापौर ने बताया हीरो ब्रांड देश का सर्वाधिक लोकप्रिय एवं विश्वसनीय ब्रांड के साथ युवाओं की धड़कन होने के चलते आज गांव गांव में इसकी मांग बढ़ गई है और प्रखंड स्तर पर शोरूम और वर्कशॉप खुलने से गाड़ी को सर्विस कराने या खरीदने में लगने वाले समय की बचत के साथ शहर आने जाने से छुटकारा मिलेगा। साथ ही समय पर गाड़ियों की सर्विस होंगी। प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने शगुन ऑटोमोबाइल के मालिक रवि रंजन पाठक एवं उनके परिवार को बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामना दी। इस अवसर पर पूर्व जिला परिषद सदस्य मुक्तेश्वर पांडे, सगुना की मुखिया मंजू देवी, केलहार की मुखिया जैनुल सिद्दीकी, समाजसेवी रंजीत सिंह, जितेंद्र सिंह एवं काफी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

शोरुम का उद्घाटन करती प्रथम महापौर अरुणा शंकर व अन्य

स्पोर्ट्स

फिंडिंग चैंपिनय गुजरात टाइटंस ने रविवार को लखनऊ सुपरजायंट्स को 56 रन से हरा दिया। इसके साथ ही प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम भी बन गयी। गुजरात ने पहले खेलते हुए दो विकेट खोकर 227 रन बनाए। जवाब में लखनऊ 171 रन ही बना सकी।

प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम भी बनी गुजरात : गिल ने खेली 94 रन की विस्फोटक पारी

गुजरात टाइटंस ने लखनऊ सुपरजायंट्स को 56 रनो से हराया

एजेंसी

अहमदाबाद। डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के प्लेऑफ में प्रवेश कर लिया है। टीम मौजूदा सीजन के प्लेऑफ में जगह बनाने वाली पहली टीम भी बन गई है। हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली गुजरात की टीम ने रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए 51वें मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स को 56 रन से हराया। यह गुजरात की लखनऊ पर लगातार चौथी जीत है। इस सीजन में गुजरात ने 8वीं जीत हासिल की है। अब टीम के 16 अंक हो गए हैं। बतातें चलें कि लखनऊ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में दो विकेट पर ही 227 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। जवाब में लखनऊ के बल्लेबाज 20 ओवर में सात विकेट पर 171 रन ही बना सके। मैच के शुरूआती ओवर्स लखनऊ के गेंदबाज गुजरात की ओपनिंग साझेदारी तोड़ने में नाकाम रहे। टीम को 13वें ओवर में पहली सफलता मिली, तब तक गिल-साहा की जोड़ी 142 रन बना चुकी थी। यहां से काफी फर्क पड़ा। गुजरात ने इस साझेदारी के दम पर 200 प्लस का स्कोर खड़ा किया। जवाब में लखनऊ की शुरूआत भी अच्छी रही, लेकिन टीम का मिडिल ऑर्डर इस शुरूआत को आगे भुना नहीं सका। पहले खेलने उतरी गुजरात के ओपनर शुभमन गिल ने नाबाद 94 और ऋद्धिमान साहा ने 81 रन बनाए। मोहसिन और आवेश को एक-एक विकेट मिला। जवाब में डिकॉक ने 70 और काइल मेयर्स ने 48 रन बनाए। आयुष बडोनी ने 21 रन जोड़े। वहीं, मोहित शर्मा ने चार विकेट चटकाए। मोहम्मद शमी, राशिद खान और नूर अहमद को एक-एक विकेट मिला।

आईपीएल में पहली बार दो भाइयों ने एक दूसरे के खिलाफ की कप्तानी, टॉस के दौरान भावुक हुए हार्दिक पांड्या

मेयर्स और डिकॉक ने दी लखनऊ को मजबूत शुरूआत

228 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की टीम ने शानदार शुरूआत की। कायेल मेयर्स और क्विंटन डिकॉक ने टीम को मजबूत शुरूआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 8.2 ओवर में 88 रन की साझेदारी की। मेयर्स 32 गेंद पर 48 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और दो छक्के लगाए। मेयर्स के आउट होने के बाद डिकॉक एक छोर पर टिके रहे। दूसरे छोर पर किसी बल्लेबाज ने उनका साथ नहीं दिया। डिकॉक 16वें ओवर में आउट हुए। उन्होंने 41 गेंद पर 70 रन बनाए। डिकॉक ने सात चौके और तीन छक्के लगाए।

लखनऊ से तेज रहे गुजराती ओपनर्स

मुकाबले के दोनों पावरप्ले में कोई विकेट नहीं गिरा, लेकिन 6 ओवर के मुकाबले में गुजराती ओपनर्स लखनऊ से तेज रहे। लखनऊ ने 6 ओवर में 72 रन जोड़े, जबकि गुजरात ने 78 रन बनाए।

18 मई को स्थापित होगी बाबू वीर कुंवर सिंह की नवनिर्मित प्रतिमा

झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री को किया गया आमंत्रित

आजाद सिपाही संवाददाता

उंटारी रोड/पलामू। प्रखंड के पांडेयपुरा ग्राम में स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह का नवनिर्मित प्रतिमा का अनावरण किया जाना है। जिसमें झारखंड सरकार के मंत्री पेजल एवं स्वच्छता सह गढ़वा विधायक मिथिलेश ठाकुर को स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह की नवनिर्मित प्रतिमा का अनावरण में निमंत्रण पत्र दिया गया। जिसकी जानकारी कमेटी ने मीडिया को दिया। बाबू वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा स्थापित 18 मई दिन गुरुवार को रखा गया है। एवं रात्री में कार्यक्रम का भी प्रबंध किया गया है। यह जानकारी कमेटी के सदस्य ने दिया। कमिटी में धनंजय तिवारी, रिंकू सिंह, मोहम्मद शमीम, प्रभु सिंह, मीडिया प्रभारी लवकुश सिंह, नवनीत पांडेय, बैजू नाथ सिंह, व्यवस्थापक सत्येन्द्र गुप्ता और शनी जायसवाल सहित कई लोग शामिल हैं।

दशहत में परिवार : झरिया थाने में आवेदन देकर लगायी सुरक्षा देने की गुहार

गैंगस्टर प्रिंस खान ने दी रंजीत हत्याकांड के मुख्य गवाह को जान से मार देने की धमकी

विगत दिनों वासेपुर में हुई गोलीकांड के बाद से ही है दहशत

आजाद सिपाही संवाददाता

खुद को प्रिंस खान का खास मेजर बताकर वाट्सएप पर धमकाया

थाने में आवेदन देने पहुंचा पीड़ित।

प्रिंस खान की फाइल फोटो।

धनसार/झरिया। गैंगस्टर प्रिंस खान की ओर से चर्चित रंजीत सिंह हत्याकांड के मुख्य गवाह मुन्ना खान को जान से मारने की धमकी दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। कोयरीबांध निवासी मुन्ना खान ने इस बाबत रविवार को झरिया थाना में लिखित शिकायत भी की है। पुलिस को दिए आवेदन में मुन्ना खान ने विभिन्न आपराधिक कांडों में फरार वासेपुर के चर्चित गैंगस्टर प्रिंस खान और उसके गुर्गे मेजर से जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई है। उसने बताया कि शनिवार की शाम 5.14 बजे उसके मोबाइल फोन पर एक नंबर से वाट्सएप मैसेज आया। मैसेज करने वाले ने कहा कि वो छोटे सरकार उर्फ प्रिंस खान का शूटर मेजर बोल रहा है। रंजीत सिंह हत्याकांड में यदि तुमने गवाही दी, तो गोली मार देंगे। तुम्हारा भी नाम सूची में है। वहीं, मैसेज आने के बाद से मुन्ना और उसका परिवार दहशत में है। पीड़ित मुन्ना खान ने कहा कि वह रंजीत सिंह हत्याकांड का चश्मदीद गवाह है। इसलिए उसे जान से मारने की बराबर धमकियां मिल रही है। अगर उसके साथ कोई अप्रिय घटना घटती है, तो इसका जिम्मेवार प्रिंस खान और उसके तीनो भाई गोपी खान, बंटी खान और गोडविन खान होंगे। उधर, शिकायत मिलने के बाद झरिया पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच में जुट गई है।

अब हमें जमीन के बदले नौकरी नहीं, बल्कि हिस्सेदारी चाहिएः जयराम महतो

कहा- खतियान की लड़ाई तय करेगी युवाओं की दशा-दिशा

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। झारखंडवासियों के हित और उसके अस्तित्व की रक्षा के लिए सभी लोगों को दलगत भावना से उपर उठकर माय-माटी के मुद्दे पर एकसाथ आना होगा। 1932 खतियान के लिए 60-40 नियोजन नीति को रद्द करने एवं निजी कंपनियों में 75 फीसदी स्थानीय के लिए आरक्षण तय करने के लिए एकजुट होना होगा। झारखंड सरकार को अपनी नीति स्पष्ट करते हुए अविलंब 1932 पर आधारित स्थानीय नीति लागू करनी ही होगी। नवनिर्माण की इस लड़ाई में सभी युवाओं को आगे आना होगा, क्योंकि यह निर्णायक लड़ाई है, जो युवाओं के भविष्य और राज्य की दशा और दिशा तय करेगी। उक्त बातें झारखंडी भाषा खतियानी संघर्ष समिति की सभा में क्रांतिकारी नेता टाइगर जयराम महतो ने कही। वे रविवार को इलेक्ट्रो स्टील रोड बाधाडीह पूजा घुटु में आयोजित खतियानी महाजुटान को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 1932 खतियान को मंजूरी मिलने के साथ ही इसे लागू करना होगा। तभी झारखंडवासियों का कल्याण होगा। आज तक झारखंड में नियोजन, स्थानीय, उद्योग और विास्थापन नीति नहीं बनी, जिस कारण दूसरे प्रदेशों के लोग अवसर का लाभ ले रहे हैं। इलेक्ट्रो स्टील वेदांता में आज तक रैयतों को नियोजन नहीं मिला। तलगड़िया सहित चंदनकियारी के लोगों में ये आशा जगी थी कि अद्यौगिक विकास होगा तो पिछड़ापन दूर होगा। विकास की नई परिभाषा लिखी जायेगी, लेकिन हुआ इसके विपरीत। अगल-बगल के प्रभवित गावों के शिक्षित बेरोजगार भटक रहे हैं। उन्हें ना तो रोजगार मिला ना ही परिक्षेत्रिय विकास हुआ। केवल चिमनी का धुंआ और प्रदूषण मिला। यहां पर काम करनेवाले मजदूर को भी कंपनी अपना वर्कर नहीं मानती। ठेके पर काम करना पड़ता है। दुर्घटना के बाद मजदूरों को मुआवजा और नियोजन देना भी मुनासिब नहीं समझते। 84 गांव चला गया। पंचेत से चांडिल तक, हजारो गांव डूब गए। बेदांता इलेक्ट्रो स्टील प्लांट स्थापित हुआ, लेकिन स्थानीय लोगों को नियोजन नहीं मिला। जिसे मिला उसके साथ भेद भाव होता है। अब हमें जमीन के बदले नौकरी नहीं हिस्सेदारी चाहिये। शत प्रतिशत रोजगार व नियोजन की गारंटी चाहिये। बोकारो में 64 मौजा के 84 गांव मिट गये, लेकिन विस्तापितों को वाजिव हक नहीं मिला। जल, जंगल, जमीन, खनिज संपदा, नियोजन, रोजगार सब छीना जा रहा है। रोजगार की तलाश में लोग पड़ोसी राज्यों का रूख करते हैं। युवा अब जाग गया है। वो अपना अधिकार ले कर रहेंगे। उन्होंने कहा कि हर राज्य की अपनी विशिष्ट पहचान होती है। अपनी भाषा, संस्कृति होती है। उस राज्य की अपनी नीति होती है। नीति निर्धारण करने और उसके अनुपालन करने की पूरी छूट होती है, लेकिन झारखंड एक ऐसा प्रदेश है जहां देश के विभिन्न प्रांतों से आए लोगों को अवसर प्रदान करती है और अपने ही राज्य के मूल निवासी को दरकिनार कर देती है। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे चंदनकियारी के संयोजक जगरनाथ रजवार, अमित महतो, सुनिता देवी, पटल महतो, भूपेंद्र महतो, संतोष महतो, सखाई महतो, मनोज रजवार, मनोज महतो, मिथुन रजवार, राजकिशोर महतो, रामु महतो, गोपाल रजवार, मनिंद्र महतो, भागीरथ गोराई, लालदेव महतो, बलराम महतो, गांधीलाल महतो, हराधन महतो, भुवन महतो, भीम महतो, गयाराम शर्मा , प्रवीर महतो, अवनी महतो, भागीरथ महतो, अब्दुल, भगतु महतो, शंकर महतो, बाबूलाल महतो आदि उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

हाइवा में फंसकर 300 मीटर तक घिसटता रहा युवक

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। केंदुआ बाजार के समीप रविवार को सड़क दुर्घटना में 30 वर्षीय एक युवक की मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। मृतक की पहचान महुदा बाजार निवासी सत्य नारायण पटवारी के पुत्र धीरज पटवारी के रूप में हुई है। वह अपनी बाइक में ड्यूटी से घर लौट रहा था, तभी हादसा हुआ। जानकारी के मुताबिक धीरज अपना बाइक से सरायढेला से ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहा था। तभी केंदुआ बाजार पहुंचने पर गोलाई के समीप तेज रफ्तार खाली हाइवा ने अनियंत्रित होकर टक्कर मार दी। इस हादसे में मौके पर ही बाइक सवार धीरज की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो बाइक हाईवा के अंदर फंस गयी थी और चालक करीब 300 मीटर तक घसीटते हुए ले गया। स्थानीय लोगों के हस्तक्षेप से हाइवा चालक ने गाड़ी रोकी, जिसके बाद शव को बाहर निकाला गया। हालांकि इस दौरान मची अफता-तफरी के बीच मौके का फायदा उठाकर चालक और खलासी मौके से फरार हो गए। उधर, घटना की सूचना पाकर केंदुआ पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव की जेब में रखे आधार कार्ड से उसकी पहचान की। इसके बाद मृतक के परिजनों को सूचना दी गयी। साथ ही पुलिस ने हाइवा को भी जब्त कर लिया और उसे थाने ले गयी। शव का सोमवार को पोस्टमार्टम किया जायेगा। बतातें चलें कि मृतक अपने पीछे मां-बाप, पत्नी और एक महीने का बेटा छोड़ गया है।

धनबाद जिले में योजनाओं की नहीं दी जाती जानकारी: ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष सह जिला 20 सूत्री के उपाध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा है कि धनबाद जिले में सरकार की ओर से जो भी योजना चलाई जा रही है उसकी सूचना जिला 20 सूत्री के उपाध्यक्ष या सदस्यों को देना जिला प्रशासन उचित नहीं समझती हैं। हालांकि इस संबंध में डीसी और डीडीसी को जानकारी भी दे दी गई है, लेकिन बावजूद उसके कोई फर्क नहीं पड़ता है। विकास का कार्य का आलम यह है कि धनबाद जिले में 20 सूत्री की मीटिंग पिछले 18 महीनों से नहीं हुई है। शायद ही कोई ऐसा जिला हो जिसने 18 महीनों तक 20 सूत्री की मीटिंग नहीं कराई। पिछले दिनों जिला 20 सूत्री के उपाध्यक्ष ने डीसी को एक पत्र देकर कहा था कि यदि प्रभारी मंत्री को समय नहीं मिल पा रहा है तो उपाध्यक्ष की हैसियत से मीटिंग के लिए पत्र दी गई है इसकी सूचना झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश ठाकुर और झारखंड कांग्रेस के प्रभारी अविनाश पांडे को दे दी गई है। अभी गर्मी शुरू हो गई है। जिले में चापाकल की स्थिति 75 फीसदी खराब स्थिति में है। मुंह सूख गया है। कुछ ऐसी भी सूचना मिली है कि जिले में जो कुआं था उसको कुछ लोग ने भरा दिया है। इन सब बातों की भी जांच होनी चाहिए।

रोजगार व स्थानीयता की मांग को लेकर मासस-माले के केंद्रीय और राज्य स्तरीय नेताओं की बैठक

चिरकुंडा (आजाद सिपाही)। केंद्र सरकार की जन विरोधी नीतियों और झारखंड में रोजगार व स्थानीयता की मांग पर धारावाहिक आंदोलन तेज करने को लेकर मासस-माले के केंद्रीय व राज्य स्तरीय नेताओं के रविवार को निरसा कार्यालय में संयुक्त बैठक की। जिसकी अध्यक्षा माले के केंद्रीय कमेटी के सदस्य सह धनबाद जिला प्रभारी कॉमरेड जर्नादन प्रसाद ने किया। बैठक में केंद्र सरकार के खिलाफ एक मजबूत लाल झंडे की गोलबंदी पर जोर दिया गया। साथ ही कर्नाटक चुनाव में आचार संहिता का किए जा रहे उल्लंघन और भाजपा सांसद सह कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृज भूषण शरण के खिलाफ जंतर-मंतर पर चल रहे पहलवानों के आंदोलन में कानून से खिलवाड़ किए जाने का आरोप लगाया गया। मासस-माले नेताओं ने कहा कि पहलवानों के आंदोलन में वे उनके साथ हैं। इस मौके पर मासस के केंद्रीय महासचिव हलधर महतो, केंद्रीय सचिव बबलू महतो, धनबाद जिला अध्यक्ष बिंदा पासवान, बोकारो जिला सचिव गया राम शर्मा, माले के पोलित ब्यूरो सदस्य सह झारखंड राज्य सचिव मनोज भक्त, राज्य कमेटी सदस्य सह धनबाद जिला सचिव कार्तिक प्रसाद, राज्य कमेटी सदस्य नागेंद्र कुमार, कृष्णा सिंह और पवन महतो आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस नेता शेख गुड्डू ने अपनी ही पार्टी के जिलाध्यक्ष को कहा कमल छाप संतोष

महुदा (आजाद सिपाही)। कांग्रेस नेता शेख गुड्डू ने एक बार फिर अपनी ही पार्टी के जिलाध्यक्ष संतोष सिंह के खिलाफ हुंकार भरी। रविवार को नवागढ़ स्थित अपने आवासीय कार्यालय में प्रेसवार्ता कर कहा कि हमें कमल छाप संतोष सिंह कहने में कोई बुरायी नहीं दिख रही है। हम कांग्रेसी हैं। हम लोगों को संतोष सिंह से किसी तरह की सिर्टिफिकेट लेने की जरूरत नहीं हैं, क्योंकि उन्होंने कभी भी पार्टी के लिए एक भी वोट चुनाव में नहीं दिलवाया है। प्रेस वार्ता करने का उद्देश्य, झारखंड में रघुवर सरकार के समय से ही हमने बाघमारा विधायक का विरोध किया। वो हमारे विपक्ष पार्टी से हैं। पर कांग्रेस में रहते हुए संतोष सिंह पार्टी की नीतियों के विरुद्ध जाकर भाजपा के लिए काम करते हैं। कथित रूप से संतोष सिंह द्वारा शेख गुड्डू को पहचानने से इन्कार करने के बाद से वे (शेख गुड्डू) बेहद नाराज हैं। शेख गुड्डू ने कहा कि संतोष सिंह के खिलाफ आने वाले दिनों में सभी छह विधानसभा क्षेत्र में पार्टी कार्यालय के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। मैं संतोष सिंह ने नहीं डरता हूं। इस मौके पर कुश सिंह, राज प्रकाश सिंह, चंडी गयाली, शेख डब्ल्यू, केदार गयाली, कैलाश महतो, अनील सिंह, प्रदीप रजवार, गोल्डेन तिवारी, उमेश रजवार, सचिन गुप्ता सोनू अंसारी, गुड्डू महतो, ननकी पाशवन और विक्रम रजक आदि उपस्थित थे।

कोल इंडिया ने उत्पादन में बनाया कीर्तिमान, रिकॉर्ड 28125 करोड़ रुपये का हुआ लाभ

बैठक कर 4 रुपये प्रति शेयर लाभांश देने की अनुशंसा

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। देश की सार्वजनिक क्षेत्र की महारत्न कंपनी कोल इंडिया ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में कोयला उत्पादन में कीर्तिमान बनाया है। साथ ही कंपनी ने अपनी स्थापना के बाद पहली बार सर्वाधिक 28125 करोड़ रुपए लाभ कमाया है। इससे पूर्व वित्तीय वर्ष 2018-19 में कोल इंडिया ने 17463.01 करोड़ रुपये का लाभ कमाया था। कंपनी की यह उपलब्धि इस लिए भी खास है कि पिछले पांच वर्षों तक कोयले के मूल्य में कोई वृद्धि नहीं हुई है। वर्ष 2022-23 में कंपनी ने 703.01 एमटी (मिलियन टन) कोयला उत्पादन किया है, जो एक रिकॉर्ड है। इस बाबत कंपनी ने रविवार को एक आंकड़ा भी जारी किया है। इस बीच आधिकारिक सूत्रों की मानें तो कोल इंडिया बोर्ड की रविवार को हुई बैठक में वित्तीय वर्ष 2023 के लिए 4 रुपये प्रति शेयर लाभांश देने की अनुशंसा की गई है। जारी आंकड़े के अनुसार, कोल इंडिया को 31 मार्च 2023 तक 1,27,627.47 करोड़ रुपये बिक्री मद से प्राप्त हुए, जबकि 31 मार्च 2022 को 1,00,562.57 करोड़ रुपए प्राप्त हुए थे।

ई-नीलामी से के जरिए बढ़ा लाभ

कोयला के मूल्य में वृद्धि न करने के बाद ई-नीलामी में कोयले की मात्रा बढ़ाने से कंपनी का लाभ बढ़ा है। वर्ष 2021- 22 में कंपनी ने जहां 16 एमटी कोयले का बिक्री ई-नीलामी से की, वहीं 2022-23 में 27.65 एमटी कोयले की बिक्री ई-नीलामी से हुई है। वहीं, कोयला मजदूरों के 11वें वेतन समझौता के लिए कंपनी ने 16982.81 करोड़ का प्रवधान किया है। कंपनी को टैक्स देने के पूर्व (पीबीटी-प्रॉफिट बिफोर टैक्स) 38000.81 करोड़ का लाभ हुआ। विभिन्न मदों में 9875.87 करोड़ टैक्स देने के बाद (पीएटी-प्रॉफिट ऑफ्टर टैक्स) 28124.94 करोड़ का लाभ हुआ।

एसडीओ ने हीरापुर में 4 ट्रक में लदा अवैध बालू किया जब्त, मामला दर्ज

धनबाद (आजाद सिपाही)। अनुमंडल पदाधिकारी प्रेम कुमार तिवारी ने रविवार को हीरापुर स्थित अपने बंगले के पास खड़े अवैध बालू लदे 4 ट्रकों को जब्त कर लिया। एसडीओ के निर्देश पर अंचल पदाधिकारी प्रशांत कुमार लायक ने सदर थाना में चारों वाहनों के मालिक व चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। जानकारी के मुताबिक हीरापुर स्थित एसडीओ आवास के पास इस दिन सुबह अवैध बालू लदे चार 407 वाहन खड़े थे। इसी दौरान एसडीओ प्रेम कुमार तिवारी अपने बंगले से बाहर निकले। उन्हें देखते ही चारों वाहनों के चालक अपनी-अपनी गाड़ियां वहीं खड़ी छोड़ कर भाग गए। इसके बाद एसडीओ ने चारों वाहनों को जब्त कर थाना भेजवाया। वाहनों पर 100-100 सीएफटी अवैध बालू लदा था। एसडीएओ के निर्देश पर धनबाद सीओ सदर थाना पहुंचे और मामला दर्ज कराया।

महत्वपूर्ण न्यूज

जल्द प्रखंड कमेटी गठित कर उसमें सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित की जाये: बुद्ध नारायण

बोकारो (आजाद सिपाही)। जिला राजद की बैठक रविववार को हुई, जिसकी अध्यक्षता पार्टी के जिलाध्यक्ष बुद्ध नारायण यादव ने की। जिलाध्यक्ष ने प्रखंड कमेटी को जल्द से जल्द गठन करने का निर्देश दिया। साथ ही कमेटी में सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने का सुझाव दिया। कहा कि इस माह के अंत तक जिला कमेटी की सूची प्रदेश नेतृत्व को भेज दी जाएगी। प्रत्येक प्रखंड और अनुमंडल का दौरा किया जाएगा। दल को मजबूत करने और पार्टी का विस्तारीकरण किया जाएगा। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आने वाले नगर निकाय चुनाव में भी पार्टी समर्थित उम्मीदवार देगी। बैठक में राज्य परिषद सदस्य बोढ़न यादव, महानगर अध्यक्ष रामजीत यादव, किसान प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश महासचिव अरुण यादव, प्रदेश महासचिव घनश्याम चौधरी, युवा राजद जिलाध्यक्ष संतोष कुमार गिरी, युवा राजद प्रदेश महासचिव जितेंद्र नारायण यादव, भावेश साहनी, उमाशंकर यादव, अशोक यादव, सुदर्शन सिंह, विद्युत चंद्रा, सुनील यादव, जंग बहादुर यादव, वीरेंद्र यादव, बहादुर गोप और प्रदीप चौरसिया आदि उपस्थित थे।

धनबाद में तीन हजार विद्यार्थियों ने दी नीट की परीक्षा

धनबाद (आजाद सिपाही)। जिले के छह सेंटरों पर रविवा को नीट की परीक्षा ली गयी। जहां कुल तीन हजार विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा इस दिन दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक ली गयी। इस दौरान सभी परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गये थे। कहीं परीक्षा केंद्रों पर तो छात्र समय से काफी पहले ही पहुंच गये थे। परीक्षा केंद्रों पर अच्छी तरह जांच करने के बाद ही परीक्षार्थियों को भीतार जाने दिया जा रहा था। डीएवी कोयलानगर में परीक्षा केंद्र में जाने के लिए परीक्षार्थी कड़ी धूम में परेशान होते देखे गए।

अब गांव-गांव पहुंचेगी मेडिकल टीम, धनबाद के लिए पांच लाख की राशि आवंटित

आदिम बहुल जनजातियों के लिए अब 'चलंत ग्राम क्लीनिक' सेवा की शुरूआत

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। झारखंड में आदिम बहुल जनजातियों को चिकित्सकीय सेवा दिलाने को लेकर सरकार गंभीर है। राज्य सरकार ने विशेष रूप से आदिम जनजातियों के लिए 'चलंत ग्राम क्लीनिक' सेवा की शुरूआत की है। इस क्लीनिक के माध्यम से आदिम जनजातियों के गांव तक पहुंचकर मेडिकल टीम उन तक चिकित्सकीय सेवा पहुंचाएगी। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग की ओर से चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में उन्हें जागरूक किया जाएगा। राज्य मुख्यालय की ओर से इन जनजातियों के लिए धनबाद को पांच लाख रुपए आवंटित किए गए हैं। जबकि पूरे झारखंड के अन्य जिलों के लिए दो करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

सुरक्षित प्रसव, टीकाकरण से जोड़े जा रहे बिरहोर

फिलहाल स्वास्थ्य विभाग की ओर से जननी शिशु सुरक्षा योजना, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव समेत अन्य योजनाओं से बिरहोर परिवार के सदस्यों को जोड़ा जा रहा है। सामाजिक सुरक्षा और शिक्षा के प्रति इन परिवारों को जागरूक किया जा रहा है। फिलहाल जिला प्रशासन की ओर से बिरहोर परिवारों की निगरानी के लिए एक कमेटी भी बनाई गई है।

धनबाद में 54 बिरहोर परिवार के 450 लोग

धनबाद मुख्यालय से लगभग 22 किलोमीटर दूर तोपचांची प्रखंड में चलकरी गांव है। जिसमें आदिम जनजाति बिरहोर परिवार के लोग रहते हैं। झारखंड सरकार ने बिरहोर परिवार को विलुप्त हो रही जनजाति की श्रेणी में रखा है। यहां पर 54 बिरहोर परिवार के 450 लोग रहते हैं। इन्हें बचाने के लिए विभिन्न प्रकार की प्रशासनिक पहल की जा रही है। विभिन्न प्रकार की सरकारी सेवाओं से इन्हें जोड़ा जा रहा है। चिकित्सकीय सेवा प्रदान की जा रही है।

बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाने को लेकर धनसार थाने में बैठक

धनसार (आजाद सिपाही)। बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाने को लेकर धनसार थाना परिसर में रविवार को बैठक की गयी। जिसमें धनसार थाना शांति समिति के सदस्य, क्षेत्र के गणमान्य शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता कर रहे धनसार थाना प्रभारी राजदेव सिंह ने वर्तमान में शहर में छिनतई एवं अपराधिक घटनाओं में हो रही वृद्धि को लेकर चिंता व्यक्त की। थाना प्रभारी राजदेव सिंह ने कहा कि बहुत से ऐसे मकान मालिक है, जो अपना मकान किराये पर अन्य लोगों को दे रखे हैं। पर किरायेदार से उनका पहचान पत्र नहीं लिया है। इसी का फायदा उठाकर अपराधी किराये का मकान लेकर रहते हैं और घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो जाते है। ऐसे में पुलिस को अपराधियों तक पहुंचने में कठिनाई होती है। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से अपने किराएदार को जांच परख कर रखने के साथ ही पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लेने की अपील की। लगे हाथ इसकी जानकारी धनसार पुलिस को भी देने को कहा, ताकि कोई अपराधी छिपकर नहीं रह सके। बैठक में रिंकू सिंह, कुल्लू चौधरी, मदन महतो, लालबाबू यादव, भुटानी सिंह, विक्की, अजय मंडल और मदन सिंह आदि उपस्थित थे।

रेसलर्स के समर्थन में खाप महापंचायत की चेतावनी

20 से पहले हल नहीं, तो 21 को दोबारा होगी महापंचायत

- बृजभूषण शरण सिंह को जल्द गिरफ्तार करने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। जंतर-मंतर पर रविवार को देशभर की खापों की पंचायतों की महापंचायत में डब्ल्यूएफआइ के अध्यक्ष बृजभूषण की गिरफ्तारी के लिए सरकार को 15 दिन का अल्टीमेटम दिया गया। किसान नेता राकेश टिकैत ने महापंचायत के बाद लिए गये फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि रेसलर्स के धरने को आज 15 दिन हो गये हैं, सरकार इस मसले का जल्द से जल्द समाधान निकाले। उन्होंने कहा कि हम सरकार को 15 दिन का और समय देते हैं, अगर 20 मई तक कोई हल नहीं निकलता है, तो 21 मई को फिर महापंचायत होगी जिसमें बड़े से बड़ा निर्णय लिया जायेगा। कोई फैसला न होने पर 21 मई सेस ये आंदोलन देशभर में खड़ा किया जायेगा।

खिलाड़ियों की कमेटी ही चलायेगी आंदोलन : किसान नेता ने कहा कि आंदोलन को खिलाड़ियों की कमेटी ही चलायेगी, लेकिन रोजाना धरनास्थल पर किसी न किसी गांव से किसी न किसी खाप के लोग यहां मौजूद रहेंगे। यह लोग सुबह से शाम तक खिलाड़ियों के साथ रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह बेटियों का मामला है। इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए। किसान आंदोलन की ओर इशारा, करते हुए विनेश ने कहा कि खापों का फैसला मंजूर है। टिकैत ने भी किसान आंदोलन की ओर इशारा करते हुए कहा कि हमारे पास आंदोलन चलाने का 13 महीने का सरकार का दिया हुआ सर्टिफिकेट है। फैसला नहीं होने तक हम आंदोलन पर डटे रहेंगे। उधर खाप महापंचायत के फैसले पर विनेश फोगाट ने कहा कि वह फैसले से सहमत हैं और खापों से बाहर नहीं है।

लगातार पहुंच रहे जंतर-मंतर पर किसान : आंदोलन के समर्थन में रविवार सुबह ही खाप महापंचायत के लिए पंजाब से किसान भी जंतर-मंतर पर पहुंचने शुरू हो गए। रविवार सुबह टिकरी बॉर्डर पर रोके जाने पर किसान नेताओं के साथ आयी महिलाओं ने बैरिकेड्स हटा दिए। इसके बाद पुलिस ने इन्हें दिल्ली में एंट्री की मंजूरी दे दी। इसके बाद किसान बसों और छोटी गाड़ियों से जंतर-मंतर पहुंचे।

डब्ल्यूएफआइ अध्यक्ष बृजभूषण की विनती

डब्ल्यूएफआइ अध्यक्ष बृजभूषण ने वीडियो मैसेज जारी कर कहा, खाप के मेरे चाचा-ताऊ, मैं आपको दिल्ली आने से नहीं रोक रहा, लेकिन जिस दिन दिल्ली पुलिस की जांच पूरी होगी और अगर मैं दोषी पाया गया तो मैं आप सब के बीच खुद आउंगा। आप सब जूते मार-मार कर मेरी हत्या कर देना। आपसे भी विनती है कि आपके गांव से कोई बच्चा, महिला, लड़की कुश्ती खेलती हो तो उनसे 1 मिनट के लिए अकेले में ले जाकर पूछ लेना कि बृजभूषण पर जो आरोप लगे हैं, क्या वो ऐसा ही हैं? आपसे यही कहना चाहता हूं कि बच्चे गलती करते हैं, आप न करो।

मणिपुर से लौटने के बाद छात्रों ने नवीन निवास में मुख्यमंत्री से मुलाकात की

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। मणिपुर के केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले दस उड़िया छात्रों ने सुरक्षित रूप से रविवार को भुवनेश्वर पहुंच गये। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के आदेश पर साम्प्रदायिक हिंसा से प्रभावित मणिपुर में पढ़ने वाले ओड़िशा के छात्रों को शनिवार की रात ओड़िशा लाने का प्रयास शुरू किया गया और बीती रात उनको कोलकाता लाया गया। रविवार को दोपहर को भुवनेश्वर हवाई अड्डा पर पहुंचे। हवाई अड्डे पर ओड़िशा परिवारों के तरफ से छात्रों का स्वागत किया गया।

बाद में छात्रों ने नवीन निवास में मुख्यमंत्री से मुलाकात की। राज्य सरकार की मदद से अपनी मातृभूमि को सुरक्षित लौटने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने उनसे उनके पढ़ने के बारे में पूछा और उम्मीद जतायी कि मणिपुर में जल्द ही सामान्य स्थिति लौट आयेगी। मुख्यमंत्री ने छात्रों को हॉकी की जर्सी देकर उनका स्वागत किया।

वर्ष 1988 से अब तक 42 सदस्यों ने संसद की सदस्यता गंवायी

14वीं लोकसभा में सर्वाधिक अयोग्य ठहराये गये

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। हाल में लोकसभा की सदस्यता से राहुल गांधी को अयोग्य करार दिए जाने के बाद एक अधिनियम के प्रावधान सुर्खियों में आ गये हैं, जिसके तहत 1988 से अब तक 42 सांसद सदस्यता गंवा चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा सदस्य 14वीं लोकसभा में अयोग्य करार दिये गये। प्रश्न पूछने के बदले धन लेने के मामले और क्रॉस वोटिंग के संबंध में 19 सांसदों को अयोग्य करार दिया गया। सांसदों को राजनीतिक पाला बदलने, सांसद के तौर पर अशोभनीय आचरण करने तथा दो साल या उससे अधिक की जेल की सजा वाले अपराधों के लिए अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने समेत विभिन्न आधारों पर अयोग्य करार दिया गया है। हालिया समय में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता मोहम्मद फैजल पी पी, और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के नेता अफजाल अंसारी को अदालतों द्वारा उनकी दोषसिद्धि के बाद दो साल या उससे अधिक की जेल की सजा के कारण अयोग्य करार दिया गया। इन्हें जन प्रतिनिधित्व कानून के प्रावधानों के तहत अयोग्य ठहराया गया। जन प्रतिनिधित्व कानून किसी आपराधिक मामले में दोषी ठहराए जाने और दो साल या उससे अधिक की सजा सुनाए जाने पर सांसदों और विधायकों की स्वतः अयोग्यता से संबंधित है। लोकसभा में लक्षद्वीप का प्रतिनिधित्व करने वाले फैजल को हत्या के प्रयास के मामले में उनकी दोषसिद्धि और सजा के बाद सदस्यता से अयोग्य करार दिया गया था। हालांकि, केरल उच्च न्यायालय द्वारा दोषसिद्धि और सजा रद्द किए जाने के बाद सदस्यता बहाल कर दी गई। गांधी ने ह्यमोदी उपनाम' टिप्पणी को लेकर आपराधिक मानहानि के मामले में राहत पाने के लिए गुजरात उच्च न्यायालय का रुख किया है। सूरत की एक अदालत ने राहुल गांधी को दो साल की जेल की सजा सुनायी थी।

वर्ष 1985 में दल-बदल विरोधी कानून लागू होने के बाद लोकसभा की सदस्यता से सबसे पहले कांग्रेस के लालदुहोमा को अयोग्य करार दिया गया था, जिन्होंने मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए मिजो नेशनल यूनियन के उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। इस पार्टी का गठन लालदुहोमा ने ही किया था। नौवीं लोकसभा के समय जब जनता दल के तत्कालीन नेता वी पी सिंह ने गठबंधन सरकार बनाई थी, लोकसभा के नौ सदस्यों को दल-बदल विरोधी कानून के उल्लंघन का दोषी माना गया, जिसके कारण उन्हें अयोग्य करार दिया गया। हालांकि, 14वीं लोक सभा में सदन से सबसे ज्यादा सदस्यों ने अपनी सदस्यता गंवाई। इस दौरान 10 सदस्यों को संसद में प्रश्न पूछने के लिए रिश्वत स्वीकार कर अशोभनीय आचरण के लिए और नौ को संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग)-1 सरकार के विश्वास मत के दौरान ह्यक्रॉस-वोटिंग' के लिए अयोग्य घोषित किया गया था। जुलाई 2008 में वाम मोर्चे ने अमेरिका के साथ असैन्य परमाणु समझौते पर समर्थन वापस ले लिया था, जिसके कारण सरकार को विश्वासमत का सामना करना पड़ा था।

मैं राहुल गांधी से चीन पर लेना चाहता हूं क्लास : जयशंकर

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा है कि वह चीनी राजदूत से चीन पर क्लास ले रहे है। मोदी सरकार की विदेश नीति पर राहुल गांधी की ओर सवाल उठाये जाने पर जयशंकर ने कहा कि वह उनसे चीन पर क्लास लेने का ऑफर करते हैं, लेकिन उन्हें पता चला कि वह खुद चीनी राजदूत से चीन पर क्लास ले रहे थे। जयशंकर ने डोकलाम संकट के दौरान भारत में चीनी राजदूत के साथ राहुल गांधी की मुलाकात का जिक्र किया। विदेश मंत्री डॉ। एस जयशंकर कर्नाटक के मैसूर में एक कार्यक्रम में सवालों का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें मालूम है कि राजनीति में सब कुछ राजनीतिक है। इसको वह स्वीकार करते हैं। लेकिन उन्हें लगता है कि कुछ मुद्दों पर सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम कम से कम इस तरह से व्यवहार करें कि विदेशों में अपनी (भारत की) स्थिति कमजोर न हो। चीन की ओर से पैंगोंग त्सो क्षेत्र में एक पुल बनाने के मुद्दे पर बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि चीनी पहले 1959 में वहां आये और फिर उन्होंने 1962 में इस पर कब्जा कर लिया, लेकिन इसे ऐसे पेश किया गया जैसे हमने चीन के लिए अपना क्षेत्र खोया। यह कुछ तथाकथित मॉडल गांवों का मामला था। ये उन क्षेत्रों पर बनाये गये थे, जिन्हें हमने 1962 या उससे पहले खो दिया। मुझे कभी यह कहते हुए नहीं देखेंगे कि 1962 में क्या नहीं होना चाहिए था।

मैट्रिक का रिजल्ट मई के तीसरे हफ्ते और मई के अंत तक +2 का रिजल्ट

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। मैट्रिक का रिजल्ट मई के तीसरे सप्ताह में जारी होगा। यह जानकारी शिक्षा मंत्री समीर दास ने दी। उन्होंने कहा कि तारीख की घोषणा जल्द की जायेगी। मई के अंतिम सप्ताह तक विज्ञान और वाणिज्य के +2 का परिणाम प्रकाशित किये जायेंगे। हालांकि तारीख तय नहीं हुई है, लेकिन जल्द ही तारीख की घोषणा की जायेगी। दूसरी तरफ कॉपियों की चेकिंग चल रही है। शिक्षा मंत्री समीर दास ने बताया कि इसे निर्धारित समय सीमा के भीतर समाप्त किया जायेगा। गौरतलब है कि इस बार प्रदेश के 3 हजार 218 केंद्रों पर मैट्रिक रैगुलर, एक्स रैगुलर और एसओएससी और संस्कृत मध्यमा की परीक्षा में 5 लाख से अधिक परीक्षार्थी शामिल हुए थे।

मणिपुर हिंसा पर सरकार बातचीत के लिए तैयार : रेड्डी

नयी दिल्ली। केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री जी. किशन रेड्डी ने मणिपुर हिंसा में शामिल समुदायों से शांति बरतने की अपील करते हुए शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार बातचीत और मुद्दे के समाधान के लिए तैयार है। रेड्डी ने कहा, कृपया मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से हल करने के लिए आगे आयें। भारत सरकार तैयार है। आपने किसानों के मुद्दे को देखा है। जब मामला शांत था तो हमने उन्हें समझाने की कोशिश की। जब मुद्दा हल नहीं हुआ, तो हम उनकी मांग पर सहमत हुए और उन विधेयकों (तीन कृषि कानूनों) को वापस ले लिया गया। इसलिए भारत सरकार अड़ियल नहीं है।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**